THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 38 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.7 2083 शनिवार, 9 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ममता बनर्जी ने अब तक नहीं बदली सोशल मीडिया प्रोफाइल

'मुख्यमंत्री' का टैग अभी भी बरकरार

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 17वीं विधानसभा भंग हो गई है। इसके बावजूद भी तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल नहीं बदली है। वह आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री बन चुकी हैं, लेकिन सोशल मीडिया प्रोफाइल में अभी भी मुख्यमंत्री का टैग बरकरार रखा है।

ममता बनर्जी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक और एक्स पर अभी भी 'माननीय मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल' का इस्तेमाल कर रही हैं। हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार किया था, जिसे वे सोशल मीडिया पर बरकरार रखे हुए हैं।

शुवेंदु अधिकारी चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

आज लेंगे बंगाल के सीएम पद की शपथ

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। बीजेपी नेता शुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे। शुक्रवार को कोलकाता में बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओडिशा के सीएम मोहन माझी को मौजूदगी में उनके नाम का ऐलान किया है। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर से जीते हैं। उन्होंने भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुवेंदु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसे विधायकों ने आम सहमति से मुहर लगाई। सुवेंदु अधिकारी की उम्र 55 साल है। वह पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले से आते हैं। इस जिले में करकुली गांव उनका जन्म स्थान है। पश्चिम बंगाल चुनावों में बीजेपी को 293 सीटों में 207 पर जीत मिली हैं। शुवेंदु अधिकारी बंगाल में बीजेपी के पहले सीएम होंगे।

तीन दशक बाद संभालेंगे सीएम का पद :

शुवेंदु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर, 1970 को हुआ था। शुवेंदु अधिकारी के पिता शिशिर अधिकारी पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। शुवेंदु अधिकारी को राजनीति विरासत में मिली है। उन्होंने पंचयत से लेकर पार्लियामेंट तक सफर तय किया। वह 2005 में पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 2009 और फिर 2014 में तामलुक से लोकसभा के सदस्य चुने गए।

नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में उनकी भूमिका ने उन्हें बंगाल की राजनीति में 'मेदिनीपुर का बादशाह' बना दिया। दिसंबर 2020 में वह तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से हराकर सबको चौंका दिया। इसके बाद वह मई 2021 से 2026 तक वे पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे। अब वह पश्चिम बंगाल में शीर्ष पद को संभालेंगे।

कांग्रेस से की थी राजनीति की शुरूआत :

शुवेंदु अधिकारी ने राजनीतिक की शुरूआत की थी। वह 1995 में कांग्रेस से कंटई नगर पालिका के पार्षद चुने गए थे। ऐसे में उन्होंने 1995 से 2026 तक करीब तीन दशक बाद मुख्यमंत्री का पद हासिल किया है। शुवेंदु अधिकारी के परिवार में दो भाई हैं। दिब्येंदु अधिकारी तामलुक से सांसद और विधायक रह चुके हैं। दूसरे भाई सौमेंद्र अधिकरी कांथी नगर पालिका के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह वर्तमान में कांथी से सासंद हैं। शुवेंदु अधिकारी अविवाहित हैं। हैं। शुवेंदु अधिकारी की मां का नाम गायत्री अधिकारी है। उन्होंने अपना जीवन सामाजिक और राजनीतिक कार्यों के लिए समर्पित कर रखा है। शुवेंदु अधिकारी शनिवार (9 मई) को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

कोलकाता का ब्रिगेड ग्राउंड तैयार

स्टेज पर दुर्गा प्रतिमा से झालमुड़ी तक, भाजपा का शपथ ग्रहण समारोह होगा खास

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार के गठन को लेकर पार्टी इसे बड़े सांस्कृतिक और राजनीतिक आयोजन के रूप में पेश करने की तैयारी में है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

ब्रिगेड ग्राउंड में कैसी चल रही तैयारियां

रिपोर्ट के अनुसार ब्रिगेड ग्राउंड में विशाल मंच तैयार किया जा रहा है, जहां एक बड़ी दुर्गा प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। मंच के आसपास बंगाल की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने वाले कई प्रतीक और प्रतिष्ठित हस्तियों के चित्र लगाए जाएंगे। आयोजन स्थल पर दर्जनों फूड स्टॉल भी लगाए जा रहे हैं, जहां झालमुड़ी, रसोगोला और संदेश जैसे पारंपरिक बंगाली व्यंजन परोसे जाएंगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ शपथ ग्रहण नहीं बल्कि बंगाली संस्कृति के उत्सव जैसा आयोजन होगा।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां

शहर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सक्रिय हो गया है। कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने गुरुवार को ब्रिगेड ग्राउंड पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा की। पुलिस, नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों की कई टीमें लगातार मैदान का निरीक्षण कर रही हैं। हालांकि, तैयारियों के बीच मौसम सबसे बड़ी चिंता बन गया है। बंगाल इस समय बारिश के दौर से गुजर रहा है और मौसम विभाग ने शनिवार सुबह तेज हवाओं, गरज और बिजली के साथ भारी बारिश की संभावना जताई है। गुरुवार को भी कोलकाता के कई हिस्सों में बारिश हुई, जिससे ब्रिगेड ग्राउंड के बड़े हिस्से में पानी भर गया और जगह-जगह कीचड़ फैल गया। इसी वजह से वैकल्पिक आयोजन स्थल के तौर पर नेताजी इंडोर स्टेडियम पर भी विचार किया जा रहा है।

विजय आज लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

गवर्नर ने दिया सरकार बनाने का न्योता

चेन्नई, 8 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शुक्रवार को तीसरी बार लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिले। विजय द्वारा समर्थन पत्र सौंपने के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात संक्षिप्त रही। कल सुबह 11 बजे विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

कांग्रेस और वामपंथी दलों से समर्थन मिलने के बाद विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वामपंथी दलों द्वारा बिना शर्त समर्थन देने के कुछ घंटों बाद विजय शुक्रवार को तीसरी बार राजभवन पहुंचे, उन्होंने सरकार बनाने के जरूरी आंकड़े का समर्थन पत्र सौंपा। टीवीके ने चुनाव में कुल 108 सीटें जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया है। पार्टी प्रमुख विजय खुद दो सीटों से विजयी हुए हैं, जिसके चलते उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राज्य में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों का है। ऐसे में विजय को सरकार गठन के लिए अभी और विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), वीसीके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (सीपीआई-एम) के पास 2-2 विधायक हैं। वहीं कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन टीवीके को पहले से मिला हुआ है।

इन सभी को जोड़ने के बाद भी विजय के पास कुल 118 विधायकों का समर्थन बनता है। माकपा ने आधिकारिक पत्र जारी कर टीवीके सरकार को समर्थन देने की घोषणा की, जबकि सीपीआई ने "स्थिर, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक शासन" के नाम पर सशर्त समर्थन दिया।

इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने भी अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को दिया है। इन सभी के समर्थन के बाद टीवीके और उसके सहयोगी विधायकों की कुल संख्या 118 हो जाती है। यह संख्या बहुमत के आंकड़े के करीब है।

चुनाव में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, टीवीके के संस्थापक विजय को उन दो विधानसभा सीटों में से एक से इस्तीफा देना होगा, जिन पर उन्होंने जीत दर्ज की है। विजय ने चेन्नई की पेरांबूर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट सीट से चुनाव जीता है।

केंद्र सरकार ने एलजी को दिया जम्मू-कश्मीर के टेलीकॉम का कंट्रोल

क्यों लिया गया यह बड़ा फैसला, क्या होगा असर?

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को टेलीकॉम सेवाओं से संबंधित अधिकारों का इस्तेमाल करने की मंजूरी दी है। इन अधिकार में सार्वजनिक सुरक्षा या राष्ट्रीय आपात स्थितियों के दौरान दूरसंचार सेवाओं पर नियंत्रण, सिग्नल इंटरसेप्शन, सेवा निलंबन और संदेशों के डिक्रिप्शन जैसी सुविधाओं का प्रबंधन शामिल है।

आदेश के अनुसार, राष्ट्रपति ने उपराज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 239 के तहत केंद्र शासित प्रदेश में राज्य सरकार के अधिकारों का प्रयोग करने का निर्देश दिया है। यह अधिकार दूरसंचार अधिनियम, 2023 (44 ऑफ 2023) की धारा 20(2) के तहत दिए गए हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में लागू होते हैं। इन अधिकारों के तहत उपराज्यपाल किसी भी आपात स्थिति या सार्वजनिक सुरक्षा के हित में सेवाओं को बंद करने का आदेश जारी कर सकते हैं। इंटरसेप्शन यानी कॉल या मैसेज की निगरानी की अनुमति दे सकते हैं। टेलीकॉम सेवाओं को निलंबित कर सकते हैं।

सरकार ने क्यों लिया यह फैसला :

जम्मू-कश्मीर की संवेदनशील सुरक्षा स्थिति को ध्यान में रखते हुए आतंकवाद और बॉर्डर पार हो रही गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अमरनाथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए दंगों, हिंसा या आपात हालात में तुरंत नियंत्रण।

क्या होगा फायदा :

एलजी को अधिकार मिलने से सुरक्षा एजेंसियां तेजी से कार्रवाई कर पाएंगी हिंसा या अफवाह फैलने पर इंटरनेट तुरंत रोका जा सकेगा, आतंकियों की डिजिटल गतिविधियों पर निगरानी आसान होगी। गौरतलब है कि केंद्र शासित प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान अधिकारी अक्सर उन इलाकों में टेलीकॉम सेवाओं को निलंबित करते हैं, जहां आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहा होता है।

सीएम पद की लड़ाई सड़कों पर आई

पर्यवेक्षकों ने खड़गे को सौंपी रिपोर्ट, दिल्ली में होगा फैसला

तिरुवनंतपुरम, 8 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के शीर्ष कमान पर अब केरल के अगले मुख्यमंत्री को चुनने की जिम्मेदारी है। इसी बीच, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं वीडी सतीशन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला के समर्थक सड़कों और सोशल मीडिया पर अपने नेताओं के समर्थन में खुलकर सामने आ गए हैं।

एआईसीसी के पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक और अजय माकन गुरुवार को जब कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में शामिल होने और पार्टी के 63 विधायकों से अलग-अलग बातचीत करने पहुंचे, तब तिरुवनंतपुरम स्थित इंदिरा भवन के पास सांसद केसी वेणुगोपाल के समर्थन में छह बड़े फ्लेक्स बोर्ड लगाए गए। वेणुगोपाल ने केरल विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था। तिरुवनंतपुरम में लगाए गए वेणुगोपाल के एक फ्लेक्स बोर्ड पर गुरुवार को कथित तौर पर ग्रीस ऑयल फेंक दिया गया।

वीडी सतीशन के समर्थन में प्रदर्शन :

दूसरी ओर, राज्य के कई हिस्सों में वीडी सतीशन के समर्थन में प्रदर्शन किए गए। इसके अलावा, अलप्पुझा और कन्नूर जिले के इरिक्कुर में वेणुगोपाल के खिलाफ और सतीशन के समर्थन में पोस्टर लगाए गए। हालांकि, फ्लेक्स बोर्ड की इस लड़ाई में रमेश चेन्निथला काफी पीछे दिख रहे हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर उनके समर्थक लगातार उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। ऐसी खबरें हैं कि वेणुगोपाल को अधिकांश विधायकों का समर्थन हासिल है। लेकिन पार्टी नेताओं ने इस बारे में कोई सीधा बयान नहीं दिया है। इसके बजाय सोशल मीडिया पोस्ट और मीडिया से बातचीत के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दिए जा रहे हैं।

विधायक दल ने शीर्ष कमान को दिया सीएम चुनने का अधिकार :

नवनिर्वाचित विधायकों के दल ने एक प्रस्ताव पारित कर एआईसीसी अध्यक्ष को विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार दिया है। यही नेता आगे चलकर मुख्यमंत्री भी बनेगा। ऐसे में यह त्रिकोणीय मुकाबला अब नई दिल्ली और पार्टी मुख्यालय तक पहुंचने की संभावना है। उम्मीद है कि पर्यवेक्षक शुक्रवार को एआईसीसी को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। इसके बाद अंतिम चर्चा के लिए केरल के नेताओं को पार्टी मुख्यालय बुलाया जा सकता है, जिसके बाद मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा होगी।

नोएडा हिंसा मामला : 'हाईकोर्ट जाइए यहां पहले ही 93000 केस लंबित'

शीर्ष कोर्ट का छात्रा को जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नोएडा में 13 अप्रैल को हुए मजदूरों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार एक छात्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने आकृति चौधरी की ओर से पेश वकील से कहा कि वह इलाहाबाद हाई कोर्ट में जाएं।

शीर्ष कोर्ट ने क्या कहा :

पीठ ने कहा, आप हाईकोर्ट क्यों नहीं जाते? हर कोई अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर करके यहां आता है। सुप्रीम कोर्ट में 93 हजार मामले पहले से ही लंबित हैं।

पुलिस अधिकारियों को भी नोटिस :

आकृति चौधरी के वकील ने अदालत को बताया कि पुलिस ने गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए और जमानत की मांग की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि आकृति चौधरी दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा हैं। शीर्ष कोर्ट ने केशव आनंद नाम के व्यक्ति की याचिका पर पुलिस अधिकारियों को नोटिस भी जारी किया, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है।

नोएडा की कोर्ट ने दी पुलिस रिमांड की अनुमति :

नोएडा की एक कोर्ट ने पहले तीन महिलाओं आकृति चौधरी, मनीषा चौहान और सृष्टि गुप्ता की शर्तों के साथ पुलिस रिमांड की अनुमति दी थी। इन पर 13 अप्रैल के औद्योगिक मजदूरों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि जांच के दौरान उनके वकीलों को मौजूद रहने की अनुमति होगी।आकृति चौधरी और सृष्टि गुप्ता दोनों दिल्ली की रहने वाली हैं और उनकी उम्र 20 के आसपास है। चौधरी ने दौलत राम कॉलेज से इतिहास में स्नातकोत्तर किया है, जबकि मनीषा नोएडा की एक औद्योगिक इकाई में काम करती हैं। पुलिस ने हिरासत के लिए दायर आवेदन में कहा था कि आरोपियों के घर से अहम साक्ष्य मिलने की पूरी संभावना है।

बस बहुत हो चुका...

कर्नल सोफिया कुरैशी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने क्यों लगाई एमपी सरकार को फटकार

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह की एक टिप्पणी पर हंगामा थमता नहीं दिख रहा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार के उस फैसले में देरी पर आपत्ति जताई, जिसमें उसे अपने मंत्री कुंवर विजय शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देनी थी। एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस मामले की जांच की थी और कुंवर विजय शाह पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार से मंजूरी मांगी थी।

सीजेआई बोले- अब बस, बहुत हो चुका :

भारत के मुख्य न्यायाधीश सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने कहा कि एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने कुंवर विजय शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी के लिए जो अनुरोध किया था, उस पर फैसला दो हफ्ते पहले ही आ जाना चाहिए था। एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस मामले की जांच की थी और विजय शाह पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार से मंजूरी मांगी थी। अब सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अब बस हमारे आदेश का पालन करें। बहुत हो चुका।

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मंत्री विजय शाह की ओर से पूरे मामले में सबसे पहले तो माफी मांगी जानी चाहिए थी। लेकिन ऐसा तभी हुआ जब हमने इस मामले का संज्ञान लिया। इस मामले को चार हफ्ते बाद फिर से सुनवाई के लिए लिस्ट करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी तब की है जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मध्य प्रदेश के मंत्री पर मुकदमा चलाने की मंजूरी पर फैसला अभी भी लंबित है।

मणिपुर में सुरक्षा हालात का सेना ने लिया जायजा

अग्रिम इलाकों का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा

इंफाल, 8 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में हालिया हिंसा और सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारतीय सेना ने राज्य में अपनी तैयारियों और तैनाती का व्यापक आकलन किया। स्पीयर कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने राज्य के अग्रिम और संवेदनशील इलाकों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था तथा सैन्य तैयारियों की समीक्षा की।

कोर कमांडर ने किया हवाई सर्वेक्षण :

इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में तैनात जवानों और अधिकारियों से बातचीत कर मौजूदा सुरक्षा हालात की जानकारी ली। कोर कमांडर ने हाल में हुई तांगखुल-कुकी झड़पों से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। उन्होंने जमीन पर तैनात सैनिकों की सतर्कता, पेशेवर क्षमता और कठिन परिस्थितियों में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता की सराहना की।

सेना के अनुसार, उन्होंने जवानों से कहा कि क्षेत्र में शांति कायम रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए हर स्तर पर सतर्कता बनाए रखना जरूरी है। दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल कालिया ने लेइमाखोंग सैन्य स्टेशन स्थित रेड शील्ड ड्रोन लैब का भी निरीक्षण किया। यहां सेना द्वारा स्वदेशी ड्रोन असेंबली, मरम्मत और ड्रोन युद्धक प्रशिक्षण से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा की गई।

परिचालन क्षमता बेहतर करने की प्रतिबद्धता :

अधिकारियों ने उन्हें मिशन आधारित ड्रोन तकनीक और आधुनिक निगरानी प्रणालियों के बारे में जानकारी दी। कोर कमांडर ने ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में सैनिकों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और तकनीकी दक्षता की प्रशंसा करते हुए कहा कि भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में आधुनिक तकनीक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी।

थलपति विजय से 'दोस्ती' पर डीएमके ने तोड़ा कांग्रेस से गठबंधन

लोकसभा में अलग बैठेंगे सांसद, कानिमोझी ने लिखा पत्र

चेन्नई, 8 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस द्वारा विजय की अगुवाई वाली टीवीके का समर्थन करने पर डीएमके ने 'गद्दारी' करने का आरोप लगाया था। पार्टी ने कहा था कि कांग्रेस ने पीठ में छुरा घोंपा। एक्टर विजय को समर्थन देने के मुद्दे पर अब डीएमके और कांग्रेस के बीच तल्खी और बढ़ गई है। यह तल्खी अब चेन्नई से दिल्ली पहुंच गई है। डीएमके की सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा है कि मैं लोकसभा में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमक) के सांसदों के बैठने की व्यवस्था में सही बदलाव करने का अनुरोध करती हूं।

बदले हुए राजनीतिक हालात को देखते हुए और क्योंकि इंडियन नेशनल कांग्रेस के साथ हमारा गठबंधन खत्म हो गया है, इसलिए हमारे सदस्यों के लिए सदन में उनके साथ मौजूदा बैठने की व्यवस्था में बने रहना सही नहीं होगा।

डीएमके ने कांग्रेस से तोड़ा गठबंधन :

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। एक्टर थलपति विजय की अगुवाई वाली टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी हैं। टीवीके को 108 सीटें मिली हैं, जबकि डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47 सीटें मिली हैं। बाकी सीटें छोटे दलों के पास हैं। बीजेपी को एक सीट मिली है। सत्ता की चाबी सीपीआई, सीपीआईएम और वीसीके साथ पीएमके जैसी छोटी पार्टियों के पास है। डीएमके साथ गठबंधन में लड़ी कांग्रेस को पांच सीटें मिली हैं। कांग्रेस ने टीवीके को खुला समर्थन दे दिया है। इसके बाद तमिलनाडु में सियासी घमासान जारी है। तमिलनाडु विधानसभा का कार्यकाल 10 मई तक है।

घर से मिले 4 हजार से अधिक तलवारें और खंजर, हथियारों का जखीरा देख पुलिस भी रह गई दंग

नांदेड़, 8 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये के घातक हथियारों का जखीरा बरामद किया है। शहर के वजीराबाद इलाके के रामदास नगर स्थित एक घर पर छापेमारी के दौरान पुलिस को तलवार, खंजर और दूसरे धारदार हथियारों का ऐसा ढेर मिला, जिसे देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। जानकारी के मुताबिक, नांदेड़ रूरल पुलिस स्टेशन की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है। छापे के दौरान घर से करीब 4796 धारदार हथियार बरामद किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में तलवारें, कोयता, खंजर शामिल हैं। जब्त हथियारों की कुल कीमत लगभग 43 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने इस मामले में 50 वर्षीय आरोपी जसवन्त सिंह प्रकाश सिंह सुखमनी को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी यह हथियार बिक्री के उद्देश्य से लेकर आया था और इन्हें अलग-अलग जगहों पर सप्लाई किए जाने की तैयारी थी। पुलिस टीम ने मौके से भारी मात्रा में हथियार जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

11 मई को सोमनाथ जाएंगे पीएम मोदी

मंदिर के 75 साल पूरे होने पर लिखा लेख

अहमदाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री 11 मई को एक बार फिर से गुजरात के सोमनाथ मंदिर की यात्रा पर जा रहे हैं। उन्होंने इसको लेकर एक लेख में जानकारी दी। पीएम मोदी ने लिखा कि 2026 की शुरुआत में, मैं सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के लिए सोमनाथ गया था। ये सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के एक हज़ार साल पूरे होने का अवसर था। पीएम मोदी ने कहा कि अब मैं 11 मई को फिर से सोमनाथ आऊंगा, ताकि उस घटना के 75 साल पूरे होने का जश्न मना सकूं जब भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ। राजेंद्र प्रसाद ने इस किले मंदिर का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी ने बताया कि छह महीने से भी कम समय में सोमनाथ और उसके 'विनाश से पुनर्निर्माण' तक के सफर से जुड़े दो महत्वपूर्ण पड़ावों में शामिल होना मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है।

एक ऐसा सफर जिसे हम 'विध्वंस' से 'सृजन' तक का सफर कहते हैं। सोमनाथ हमें एक सभ्यतागत संदेश देता है। इसके सामने फैला

विशाल समुद्र हमें कालजयी होने का एहसास कराता है। इसकी लहरें हमें यह बताती हैं कि तूफान चाहे कितने भी भयंकर क्यों न हों, या ज्वार-भाटा कितना भी उथल-पुथल भरा क्यों न हो, इंसान हमेशा गरिमा और शक्ति के साथ फिर से उठ खड़ा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि ये लहरें बार-बार किनारे पर लौटकर आती हैं, मानो वे हर पीढ़ी को यह याद दिला रही हों कि लोगों की भावना को कभी भी लंबे समय तक दबाकर नहीं रखा जा सकता। पीएम मोदी ने बताया कि हमारे पुराने शास्त्रों में कहा गया है कि प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंम्। इसका मतलब है, दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की एक प्रदक्षिणा पूरी धरती की प्रदक्षिणा के बराबर है।

पीएम मोदी ने बताया कि लोग यहां प्रार्थना करने आते हैं, लेकिन उन्होंने एक ऐसी सभ्यता की अनोखी निरंतरता का भी अनुभव किया है जिसकी लौ कभी बुझ नहीं सकती। साम्राज्य बने और गिरे, लहरें बदलीं, इतिहास जीत और उथल-पुथल से गुजरा, फिर भी सोमनाथ हमारी चेतना में हमेशा बना रहा।

यह उन अनगिनत महान लोगों को याद करने का समय है जो जुल्म के सामने डटे रहे। लकुलीश और सोम सरमन थे, जिन्होंने प्रभास को दर्शन का एक बड़ा सेंटर बना दिया। वल्लभी के चक्रवर्ती महाराजा धरसेन आईवी ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। भीम देव, जयपाल और आनंदपाल को हमेशा हमलों के खिलाफ सभ्यता के सम्मान की रक्षा के लिए याद किया जाएगा।

कहा जाता है कि राजा भोज ने भी इसे फिर से बनाने में मदद की थी। कर्ण देव और सिद्धराज जयसिम्हा ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक ताकत को वापस लाने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पशुपत आचार्यों ने इस मंदिर को फिर से बनाया और पूजा और शिक्षा के एक बड़े केंद्र के तौर पर इसे बनाए रखा।

तलचुआ नदी मुहाने पर पलटी नाव, 8 मछुआरे बचाए गए सुरक्षित

भुवनेश्वर, 8 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के केंद्रापड़ा जिले में शुक्रवार को एक बड़ा नदी हादसा होते-होते टल गया। राजनगर ब्लॉक के तलचुआ गांव के पास नदी के मुहाने पर तेज आंधी-तूफान के बीच मछलियों से लदी एक नाव अचानक पलट गई। नाव में सवार 8 लोग किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, यह मछली पकड़ने वाली नाव भद्रक जिले के धामरा पोर्ट से तलचुआ फेरी घाट की ओर आ रही थी।

नाव में करीब 25 क्विंटल मछलियां लदी हुई थीं। इसी दौरान नदी मुहाने के पास मौसम अचानक खराब हो गया और तेज हवा व ऊंची लहरों के कारण नाव असंतुलित होकर पलट गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि नाव पलटते ही उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हालांकि, आसपास मौजूद अन्य मछुआरों और ग्रामीणों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। सभी 8 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है,

क्या आप भी 'ऑनलाइन रमी' खेलते हैं?

गेम्जक्राफ्ट के 3 संस्थापकों को ईडी ने किया अरेस्ट

नई दिल्ली/बेंगलुरु, 8 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय यानी कि ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्जक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों पर बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने कंपनी के 3 संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को 'मनी लॉन्ड्रिंग' के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। यह कंपनी 'रमी कल्चर और रमीटाइम' जैसे ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म चलाती थी। ईडी की यह कार्रवाई कई राज्यों में दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई है, जिनमें आरोप है कि कंपनी और इसके संचालक धोखाधड़ी, लोगों से ठगी और ऑनलाइन रियल मनी गेम्स के जरिए अवैध कमाई में शामिल थे।

जांच एजेंसी के मुताबिक, इन गेमिंग ऐप्स के जरिए बड़ी संख्या में लोगों से पैसे लगाए गए, जिससे कई लोग भारी आर्थिक नुकसान में चले गए और कुछ मामलों में पीड़ितों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा, जबकि अलग-अलग राज्यों में आत्महत्या जैसी घटनाओं को लेकर भी मुकदमे दर्ज हैं। ईडी ने इस मामले में को कर्नाटक और एनसीआर में एक साथ 17 ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई कंपनी के कार्यालयों, समूह की अन्य इकाइयों और कर्मचारियों से जुड़े परिसरों पर की गई, जिसमें कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत जब्त किए गए। जांच के दौरान मिले सबूतों के आधार पर ईडी ने पाया कि कंपनी के संस्थापक कथित रूप से मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों में शामिल थे।

इसके बाद 8 मई को तीनों आरोपियों को पीएमएलए की धारा 19 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, दीपक सिंह और पृथ्वीराज सिंह को एनसीआर से गिरफ्तार किया गया है और उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर लेकर बेंगलुरु की अदालत में पेश किया जाएगा, जबकि विकास तनेजा को बेंगलुरु से गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया गया है। ईडी अब इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि ऑनलाइन गेमिंग के जरिए जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल किन-किन जगहों पर किया गया और क्या इस कथित नेटवर्क में अन्य कंपनियां या व्यक्ति भी शामिल थे।

क्या वाकई आरजी कर पीड़िता के घर के पास हुए धमाके, इलेक्शन एजेंट ने बताई पूरी कहानी

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। कोलकाता के उत्तर 24 परगना में आरजी कर केस पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ के घर के पास बम ब्लास्ट की खबर ने आज सबको चौंका दिया। रत्ना देबनाथ खुद पश्चिम बंगाल के पनिहाटी से चुनाव जीतकर विधायक बनी हैं। बम धमाके की खबरों को फर्जी बताते हुए एक चुनाव एजेंट जॉय सारा ने पूरा मामला ही क्लियर कर दिया। इलेक्शन एजेंट ने बम ब्लास्ट की खबरों को अफवाह बताते हुए कहा कि यहां ऐसा कोई हमला नहीं हुआ है,कुछ लोग अफवाह फैला कर डर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। खबर मिली कि उत्तर 24 परगना के पनिहाटी में आरजी कर रेप पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ के घर के पास धमाका हुआ है।

रत्ना देबनाथ पनिहाटी से ही विधायक बनी हैं। खबर आग की तरह फैल गई। तभी बम हमले की खबरों पर उनके चुनाव एजेंट जॉय सारा ने कहा कि यहां ऐसा कोई हमला नहीं हुआ है, लेकिन पनिहाटी के वार्ड नंबर-2 में बमबाजी हुई है। कुछ लोग अफवाह फैलाकर डर का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।इसको लेकर प्रशासन से कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। चुनाव एजेंट जॉय सारा ने आगे बताया कि पनिहाटी के लोग, जैसे पूरे बंगाल के लोग, सिंडिकेट और आपराधिक राज से मुक्ति चाहते थे। इसी वजह से यहां बीजेपी की सरकार चुनी गई।हम स्थिति को बनाए रखने के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करने के लिए तैयार हैं। अगर जरूरत पड़ी, तो यहां प्रशासन की भूमिका वैसी होनी चाहिए जैसी उत्तर प्रदेश में सरकार के तहत काम करती है।

प्रशासन को पूरी छूट मिलनी चाहिए, ताकि यहां कोई भी दबदबा कायम न कर सके।" पनिहाटी विधानसभा सीट से बीजेपी की विजेता उम्मीदवार और आरजी कर मेडिकल कॉलेज दुष्कर्म-हत्या मामले की पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ का बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह घटना मेरे घर के सामने नहीं हुई, बल्कि वार्ड नंबर-14 में हुई है। इसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो की हालत नाज़ुक है। अगर आज टीएमसी जीत जाती, तो पता नहीं कितनी ज्यादा हिंसा होती। हिंसा वही (टीएमसी) लोग कर रहे हैं।

बेअदबी कानून को हाई कोर्ट में नई चुनौती

जनहित याचिका में धर्मनिरपेक्षता और संवैधानिक वैधता पर उठे सवाल

चंडीगढ़, 8 मई (एजेंसियां)। पंजाब सरकार द्वारा बेअदबी रोकने के उद्देश्य से लागू किए गए "जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट" पर कानूनी संकट और गहरा गया है। इस कानून के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में अब एक और जनहित याचिका दाखिल कर दी गई है। जालंधर निवासी करनप्रीत सिंह ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए इस संशोधन एक्ट को संविधान की मूल भावना, धर्मनिरपेक्ष ढांचे और केंद्रीय कानूनों के विपरीत बताते हुए रद्द करने की मांग की है।

इस याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के दौरान विस्तृत बहस हुई, जिसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई शुक्रवार तक स्थगित कर दी। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि पंजाब सरकार ने पहले 14 जुलाई 2025 को विधानसभा में "द पंजाब प्रिवेंशन ऑफ ऑफेंसेज अगेंस्ट होली सक्रिप्चर्स बिल-2025" पेश किया था, जिसमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब, कुरान मजीद और श्रीमद्भगवद्गीता सहित विभिन्न धर्मों के पवित्र ग्रंथों को संरक्षण देने का प्रस्ताव रखा गया था। लेकिन उस व्यापक और सर्वधर्म समभाव आधारित विधेयक पर आगे बढ़ने के बजाय सरकार ने केवल "जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब" तक सीमित संशोधन कानून पारित कर दिया।

यह संशोधन 12 अप्रैल को विधानसभा से पारित हुआ और 20 अप्रैल को इसकी गजट अधिसूचना भी जारी कर दी गई। याचिका में सबसे बड़ा संवैधानिक सवाल यह उठाया गया है कि जब राज्य एक ही धर्म के पवित्र ग्रंथ को विशेष कानूनी संरक्षण देता है और अन्य धर्मों के पवित्र ग्रंथों को बाहर रखता है, तो यह संविधान के समानता और धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत पर सीधा प्रश्न खड़ा करता है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि भारत का संविधान सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण की अपेक्षा करता है।

लखीमपुर हिंसा मामला

गवाहों की गैरहाजरी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज; ट्रायल कोर्ट को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के चर्चित लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की सुनवाई में हो रही देरी पर शुक्रवार को गंभीर नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि पिछले करीब दो महीनों से ट्रायल में किसी भी गवाह की गवाही नहीं हो सकी है, जबकि मामला बेहद संवेदनशील और गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से इस पर जवाब मांगा और ट्रायल कोर्ट को गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ इस मामले से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दाखिल स्टेटस रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए कहा कि रिपोर्ट में यह तक नहीं बताया गया कि गवाह अदालत में पेश क्यों नहीं हो रहे हैं सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रायल में लगातार देरी न्याय प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

अदालत ने ट्रायल कोर्ट के पीठासीन न्यायाधीश को निर्देश दिया कि गवाहों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए कानून के तहत जरूरी कदम उठाए जाएं। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि मामले की सुनवाई समयबद्ध तरीके से पूरी करने का प्रयास किया जाए और ट्रायल की प्रगति पर नई स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की जाए। यह मामला 3 अक्तूबर 2021 को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया क्षेत्र में हुई हिंसा से जुड़ा है। उस दिन किसान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे।

आरोप है कि प्रदर्शन कर रहे किसानों पर एक एसयूवी वाहन चढ़ा दिया गया, जिसमें चार किसानों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद इलाके में हिंसा भड़क गई थी। गुस्साए किसानों द्वारा वाहन चालक और दो भाजपा कार्यकर्ताओं की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। हिंसा में एक पत्रकार की भी मौत हुई थी। इस तरह पूरे घटनाक्रम में कुल आठ लोगों की जान गई थी। मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी हैं। जांच के बाद दिसंबर 2023 में ट्रायल कोर्ट ने आशीष मिश्रा और 12 अन्य आरोपियों के खिलाफ हत्या, आपराधिक साजिश और अन्य गंभीर धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। इसके बाद मामले की नियमित सुनवाई शुरू हुई थी।

हाईवे से मिले 500 के नोट से भरे 3 बैग, 566 गड्डियों में से केवल 84 नोट ही निकले असली

इंदौर, 8 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर में लावारिस हालत में मिले तीन संदिग्ध बैगों से 500 रुपये के नोट जैसे आकार वाली 566 गड्डियां बरामद की गईं और जांच के दौरान इनमें से केवल 84 नोट असली पाए गए। पुलिस को मामले की सूचना मिलते ही, उन्होंने तीनों बैग जब्त कर लिए। सूचना के मुताबिक सांवेर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की नजर खेत में रखे तीन संदिग्ध बैगों पर पड़ी, मगर काफी देर तक कोई बैग लेने नहीं आया तो, उसने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बैग खोले, तो उनमें कुल 566 गड्डियां मिलीं जो 500 रुपये के नोट के आकार की थीं। इनमें से अधिकांश गड्डियों में ऊपर और नीचे 500-500 रुपये के नोट लगे थे, जबकि बीच में सादा कागज रखा गया था। विज्ञप्ति के मुताबिक 133 गड्डियां ऐसी थीं जिनमें केवल सादा कागज था, लेकिन उनके किनारों पर 500 रुपये के नोट जैसा रंग लगाया गया था। जांच के दौरान 566 गड्डियों में 500 रुपये के कुल 84 असली नोट मिले जिनकी कुल कीमत 42,000 रुपये है।

अंगदान रैकेट का भंडाफोड़, फर्जी दस्तावेज बनवाने के आरोप में पांच गिरफ्तार

कोच्चि, 8 मई (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने अंगदान करने वालों और प्राप्तकर्ताओं के लिए जाली दस्तावेज उपलब्ध कराने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में शुक्रवार को पांच लोगों को हिरासत में लिया गया और कई स्थानों पर छापेमारी की गई। कुन्नाथुनाडु पुलिस ने छापेमारी के बाद दो मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान एर्नाकुलम जिले के पेरिंगाला के नजीब कल्लाथारा और उनकी पत्नी रशीदा, एर्नाकुलम के कुन्नाथुनाडु के सनी वर्गीस और उनकी पत्नी सिनी वर्गीस और एर्नाकुलम के चेलक्कुलम, पट्टीमट्टम के सनोज केपी के रूप में की है।

आरोपियों को उनके आवासों और पल्लीकारा स्थित एक डिजिटल स्टूडियो पर छापेमारी के बाद हिरासत में लिया गया। पुलिस इस रैकेट का हिस्सा होने के संदेह में आसिफ की भी तलाश कर रही है। अंगदान प्रक्रिया में जटिल सत्यापन शामिल होता है, जिसके लिए पुलिस, स्थानीय निकायों, डॉक्टरों, विधायकों और सांसदों से प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। आरोपियों ने कथित तौर पर ऐसे प्रमाण पत्रों में हेराफेरी की थी। छापेमारी के दौरान कंप्यूटर, मोबाइल फोन और डीवीआर जब्त किए गए। गिरोह ने कोच्चि के दो निजी अस्पतालों के जाली लेटरहेड और फर्जी पुलिस मंजूरी प्रमाण पत्र बनाए थे। उन्होंने पूर्व विधायक सीएच कुन्हाम्बु, केपी मोहनन, दलीमा जोजो, सांसद हिबी ईडन, के राधाकृष्णन और पूर्व मुख्य सचेतक एन जयराज के फर्जी पत्र और लेटरपैड भी तैयार किए थे।

अंबलपुझा के पुलिस उप अधीक्षक और कुन्नमकुलम के सहायक पुलिस आयुक्त के लेटरहेड भी जाली बनाए गए थे। आरोपियों ने कई प्रमुख डॉक्टरों के सिफारिशी पत्रों में भी हेराफेरी की थी। पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ विस्तृत जांच शुरू कर दी है, जिन्होंने कथित तौर पर इस गिरोह से अंगदान प्रक्रियाओं के लिए सहायता प्राप्त की थी। अधिकारियों ने बताया कि इस रैकेट और अन्य राज्यों के लोगों के बीच संभावित संबंधों की भी जांच की जा रही है। ये

सादी वर्दी में 20 पुलिसवाले, चार दिन की निगरानी, निदा खान को पकड़ने के लिए नासिक पुलिस ने ऐसे फैलाया था जाल

नासिक, 8 मई (एजेंसियां)। नासिक के टीसीएस कांड की आरोपी निदा खान अब पुलिस गिरफ्त में है। निदा खान पर धर्म परिवर्तन, यौन शोषण सहित कई मामलों को लेकर 40 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। निदा खान बीती रात नासिक पुलिस के जाल में आखिरकार फंस गई जिसके बाद उससे जुड़े सारे राज अब बाहर आएंगे। खबर है कि निदा को लेकर नासिक पुलिस कोर्ट भी जा सकती है। निदा टीसीएस धर्मांतरण केस में एक मुख्य चेहरा थी तो उसे पकड़ने के लिए नासिक पुलिस ने भी सारी सावधानी बरती। 20 पुलिसवाले सादी वर्दी में रहे और पिछले चार दिनों से उस पर नजर रखे हुए थे।

फरार निदा खान छत्रपति संभाजीनगर के नारेगांव स्थित कौसर कॉलोनी में अपने एक रिश्तेदार के किराए के फ्लैट में छिपी हुई थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह पिछले 3-4 दिनों से अपने माता-पिता, भाई और मौसी के साथ वहां रुकी हुई थी। जानकारी के अनुसार, उसके साथ कुल 5 और लोग थे। निदा खान संभाजीनगर के कुछ वकीलों के संपर्क में थी और हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल करने की तैयारी कर रही थी। बता दें कि टीसीएस ने निदा खान को सस्पेंड कर रखा है।

महुआ मोइत्रा को देखकर 'चोर-चोर' कहने के समर्थन में बीजेपी

सांसद के बयान से मिले संकेत

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनाव का रिजल्ट आने के बाद जहां बंगाल से हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं तो कई जगह तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का विरोध भी हो रहा है। इसी बीच टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि फ्लाइट में उनके खिलाफ नारे लगे थे और बदसलूकी हुई थी। अब टीएमसी सांसद के इन आरोपों पर बीजेपी की प्रतिक्रिया सामने आई है। बीजेपी सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के मामले पर कहा कि वह जनता थी हमारे लोग नहीं थे। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के मामले पर बीजेपी सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि नारी का सम्मान तब होता जब वो नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करती है।

जनता उनसे परेशान थी इसलिए उनको देखकर नारेबाजी की, वो हमारे कार्यकर्ता नहीं थे जनता थी क्योंकि महुआ जी खुद ऐसा ही व्यवहार करती है। इसके साथ ही बीजेपी सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने ममता बनर्जी और अखिलेश यादव की मुलाकात पर कहा कि ये नाटक करना बंद करें। जनता के जनादेश का अपमान ना करें, जनता के बीच जाते तो ऐसा नहीं होता। जैसे यूपी से जंगलराज खत्म किया वैसे ही बंगाल से भी खत्म करेंगे। वहीं बीजेपी सांसद ने

आप सांसद संजय सिंह के इस मामले पर बयान पर कहा संजय सिंह इसलिए परेशान है क्योंकि उनके सदस्य हमारे साथ आ गए हैं। बता दें कि कोलकाता से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई- 719 में तृणमूल कांग्रेस से लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ कुछ यात्रियों द्वारा कथित तौर पर नारेबाजी और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो भी टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

टीएमसी सांसद ने कहा कि विमान की सीट 1एफ पर बैठी थीं, तभी 4 से 6 लोगों का एक समूह विमान में सवार हुआ। टीएमसी सांसद का आरोप है कि ये लोग लगातार उन्हें घूरते रहे और बाद में विमान के पिछले हिस्से की ओर चले गए। उन्होंने कहा कि फ्लाइट के दिल्ली पहुंचने के बाद, लेकिन विमान का दरवाजा खुलने से पहले, इन लोगों ने "जय श्री राम" के नारे लगाने शुरू कर दिए।

सेब खरीद की प्रक्रिया होगी पूरी तरह डिजिटल, सीएम सुक्खू ने दिया निर्देश

शिमला, 8 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आगामी सेब खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल करने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि अगले सीजन से खरीद से जुड़े सभी चरणों और डाटा का डिजिटलीकरण किया जाए, जिससे पारदर्शिता बढ़े और बागवानों को सीधा लाभ मिल सके। हाल ही में हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने मंडी मध्यस्थता योजना (एमआईएस) के तहत सेब खरीद के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि छोटे और सीमांत बागवानों के हित सर्वोपरि हैं और निगम को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसानों को उनके उत्पाद का अधिकतम लाभ मिले।

इसके लिए खरीद केंद्रों की अग्रिम सूचना जारी करने और सभी व्यवस्थाएं समय पर दुरुस्त करने का आदेश दिया गया है। बैठक में बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पिछले वर्ष 2025 में, एमआइएस के तहत एचपीएमसी ने रिकॉर्ड 98,540 हजार टन सेब की खरीद की थी। इस बार पूरी खरीद प्रक्रिया का जिम्मा केवल एचपीएमसी के पास रहेगा, जबकि पहले हिमफेड भी इसमें शामिल होता था।

ज्योति मल्होत्रा सुप्रीम कोर्ट का खटखटाएगी दरवाजा

हाईकोर्ट से नहीं मिली जमानत जासूसी का आरोप, जेल में है बंद

हिसार, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के गंभीर आरोपों में घिरीं यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा अब जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। हिसार की सेंट्रल जेल-2 में करीब एक साल से बंद ज्योति की जमानत याचिका को स्थानीय अदालत और पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहले ही खारिज कर चुके हैं। 'ट्रैवल-विद-जो' नाम से यूट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति मल्होत्रा को 16 मई 2025 को हिसार के सिविल लाइन थाना में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। पुलिस और जांच एजेंसियों का आरोप है कि ज्योति अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के एक अधिकारी 'एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश' के संपर्क में आई थीं। इस दौरान मोबाइल के माध्यम से दोनों के बीच निरंतर संपर्क बना रहा। इसके साथ ही एजेंसियों को आशंका है कि इस संपर्क के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया है। ज्योति मल्होत्रा के वकील, एडवोकेट रविंद्र सिंह ढुल ने बताया कि वे अब सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके बचाव का मुख्य आधार 'समानता' होगा।

हरियाणा और पंजाब के दो अन्य युवकों को, जिन पर समान रूप से जासूसी और सीक्रेट एक्ट की धाराएं लगी थीं, उन्हें जमानत मिल चुकी है। ज्योति के मामले में भी इसी तथ्य को आधार बनाकर सुप्रीम कोर्ट से राहत की मांग की जाएगी। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस मामले की गंभीरता और राष्ट्रीय सुरक्षा के पहलुओं को देखते हुए ज्योति को राहत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने पुलिस द्वारा पेश किए गए उन साक्ष्यों को संज्ञान में लिया था, जो यह संकेत देते हैं कि याचिकाकर्ता का संपर्क पड़ोसी देश के संदिग्ध अधिकारियों से था।

सुविचार: जीवन में प्रायः संग्रह करने वालों को रोते और बांटने वालों को हँसते देखा गया है।

हज यात्रियों पर पड़ने वाले अतिरिक्त बोझ को सरकार वहन करेगी : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार इस वर्ष हज यात्रियों द्वारा सामना किए जा रहे अतिरिक्त बोझ को वहन करेगी।

शुक्रवार को हज हाउस से हज यात्रियों को ले जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण हवाई ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है और परिणामस्वरूप हवाई यात्रा के किराए में भी वृद्धि हुई है। हज यात्रियों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अतिरिक्त खर्च वहन कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार सभी धर्मों का सम्मान करती है और हिंदू एवं मुसलमान सभी को भाई-भाई माना जाता है।

एसआईआर कार्यक्रम में मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बाद, रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी कि एसआईआर की आड़ में भी मतदाताओं के नाम हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना राज्य में लोगों से एकजुट होकर इस तरह की मतदाता सूची हटाने की रणनीति को रोकने की अपील की। रेवंत रेड्डी ने पिछले साल सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान हुई उस भयावह बस दुर्घटना को याद किया जिसमें 44 तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी और राज्य सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये का मुआवजा देकर शोक संतप्त परिवारों की सहायता की थी। रेवंत रेड्डी ने जन सरकार द्वारा शुरू की गई अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं पर प्रकाश डाला और बताया कि रोजगार के अवसरों और कल्याणकारी योजनाओं दोनों में अल्पसंख्यकों को उनका उचित हिस्सा मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अल्पसंख्यकों को विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाती हैं। वायु प्रदूषण कम करने के लिए सरकार की पहल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद में कई गरीब अल्पसंख्यक ऑटो रिक्शा चलाकर अपनी आजीविका कमाते हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने आउटर रिंग रोड के भीतर चलने वाले सभी ऑटो रिक्शा को मुफ्त में इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा में बदलने का फैसला किया है। इस पहल से ऑटो चालकों को काफी बचत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्हाइट-कॉलर नौकरियों की तुलना में ब्लू-कॉलर नौकरियों की मांग अधिक है और अमेरिका की तुलना में जर्मनी और जापान जैसे देशों में रोजगार के अवसर अधिक प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार पहले से ही आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) को एटीसी (उन्नत प्रशिक्षण केंद्र) में अपग्रेड कर रही है ताकि युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके और वे प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रतिस्पर्धा कर सकें। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि वे तेलंगाना को विकास में नंबर एक राज्य बनाने और देश के लिए एक आदर्श बनने के लिए प्रयासरत हैं।

पीओसीएसओ मामलों में अधिकांश आरोपी पीड़ितों के परिचित : एनसीआरबी

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से खुलासा हुआ है कि तेलंगाना में वर्ष 2024 के दौरान दर्ज अधिकांश पीओसीएसओ मामलों में आरोपी पीड़ितों के परिचित थे। इनमें परिवार के सदस्य, पड़ोसी, मित्र तथा परिवार से जुड़े अन्य लोग शामिल हैं। एनसीआरबी की 'क्राइम इन इंडिया 2024' रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में तेलंगाना में कुल 2,103 बालिकाएं यौन अपराधों का शिकार हुईं। इनमें से लगभग 99.9 प्रतिशत मामलों में आरोपित पीड़ितों को पहले से जानते थे। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में दर्ज पीओसीएसओ मामलों में कुल 2,076 आरोपितों की पहचान की गई, जिनमें से 2,074 आरोपी पीड़ितों के परिचित निकले। कुछ आरोपी ऑनलाइन माध्यमों के जरिए पीड़ितों के संपर्क में आए थे।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल पीड़ितों में 1,240 बालिकाओं की आयु 16 से 18 वर्ष के बीच थी, जबकि 740 पीड़िताएं 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग की थीं। शेष पीड़ित 12 वर्ष से कम आयु की थीं।

रक्षा विनिर्माण में देश में नंबर-1 बनने की दिशा में बढ़ रहा तेलंगाना : उत्तम रेड्डी

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना वर्ष 2030 तक देश की निर्विवाद एयरोस्पेस और रक्षा राजधानी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शुक्रवार को फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) तथा तेलंगाना उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एमएसएमई स्पार्क 3.0 एयरोस्पेस एवं डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने यह बात कही।

हैदराबाद स्थित एक होटल में आयोजित इस सम्मेलन में 400 से अधिक नीति निर्माता, रक्षा विशेषज्ञ, एमएसएमई, स्टार्टअप, निवेशक और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में भारत के तेजी से विकसित हो रहे एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में संभावनाओं पर चर्चा की गई। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद कम लागत वाले वैश्विक एयरोस्पेस केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां रक्षा प्रयोगशालाएं, अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयां और मजबूत एमएसएमई नेटवर्क उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में तेलंगाना के लगभग 1,500 एमएसएमई एयरोस्पेस और रक्षा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े हुए हैं। पूर्व डीआरडीओ अध्यक्ष जी. सतीश रेड्डी ने कहा कि यह सम्मेलन 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसने भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को प्रदर्शित किया। उन्होंने बताया कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' ढांचे के तहत 3.5 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य वर्ष 2028 तक 50 हजार करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात तक पहुंचना है। डीआरडीओ की महानिदेशक चंद्रिका कौशिक ने कहा कि भारत का 7.85 लाख करोड़ रुपये का रक्षा बजट, जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक पूंजीगत खरीद घरेलू उद्योगों के लिए आरक्षित है, एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए बड़े अवसर लेकर आया है। उन्होंने बताया कि डीआरडीओ अब तक 2,200 से अधिक प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग समझौते कर चुका है और स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 750 से अधिक पेटेंट रॉयल्टी मुक्त उपलब्ध करा रहा है। एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत एमएसएमई और स्टार्टअप को रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में उभरते अवसरों से जोड़ना है। सम्मेलन में रक्षा खरीद सुधार, वित्तीय सहायता, निवेश अवसरों और स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

इसमें डीआरडीओ, बीईएल, मिधानी, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, सिडबी तथा कई निजी रक्षा विनिर्माण कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को हैदराबाद प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, सुधाकर पाइप्स एंड फिटिंग्स, एमपायलट, भारतीय स्टेट बैंक, सिडबी, डायनामिक एयरो, इकोब्लिस और डन एंड ब्रैडस्ट्रीट जैसी प्रमुख औद्योगिक संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

साइबराबाद पुलिस ने महिला सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सुरक्षा परिषद महिला सुरक्षा मंच ने एक बैंक सहयोग से माधापुर में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें 100 से अधिक लोग व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे और 200 से अधिक लोग वर्चुअल रूप से शामिल हुए। साइबराबाद पुलिस उपायुक्त, महिला एवं बाल सुरक्षा विंग, के. सृजना ने संवादात्मक सत्र का नेतृत्व किया और महिलाओं की सुरक्षा, वास्तविक जीवन की आपातकालीन स्थितियों, निवारक रणनीतियों और समय पर रिपोर्टिंग के महत्व पर बात की। उन्होंने महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में साइबराबाद पुलिस की पहलों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने में सतर्क, जानकार और आत्मविश्वासी रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को व्यावहारिक सुरक्षा जागरूकता, आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र और सुरक्षित कार्यस्थल संस्कृति के निर्माण में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व के बारे में सशक्त बनाना था।

प्रेम संबंध के विवाद में इंजीनियरिंग छात्र की हत्या

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के चिलकलगुडा क्षेत्र में गुरुवार रात एक इंजीनियरिंग छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान जवाहरनगर निवासी युवान के रूप में हुई है। बताया गया है कि उसका पिछले चार वर्षों से एक युवती के साथ प्रेम संबंध था। गुरुवार रात वह युवती से मिलने के लिए इंदिरा नगर, चिलकलगुडा पहुंचा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवती के परिजनों ने पहले ही युवान को चेतावनी दी थी और उससे युवती से दूर रहने के लिए कहा था। इसके बावजूद दोनों के बीच संबंध जारी रहे। पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात युवान के वहां पहुंचने पर युवती के रिश्तेदारों ने उसे पकड़ लिया और चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह भेज दिया है।

महिलाओं के उत्पीड़न के मामलों में साइबराबाद और मलकाजगिरि पुलिस की कार्रवाई तेज

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद और मलकाजगिरि की महिला सुरक्षा टीमों ने महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियानों के दौरान कई मामलों में कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में आरोपितों को गिरफ्तार किया है। साइबराबाद महिला सुरक्षा टीमों ने 2 से 7 मई के बीच 99 गुप्त अभियान चलाए। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों पर कथित अभद्र व्यवहार करने के आरोप में 32 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 42 छोटे मामलों में कार्रवाई की तथा महिलाओं से संबंधित 17 शिकायतें प्राप्त हुईं। मानव तस्करी निरोधक इकाई ने तस्करी से जुड़े मामलों में तीन पीड़ितों को बचाया और छह लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं किशोर न्याय अधिनियम से जुड़े मामलों में चार बालकों को सुरक्षित बचाया गया तथा चार लोगों को हिरासत में लिया गया।

इधर, मलकाजगिरि महिला सुरक्षा टीम ने 16 से 30 अप्रैल के बीच महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित मामलों में पांच नाबालिगों सहित 66 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस को इस अवधि में फोन, सोशल मीडिया और शारीरिक उत्पीड़न से जुड़ी कुल 86 शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस ने यौन उत्पीड़न, ब्लैकमेल, ऑनलाइन दुर्व्यवहार तथा धमकी से संबंधित मामलों में भी प्रकरण दर्ज किए हैं। मलकाजगिरि की पुलिस आयुक्त बी सुमति ने कहा कि महिलाओं को निशाना बनाने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब और धूम्रपान करने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद जोन पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और धूम्रपान करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 100 से अधिक लोगों के विरूद्ध कार्रवाई की है। पुलिस द्वारा चलाए गए दो घंटे के विशेष अभियान के दौरान पार्कों, कब्रिस्तानों, शराब की दुकानों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों की जांच की गई। इस दौरान पुलिस टीमों ने कई स्थानों पर नियमों का उल्लंघन करते लोगों को पकड़ा। अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान एक व्यक्ति गांजा पीते हुए पकड़ा गया। इसके अलावा 28 लोग सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करते तथा 81 लोग सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीते पाए गए। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरूद्ध मामले दर्ज कर उन्हें चेतावनी एवं परामर्श दिया। अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

घरेलू सहायकों की नियुक्ति में सतर्क रहें : वीसी सज्जनार

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने नागरिकों से घरेलू सहायकों, सुरक्षा गार्डों तथा ड्राइवरों की नियुक्ति के दौरान पूरी सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को बिना पृष्ठभूमि सत्यापन के घर में कार्य पर नहीं रखा जाना चाहिए। यह बयान आंध्र प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक विनय रंजन राव की पत्नी तनुजा रंजन की हत्या की घटना के बाद आया है।

शुक्रवार को जुबली हिल्स स्थित उनके आवास में घरेलू सहायिका कल्पना पर हत्या कर घर से कीमती सामान लेकर फरार होने का आरोप है। वीसी सज्जनार ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में नेपाली गिरोहों द्वारा लूटपाट की कई घटनाएं सामने आने के बावजूद लोग बिना उचित जांच-पड़ताल किए नेपाली नागरिकों को घरेलू कार्यों के लिए नियुक्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नागरिकों को इस प्रकार की नियुक्तियों में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पुलिस आयुक्त ने लोगों से आग्रह किया कि किसी भी घरेलू सहायक, चालक अथवा सुरक्षा कर्मी को नियुक्त करने से पहले उसका पुलिस सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SIVARAM PRASAD A S/o. PEDA NAGAIAH, Army. No. 15327521H, Rank: HAV, R/o. H. No.: 11-15-75/22, Garikipativari Street, Repalle Mdl, Bapatla Dist, AP-522265. That, my daughter's Name has been wrongly recorded in my service documents from A MANASWI to ADUSUMALLI MANASWI, the same has been corrected in service documents, affidavit date: 05/05/2026.

I, SUB SHYOPAT KUMAR R/O: VILLAGE: RORANWALI , WARD NO.5, HANUMANGARH JN, HANUMANGARH, RAJASTHAN - 335512, have changed my Son's name from JITIN to JITIN KUMAR vide Affidavit dt.08-05-2026 AT Hyderabad

I, JC 775576L, Sub, Kamlesh Kumar Sain, R/o, Dist: Alwar, Rajasthan, changed my Father's name from Radhe Shyam Sain to Radhey Shyam Sain vide Affidavit No. 466639 dt. 07.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Latha Sree, W/o, No 14679179L, Ex CFN, Atika Nagaraja Kishore,R/o, Dist: Khammam, Telangana, changed my name from Latha Sree to Atika Latha Sree, vide Affidavit No. BN 820941 dt. 12.02.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

800 वर्ष पुराने काकतीयकालीन मंदिर ध्वस्तीकरण मामले में शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्रालय ने वारंगल जिले में स्थित लगभग 800 वर्ष पुराने काकतीयकालीन शिव मंदिर को ध्वस्त किए जाने के मामले में कथित तौर पर संज्ञान लेते हुए शिकायत दर्ज की है। यह कार्रवाई तेलंगाना के मानवाधिकार अधिवक्ता रामाराव इम्माननी द्वारा राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के समक्ष शिकायत दायर किए जाने के बाद की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि खानपुर मंडल के अशोक नगर स्थित प्राचीन शिव मंदिर को एकीकृत विद्यालय निर्माण के लिए बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। बताया गया है कि मंदिर परिसर में फरवरी 1231 ईस्वी का एक दुर्लभ शिलालेख भी मौजूद था, जिसमें काकतीय शासक गणपतिदेव को महाराजा और राजधिराजुलु की उपाधियों से संबोधित किया गया था। इतिहासकारों के अनुसार, सात पंक्तियों वाला यह तेलुगु शिलालेख वर्ष 1965 में विरासत विभाग द्वारा प्रलेखित किया गया था।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह मंदिर ऐतिहासिक कोटा कट्टा मिट्टी के किले क्षेत्र का हिस्सा था, जो प्राचीन तालाबों और किलेबंदी से घिरा हुआ था। उनका मत है कि विरासत संरचना को क्षति पहुंचाए बिना मंदिर का संरक्षण, पुनर्स्थापन या पुनर्निर्माण संभव था। मामले में तेलंगाना सरकार पर तेलंगाना विरासत अधिनियम के अंतर्गत विरासत संरक्षण समिति का गठन नहीं करने के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायत में तेलंगाना विरासत अधिनियम की धारा 30 के तहत जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही वारंगल की जिलाधिकारी डॉ. सत्य शारदा तथा अन्य संबंधित पुरातत्व अधिकारियों की भूमिका की जांच कर जवाबदेही तय करने की मांग भी की गई है।

पत्नी से विवाद के बीच दामाद पर सास से दुष्कर्म का आरोप

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के वटपल्ली मंडल के एक गांव में एक व्यक्ति पर अपनी सास के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है।

घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का अपनी पत्नी से अक्सर विवाद होता रहता था। दोनों के बीच चल रहे मतभेदों को सुलझाने के लिए पीड़िता अपने दामाद के घर पहुंची थी। आरोप है कि व्यक्ति ने अपनी पत्नी से चल रहे विवाद के लिए सास को जिम्मेदार ठहराया और गुस्से में उसे एक कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया।

घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर हरीश राव ने जताई चिंता

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी हरीश राव ने तेलंगाना में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2024 की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि तेलंगाना देश के सबसे अधिक अपराध प्रभावित राज्यों में शामिल हो गया है। एक बयान में हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी गृह विभाग का प्रभार भी संभाल रहे हैं, इसलिए राज्य में बढ़ते अपराधों के लिए वे सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र में नियमित समीक्षा बैठकों के बावजूद अपराध, साइबर धोखाधड़ी, अपहरण तथा महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं।

एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में तेलंगाना में साइबर अपराध के 27,230 मामले दर्ज किए गए, जो देश में सर्वाधिक हैं। इनमें 21,987 मामले साइबर धोखाधड़ी से संबंधित थे। इसके अलावा राज्य में 25,500 लोगों के लापता होने के मामले दर्ज हुए, जिनमें से लगभग 4,500 लोगों का अब तक पता नहीं चल सका है। उन्होंने बताया कि अपहरण एवं अगवा करने के मामलों की संख्या बढ़कर 3,372 हो गई, जबकि बच्चों के खिलाफ अपराध के 6,767 मामले दर्ज किए गए। इनमें 70 प्रतिशत से अधिक पीड़ित लड़कियां थीं। महिलाओं के खिलाफ अपराध वर्ष 2022 में 22,066 से बढ़कर 2024 में 24,495 तक पहुंच गए। राज्य में मानव तस्करी के 423 मामले भी दर्ज किए गए, जो देश में सबसे अधिक बताए गए हैं। हरीश राव ने कहा कि एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में संज्ञेय अपराधों की कुल संख्या वर्ष 2023 के 1,83,644 मामलों से बढ़कर वर्ष 2024 में 2,17,976 हो गई। राज्य में अपराध दर प्रति एक लाख आबादी पर 568.9 दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत 418.9 से काफी अधिक है। उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदायों के खिलाफ अत्याचार के मामलों में वृद्धि पर भी चिंता जताई। बीआरएस शासनकाल की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय मजबूत पुलिस व्यवस्था और खुफिया समन्वय के कारण संवेदनशील मामलों का शीघ्र समाधान किया जाता था। उन्होंने अरबिंदो फार्मा अपहरण मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि वह कुछ ही घंटों में सुलझा लिया गया था, जबकि वर्तमान सरकार के दौरान करीमनगर में दिनदहाड़े हुई लूट की घटना कई दिनों तक अनसुलझी रही। हरीश राव ने राज्य सरकार से कानून व्यवस्था सुधारने, खुफिया तंत्र को मजबूत करने, साइबर अपराध और लापता व्यक्तियों के मामलों की त्वरित जांच करने तथा महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

तेंदुआ का आतंक, दो महिला समेत 3 लोगों को किया घायल

पिपरासी, 8 मई (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र में दो महिला समेत एक व्यक्ति को तेंदुआ ने हमला कर जख्मी कर दिया है। मनिया छापर गांव निवासी चिरई देवी 35 वर्ष पति दाउद अपने घर के दरवाजे पर बैठी थी। उसी वक्त दियारे से एक तेंदुआ पहुंचकर हमला बोल दिया। जिसमें महिला बुरी तरह घायल हो गई। स्वजन अब्दुल अंसारी ने बताया कि इतनी बुरी तरह से मेरी भाभी को जख्मी किया है, कि उसे जीएमसीएच बेतिया इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। उनकी हालत बेहद नाजुक है।

इसके बाद करीब दो किलोमीटर दूरी पर सौरहा पंचायत के भिलोरवा टोला में तेंदुआ ने मनोज शर्मा 25 वर्ष और धनपति देवी पर हमला बोलकर जख्मी कर दिया है। सभी का इलाज पिपरासी पीएचसी में हो रहा है। गांव में कोहराम मचा हुआ है। संदेह में भी तेंदुआ का आतंक देखने को मिल रहा है।

प्रदेश में औसत से 13 डिग्री तक गिरा पारा

सोमवार से सक्रिय होगा एक और पश्चिमी विक्षोभ; अलर्ट जारी

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी है। बीते 24 घंटों में राजधानी लखनऊ समेत तराई, पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड के कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 27 मिमी बारिश जालौन में हुई, जबकि महराजगंज में 23 मिमी और झांसी में 20 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हुई। बारिश और ठंडी हवाओं के असर से तराई व पश्चिमी जिलों में मौसम में ठंडक बढ़ गई।

कई जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 10 से 13 डिग्री सेल्सियस तक नीचे दर्ज किया गया। हरदोई, इटावा, बरेली और नजीबाबाद में तापमान सामान्य से करीब 13 डिग्री नीचे पहुंच गया। नजीबाबाद में 25 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे कम अधिकतम तापमान रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ गया है। अगले दो दिनों में बूंदाबांदी कम होने और तापमान बढ़ने के संकेत हैं। हालांकि, सोमवार से पश्चिमी यूपी में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के असर से हल्की बूंदाबांदी फिर शुरू हो सकती है। बारिश और ठंडी हवाओं के असर से अधिकतम तापमान में 3.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई और पारा 30 डिग्री से नीचे पहुंच गया। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और हवा में नमी बढ़ने से उमस भरी गर्मी महसूस होगी। शनिवार से पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ने लगेगा। अधिकतम तापमान 29.5 और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आगामी मानसून को देखते हुए प्रदेश सरकार ने बाढ़ से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में राहत आयुक्त डॉ। ऋषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को बाढ़ अनुश्रवण समिति की बैठक हुई, जिसमें विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 44 जिलों, 118 तहसीलों, 2500 गांवों और 5600 मजरों को बाढ़ के लिहाज से अति संवेदनशील चिन्हित किया गया है। इन क्षेत्रों की सूची संबंधित विभागों और राहत टीमों को भेजी जा रही है। बाढ़ और नदियों के जलस्तर की जानकारी देने के लिए एक विशेष वीडियो भी तैयार किया गया है।

3 बच्चों की मां, सरकारी टीचर, प्रेमी संग हुई फरार

बदायूं, 8 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के वजीरगंज क्षेत्र में तैनात एक महिला शिक्षिका का मामला इन दिनों पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। तीन बच्चों की मां बताई जा रही शिक्षिका अचानक घर से अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। इस का पता चलने के बाद से ही परिवार, पुलिस और शिक्षा विभाग हो गया। शिक्षा विभाग ने विभागीय कार्रवाई के तहत उसे निलंबित कर दिया। इस बात की जानकारी होते ही महिला दौड़े-दौड़े विभाग के दफ्तर पहुंची, जिसने पूरे मामले को सुर्खियों में ला दिया है। जानकारी के अनुसार, वजीरगंज ब्लॉक क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में तैनात महिला शिक्षिका का लंबे समय से एक युवक से संपर्क था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दोनों के बीच धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ती चली गईं। इसी बीच कुछ दिन पहले शिक्षिका अचानक घर से गायब हो गई। परिवार के लोगों ने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन जब कोई जानकारी नहीं मिली तो पति ने रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क किया। बाद में मामले की शिकायत स्थानीय थाने में दी गई।

विजय थलापति नहीं, तमिलनाडु में बीजेपी बना सकती है सरकार?

पप्पू यादव ने सेट किया 'फॉर्मूला'

पूर्णिया, 8 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनाव में विजय थलापति की पार्टी (टीवीके) 108 सीटें जीती है। इसी के साथ यह सबसे बड़ी पार्टी भी बनकर उभरी है। राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा भी पेश किया गया है, लेकिन पार्टी को बहुमत के आंकड़े (118) को साबित करने के लिए कहा गया है। ऐसे में विजय को सरकार बनाने के लिए कम से कम 10 और विधायकों की जरूरत है। इस बीच बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने एक अलग ही 'फॉर्मूला' सेट कर दिया है।

शुक्रवार (08 मई, 2026) को सांसद पप्पू यादव ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट कर तंज कसा कि तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए राज्यपाल को बीजेपी को आमंत्रण देना चाहिए। क्योंकि इस पार्टी (बीजेपी) के लिए बहुमत साबित करना आसान है। उन्होंने अपने पोस्ट में तंज कसते हुए ईडी, सीबीआई और आईटी का नाम लिया है। अपने पोस्ट में पप्पू यादव लिखते हैं, तमिलनाडु में राज्यपाल को बीजेपी के एकमात्र विधायक को सरकार बनाने का आमंत्रण देना चाहिए! उन्हें बहुमत साबित करना सबसे आसान है।

गवर्नर, आडी, सीबीआई, आईटी विभाग और चुनाव आयोग जी तोड़ परिश्रम कर उनके लिए बहुमत सहजता से जुटा देंगे! तमिलनाडु में विजय थलापति की पार्टी टीवीके का भविष्य अब सीपीआई, सीपीएम और वीसीके के फैसले पर टिका हुआ है। टीवीके ने इन तीनों दलों से सरकार गठन के लिए समर्थन मांगा है।

ये तीनों दल आज (शुक्रवार) शाम तक अपना फैसला घोषित कर सकते हैं। अंदरखाने कई नेताओं का मानना है कि जनादेश का सम्मान करते हुए टीवीके को समर्थन दिया जाना चाहिए, लेकिन डीएमके का दबाव भी बना हुआ है क्योंकि ये दल लंबे समय से डीएमके गठबंधन का हिस्सा है। दूसरी ओर तमिलनाडु में राज्यपाल के रुख पर लगातार विपक्षी दल सवाल उठा रहे हैं। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर चल रहे राजनीतिक टकराव के बीच, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने आज (शुक्रवार) राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन की घोषणा की है।

ये विरोध-प्रदर्शन बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के खिलाफ होगा। राज्य में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच, तमिलनाडु कांग्रेस समिति ने आज सुबह 11 बजे चेन्नई में सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों की एक अहम बैठक बुलाई है।

बालू माफियाओं का तांडव, निजी जमीन से रातों-रात हो रहा अवैध उठाव

कटौना, 8 मई (एजेंसियां)। जिले के कटौना बालू घाट क्षेत्र में बालू माफियाओं की मनमानी और दुस्साहस का एक बड़ा मामला सामने आया है। आरोप है कि माफिया अब सरकारी घाटों के साथ-साथ निजी रैयती जमीन को भी निशाना बना रहे हैं और रात के अंधेरे में अवैध रूप से बालू का उठाव कर रहे हैं। इस मामले को लेकर पीड़ित जमीन मालिक ने खनन विभाग से न्याय की गुहार लगाते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित जमीन मालिक योगेन्द्र पंडित ने खनन विभाग के पदाधिकारी को आवेदन देकर बताया कि उनकी खतियानी जमीन (खाता संख्या 85, खेसरा संख्या 334, रकवा 1.20 एकड़) पर माफियाओं की नजर है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त जमीन का मामला वर्तमान में दीवानी न्यायालय में लंबित है, इसके बावजूद बालू माफिया नियमों को ताक पर रखकर मशीनों और ट्रैक्टरों के माध्यम से रात भर बालू का उठाव करते हैं। इस अवैध गतिविधि से उनकी निजी जमीन को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

आरजेडी के परिवारवाद वाले आरोप पर जेडीयू की पहली प्रतिक्रिया

'निशांत कमार तो सच्चे मन से आए हैं'

पटना, 8 मई (एजेंसियां)। बिहार में मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया है। इसको लेकर आरजेडी हमलावर है। नीतीश कुमार पर परिवारवाद का आरोप लगाया जा रहा है। आरजेडी की ओर से उठाए जा रहे सवाल पर जेडीयू की पहली प्रतिक्रिया आई है। शुक्रवार (08 मई, 2026) को जेडीयू के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय कुमार झा ने इस पर कहा, ।।।देखिए आरजेडी से आप क्या अपेक्षा करते हैं? जिसका पूरा परिवार राजनीति में हो... ये (निशांत कुमार) तो सच्चे मन से आए हैं... काम करने के लिए। संजय झा ने कहा, मैं और अगर विस्तार में बोलूं तो नीतीश कुमार जी जब बिहार की राजनीति से मुख्यमंत्री का पद छोड़कर गए... 21 साल से सीएम थे... तो वो बेटे को ला सकते थे... कोई रोक तो नहीं थी, जब खुद छोड़कर गए तो पार्टी को लगा कि उनकी (निशांत) आवश्यकता है... तो पार्टी में लोगों ने कहा तो आए।

हमको नहीं लगता है कि बिहार के लोग निशांत को पहले जानते भी थे... निशांत कुमार नई सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बने हैं, इस पर संजय झा ने कहा, पढ़े-लिखे हैं, बेहतर काम होगा। उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य के क्षेत्र में और अच्छा काम होगा। दूसरी ओर मंत्रिमंडल के विस्तार पर जेडीयू नेता ने कहा कि इसमें महिला, यूथ और अनुभव के आधार पर कैबिनेट का बंटवारा हुआ है। कल (गुरुवार) शपथ ग्रहण भी हो गया, कैबिनेट का बंटवारा भी हो गया। आज (शुक्रवार) से पूरी सरकार 2025 में जो जनादेश मिला था उसके लिए काम करना शुरू कर देगी।

'ममता बनर्जी से मिलने जो-जाएगा सबका सूपड़ा साफ होने वाला है'

यूपी चुनाव से पहले अखिलेश यादव को बीजेपी ने दे दी चेतावनी

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों में बड़ी हार मिलने के बावजूद ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री पद की कुर्सी छोड़ने से इनकार कर दिया था। इस फैसले के बीच बंगाल में विधानसभा भंग हुई। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ममता बनर्जी से मुलाकात करने के लिए कोलकाता पहुंचे। अखिलेश यादव और ममता बनर्जी की मुलाकात पर बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी का बड़ा बयान आया है।

उन्होंने कहा, अखिलेश यादव तो ममता दीदी से मिलने जाएंगे ही। अभी तो बहुत लोग जाने वाले हैं। जो-जो जा रहे हैं सबका सूपड़ा साफ होने वाला है।

बिहार बीजेपी अध्यक्ष ने अखिलेश यादव को चेतावनी देने के लहजे में कहा, अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव है, उनका भी यही हाल होने वाला है, जैसा बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी का सूपड़ा साफ कर दिया। आप अगर जनहित में नहीं सोचेंगे तो जनता मौका लगते ही आपको हटा देगी। ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव 'उत्तर प्रदेश मॉडल' की तर्ज पर डराने-धमकाने और हेरफेर के माध्यम से कराए गए हैं। यूपी में जो हुआ, वही बंगाल में दोहराया गया है।

अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी से कहा, "आप हारी नहीं हैं। लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई जारी रहेगी। हम आपके साथ खड़े हैं।" वहीं, अखिलेश यादव ने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को 'कड़ी टक्कर देने' के लिए बधाई दी।

बिजनौर में भी तरबूज कांड एक ही परिवार के 3 लोगों ने खाया फल, बेटी की मौत

बिजनौर, 8 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के शेरनगर नरैका गांव में तरबूज खाने के बाद एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हालत अचानक बिगड़ गई। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में एक 22 साल की युवती ने दम तोड़ दिया, जबकि उसके माता-पिता की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। डॉ। जियाउल रहमान ने बाज़ार से लाया हुआ तरबूज अपनी पत्नी और बेटी मुस्कान के साथ खाया था।

तरबूज खाने के कुछ ही देर बाद तीनों को तेज़ बेचैनी, उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। जैसे-जैसे समय बीता, मुस्कान की हालत तेज़ी से बिगड़ने लगी। परिजन उसे आनन-फानन में अस्पताल लेकर दौड़े, लेकिन बदकिस्मती से अस्पताल पहुंचने से पहले ही मुस्कान की मौत हो गई। मुस्कान का निकाह हाल ही में तय हुआ था, जिसके चलते घर में खुशियों का माहौल था, जो अब मातम में बदल गया है।

एमएलसी अक्षय प्रताप पर एफआईआर के आदेश

राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने लगाया है धोखाधड़ी का आरोप

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। यूपी के बाहुबली नेता और जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के मुखिया राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह द्वारा दायर धोखाधड़ी के मामले में लखनऊ कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने इंस्पेक्टर हजरतगंज को आदेश दिया है कि इस मामले में अक्षय प्रताप सिंह, रोहित प्रताप सिंह, अनिल सिंह और रामदेव यादव के खिलाफ केस दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए। भानवी सिंह द्वारा दायर की गई याचिका के अनुसार, यह मामला एक साझेदारी फर्म और करोड़ों की संपत्ति से जुड़ा है। भानवी सिंह ने 10 फरवरी 2014 को एक साझेदारी फर्म बनाई थी, जिसके नाम पर करीब 5 करोड़ रुपये की संपत्तियां दर्ज थीं। आरोप है कि अक्षय प्रताप सिंह और उनके सहयोगियों ने साजिश रचकर नवंबर 2020 में फर्म का आधिकारिक पता बदलकर अपना निजी आवास दर्ज करा लिया। याचिका में कहा गया है कि फर्म के नाम पर दर्ज कीमती संपत्तियों को हड़पने के उद्देश्य से दस्तावेजों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी और जालसाजी की गई। फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्म हड़पने के इस मामले में कानूनी लड़ाई काफी समय से चल रही थी।

सबसे पहले भानवी सिंह ने लखनऊ एसीजेएम कोर्ट में अर्जी दाखिल की, जिस पर एमपी-एमएलए कोर्ट ने परिवाद चलाने का आदेश दिया। भानवी सिंह ने इसके बाद निगरानी याचिका डाली ताकि मामले की सुनवाई कोर्ट की सीधी निगरानी में हो। इस आदेश के खिलाफ अक्षय प्रताप सिंह ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने अक्षय प्रताप की याचिका को खारिज कर दिया और सेशन कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

5 करोड़ के हीरे, 15 लाख कैश के साथ पिस्टल भी ले गए चोर, ऑडी से चोरी करने आए थे, पुलिस ने सब बरामद किया

बाराबंकी, 8 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में करोड़ों की चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। शहर की पॉश कॉलोनी शालीमार में ठेकेदार के घर से करोड़ों के जेवरात, नकदी और पिस्टल चोरी हुई थी। जांच में पड़ोसी युवक ही पूरी घटना का मास्टरमाइंड निकला है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शालीमार पैराडाइज चोरी कांड लगातार चर्चा में रहा था। इस कॉलोनी में सुरक्षा के पूरे इंतजाम हैं। इसके बावजूद चोरी की घटना से सभी हैरान थे।

हालांकि, पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनके पास से चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। 1 मई 2026 को अजय कुमार सिंह ने उनके घर में चोरी की शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि 19 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच वह परिवार सहित बाहर थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके बंद मकान का ताला तोड़कर लाइसेंसी पिस्टल, जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एयरपोर्ट पर फिर पकड़ा गया करोड़ों का हाइड्रोपोनिक वीड

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फिर से हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद किया गया। इस बार 2.859 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बैंकाक से लखनऊ पहुंचा था। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.86 करोड़ रुपये है। सोमवार को भी बैंकाक से आए एक यात्री के पास से 12 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) पकड़ा गया था। लखनऊ एयरपोर्ट की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने बैंकाक से रात 10:35 बजे लखनऊ पहुंचे एयर एशिया के विमान एफडी-146 से आए एक यात्री को सुरक्षा जांच के दौरान ग्रीन चैनल के पास रोका। उसपर संदेह होने पर बैग की जांच की गई। बैग से 12 पारदर्शी वैक्यूम पैक पाउच मिले। इन पाउच में हरे रंग के फूल और फलनुमा पदार्थ थे। जांच में यह हाइड्रोपोनिक वीड निकला। यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया।

मिड-डे मील खाने के बाद 250 से ज्यादा बच्चे बीमार

सहरसा, 8 मई (एजेंसियां)। बिहार के सहरसा जिले के महिषी प्रखंड में एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। खाना खाने के कुछ देर बाद 250 से ज्यादा बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को उल्टी, पेट दर्द और घबराहट की शिकायत होने लगी। इसके बाद स्कूल और गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सभी बीमार बच्चों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल और फिर सहरसा अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद अभिभावकों ने आरोप लगाया कि मिड-डे मील में सांप मिला था। एक अभिभावक ने बताया कि उनका बच्चा स्कूल से घर पहुंचा और उसने खाने में सांप मिलने की बात कही। यह खबर फैलते ही गांव के लोग स्कूल पहुंच गए। अभिभावक के मुताबिक, स्कूल के ऑफिस में रखी खाने की प्लेट में बड़ा सांप पड़ा हुआ दिखाई दिया। उन्होंने दावा किया कि सांप तेलिया प्रजाति का लग रहा था। यह दृश्य देखकर बच्चे डर गए और कई बच्चे घबराकर बेहोश तक हो गए।

नकली दवा का सिंडिकेटः माफियाओं पर ईडी कसेगी शिकंजा

आगरा, 8 मई (एजेंसियां)। नकली और अवैध दवाओं के सिंडिकेट की गहरी हो चुकी जड़ों पर अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भी नजर है। कोतवाली और एमएम गेट में वर्ष 2025 में दर्ज हुए चार मामलों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। कितने आरोपियों को गिरफ्तार किया गया? कितनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल हुआ? क्या कार्रवाई की गई या नहीं? यह सब जानकारी देनी होगी। पुलिस विभाग ने रिपोर्ट बनाना शुरू कर दिया है। इसे जल्द विभाग को भेज दिया जाएगा। थाना कोतवाली और एमएम गेट में तीन प्राथमिकी नकली और अवैध दवाओं, जबकि एक प्राथमिकी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में लिखी गई थी। इनमें आगरा सहित लखनऊ और पुडुचेरी की दवा फर्मों के संचालकों व विक्रेताओं को भी आरोपी बनाया था। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि नकली दवाओं का एक सिंडिकेट काम कर रहा था। करोड़ों रुपये की नकली दवाएं दूसरे राज्यों और जिलों से मंगाई जाती थीं।

'काले अंग्रेज चला रहे पुलिस विभाग, ड्यूटी लगाने के लेते हैं दो हजार', सिपाही का चौंकाने वाला वीडियो

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। पुलिस लाइन में सिपाहियों की ड्यूटी लगाने के बदले दो-दो हजार रुपये की वसूली का गंभीर आरोप लगा है। यह आरोप गार्द कमांडर, गणना प्रभारी, आरआई और पुलिस अफसरों पर है। 2015 बैच के सिपाही सुनील कुमार शुक्ला ने यह आरोप लगाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया।

वीडियो वायरल होने से पूरे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस आयुक्त ने आरोपों की जांच के लिए एक समिति गठित की है। हालांकि, अधिकारियों ने सिपाही के आरोपों को फिलहाल गलत बताया है। सिपाही सुनील ने वीडियो में आरआई पर गणना प्रभारी के माध्यम से वसूली का नेटवर्क चलाने का आरोप लगाया।

राष्ट्रीय लोक अदालत आज

बिजली, मुआवजा और बैंक रिकवरी जैसे मामले हो सकते हैं हल

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर अहम दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 9 मई को सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इसके सफल संचालन के लिए सभी विभाग सकारात्मक प्रयास करें। अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों की पहचान कर उनका निस्तारण कराएं। प्रत्येक विभाग से एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए तथा सभी बैंक संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर बैंक रिकवरी से जुड़े मामलों के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने कहा कि तहसील प्रशासन की मदद से जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि आमजन की भागीदारी बढ़ाई जा सके। डिजिटल प्लेटफॉर्म व आधुनिक तकनीक का उपयोग कर आमजन को इसके लाभों से अवगत कराएं। प्रचार-प्रसार के लिए आशा बहुओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया जा सकता है। पक्षकारों को समय पर नोटिस और समन की तामील सुनिश्चित की जाए। बैंक वसूली मामले के नोटिस तामील कराने में चौकीदारों की सहायता ली जाए। आयोजन से पूर्व, बार एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक की जाए। बिजली विभाग द्वारा लंबित अदालती मामलों की कंपाउंडिंग से संबंधित विवरण न्यायालयों को उपलब्ध कराएं, ताकि इनका निस्तारण लोक अदालत में किया जा सके। 21 दिसंबर, 2021 से पहले के सभी मोटर वाहन अधिनियम चालान के निपटान के लिए जिला न्यायालयों में प्रस्तुत किया जाए।

एटीएस की तफ्तीश में बड़ा खुलासा, पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे संदिग्ध आतंकी,

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। बाराबंकी और गोरखपुर से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकी पिछले पांच महीने से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। हैंडलर्स ने उनको रकम भी भेजी थी। इसका खुलासा एटीएस की जांच में हुआ है। जांच एजेंसी सोशल मीडिया से मिले सुबूतों की तस्दीक कर रही है। जल्द दोनों आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी देगी। एसटीएस ने बाराबंकी के दानियाल अशरफ और कुशीनगर के कृष्णा मिश्रा को गिरफ्तार किया था। एटीएस ने खुलासा किया था कि दोनों पाकिस्तानी हैंडलर्स शहजाद भट्टी और आईएसआई एजेंट्स के संपर्क में थे। उनके कहने पर वह रक्षा प्रतिष्ठानों समेत अन्य तमाम प्रमुख व संवेदनशील स्थानों की रेकी कर रहे थे। वर्दीधारियों की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। एटीएस के मुताबिक आरोपियों खातों में पैसों का ट्रांजेक्शन मिले हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का सख्त एक्शन

पांच डॉक्टर किए बर्खास्त, 17 के खिलाफ विभागीय कार्रवाई

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही और अनियमितताओं के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। चिकित्सकीय कार्यों से लगातार अनुपस्थित रहने और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पांच चिकित्साधिकारियों को सेवा से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। इनमें गोरखपुर की डॉ। अलकनन्दा, कुशीनगर के डॉ। रामजी भारद्वाज, बलरामपुर के डॉ। सौरभ सिंह, अमेठी के डॉ। विकलेश कुमार शर्मा और औरैया की डॉ। मोनिका वर्मा शामिल हैं। इसके अलावा 1 सीएमओ समेत 16 चिकित्साधिकारियों के खिलाफ विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। अम्बेडकर नगर के सीएमओ डॉ। संजय कुमार शैवाल और डिप्टी सीएमओ डॉ। संजय वर्मा पर निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड सेंटरों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण में अनियमितता और पद के दुरुपयोग के आरोप सिद्ध पाए गए हैं। शिकायतों की जांच एडीएम स्तर की समिति से कराई गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। हरदोई के चिकित्सा अधीक्षक डॉ। मनोज कुमार सिंह पर अवैध निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई न करने के आरोप में विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं प्रयागराज के सीएचसी मेजा के अधीक्षक डॉ। शमीम अख्तर पर प्रशासनिक लापरवाही के आरोप में कार्रवाई और तबादले के निर्देश जारी किए गए हैं। सुल्तानपुर के लम्भुआ सीएचसी में महिला मरीज के इलाज में लापरवाही के मामले में तत्कालीन अधीक्षक डॉ। अनिल कुमार सिंह, डॉ। धर्मराज और फार्मासिस्ट अवधनारायण के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी।

यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण मामले में पुलिस ने ले लिया बड़ा एक्शन, संदिग्ध आरोपी निदा खान को गिरफ्तार किया गया

नासिक, 8 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में धर्मांतरण केस में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है जहां टीसीएस धर्मांतरण केस की मुख्य आरोपी निदा खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नासिक पुलिस ने छत्रपति संभाजीनगर से निदा खान को गिरफ्तार किया जिसे आज नासिक कोर्ट में पेश किया जाएगा। आपको बता दें कि निदा खान देवलाली कैंप पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध क्रमांक 156/26 मामले की संदिग्ध आरोपी थी। नासिक पुलिस द्वारा आरोपी निदा खान को हिरासत में ले कर के आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। दरअसल, निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद पुलिस ने गिरफ्तारी की कार्रवाई की।

निदा खान पर आईटी कंपनी में महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और धर्मांतरण के लिए दबाव डालने के आरोप हैं। मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को पकड़ा था लेकिन निदा खान कई दिनों से फरार थी जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें थी। अब पुलिस उससे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटेगी।

नक्सलियों के हमले में शहीद हुए थे 76 जवान

कोर्ट ने 16 साल बाद सभी आरोपियों को क्यों कर दिया बरी?

रांची, 8 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने 2010 के ताड़मेटला माओवादी हमले के मामले में एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया है। इस हमले में 76 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। निचली अदालत ने सभी 10 आरोपियों को बरी कर दिया था। इसी मामले में राज्य सरकार की तरफ से हाई कोर्ट में अपील दायर की गई थी। कोर्ट के फैसले के बाद सभी 10 आरोपी बरी ही रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में प्रत्यक्ष सबूतों की कमी और जांच में प्रक्रियागत खामियां थीं।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने आरोपियों को बरी करने वाले ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। जस्टिस रमेश सिन्हा ने जांच तथा अभियोजन में गंभीर खामियों की ओर इशारा किया। 5 मई को पारित यह आदेश गुरुवार को हाई कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। आदेश में कहा गया है कि अपराध की गंभीरता के बावजूद, सीआरपीएफ जवानों पर हुए बड़े हमले के मामले में आरोपियों को बरी करने का फैसला बरकरार रखा गया है। इसके मुख्य कारण हैं, सीधे सबूतों की कमी, परिस्थितिजन्य सबूतों का अधूरा होना, जांच

प्रक्रिया में हुई चूकें और आरोपियों का दोष 'तर्कसंगत संदेह से परे' साबित करने में विफलता है।

ये मामला 6 अप्रैल, 2010 को चिंतगुफा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ताड़मेटला गांव के जंगलों में हुए एक जानलेवा माओवादी घात-हमले से जुड़ा है। उस समय यह इलाका दंतेवाड़ा जिले में पड़ता था, लेकिन अब यह सुकमा जिले का हिस्सा है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 62वीं बटालियन की एक टीम राज्य पुलिस के जवानों के साथ मिलकर 'एरिया डोमिनेशन पेट्रोल' पर थी। तभी भारी हथियारों से लैस माओवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें सीआरपीएफ के 75 जवान और राज्य पुलिस का एक जवान शहीद हो गया। इस मामले में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उनके खिलाफ कोंटा में न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में चार्जशीट दायर की गई थी। बाद में इस मामले को दंतेवाड़ा की सेशन कोर्ट में भेज दिया गया।

उन पर भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आपराधिक साजिश, दंगा और हत्या के साथ डकैती जैसे अपराधों के आरोप लगाए गए थे। 7 जनवरी 2013 को दंतेवाड़ा के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने सभी 10 आरोपियों को बरी कर दिया। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को 'उचित संदेह से परे' साबित करने में नाकाम रहा। बरी किए गए उन 10 लोगों में से दो की अब तक मौत हो चुकी है। बरी किए जाने के इस फैसले को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने 2014 में हाई कोर्ट में अपील दायर की।

आईएएस फार्म हाउस जुआकांड में हाईकोर्ट ने टीआई का निलंबन आदेश किया समाप्त

इंदौर, 8 मई (एजेंसियां)। महू में आईएएस के फार्म हाउस पर पकड़े गए जुआकांड में निलंबित हुए मानपुर के थाना प्रभारी को कोर्ट से राहत मिल गई है। कोर्ट ने उनका निलंबन आदेश रद्द कर दिया है और कहा कि आदेश पूरी तरह से मनमाना और दिखावटी है। इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। थाना प्रभारी लोकेन्द्र सिंह हिरोरे ने कोर्ट में इसे लेकर याचिका लगाई थी। कोर्ट के आदेश के बाद वे बहाल हो जाएंगे। निलंबित करने के बाद पुलिस विभाग ने उन्हें बुरहानपुर भेज दिया था। निलंबित होने पर टीआई ने कोर्ट में याचिका लगाई थी और कहा था कि जुआकांड का मामला सामने आने के बाद उन पर दबाव था कि घटनाक्रम को किसी अन्य जगह का बताया जाए और आईएएस के फार्म हाउस का जिक्र एफआईआर में न हो।

लेकिन एफआईआर में पूरी सच्चाई लिखी गई, तो रात में ही उनके निलंबन के आदेश जारी कर दिए गए। इस मामले में पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा था कि जब आईएएस के फार्म हाउस पर जुआ पकड़ा गया, तो उनके बयान क्यों नहीं लिए गए। इसके अलावा कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या आईएएस के फार्म हाउस पर सीसीटीवी नहीं है। इस पर कोर्ट को बताया गया कि वहां सीसीटीवी नहीं है। कोर्ट ने इसे लेकर भी आश्चर्य जताया था। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि प्रतिवादियों द्वारा इन आरोपों का खंडन नहीं किया गया। पूरे मामले में चुप्पी साधी गई। यह दर्शाता है कि निलंबन आदेश प्रतिशोधात्मक था।

उच्च स्तर के आदेशों का पालन नहीं करने पर निलंबन किया गया। आपको बता दें कि इंदौर के समीप महू में आईएएस वंदना वैद्य के फार्म हाउस पर छापा मारकर पुलिस ने 18 जुआरियों को पकड़ा था। 10 मार्च को पुलिस ने यह कार्रवाई की थी। आईएएस वंदना वैद्य इंदौर में भी पदस्थ रह चुकी हैं। छापा पड़ने पर वंदना वैद्य ने भी आश्चर्य जताया था और कहा था कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। चौकीदार ने जुआ खेलने वालों को फार्म हाउस किराए पर दिया था। पुलिस ने चौकीदार को भी इस मामले में गिरफ्तार किया था।आईएएस वंदना वैद्य के पति अम्बरीश वैद्य भी सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं। वंदना वैद्य फिलहाल वित्त विकास निगम की प्रबंध संचालक हैं।

पूर्व विधायक अश्विन जोशी का निधन, पानी वाले बाबा के नाम से थे मशहूर

इंदौर, 8 मई (एजेंसियां)। इंदौर में कांग्रेस के पूर्व विधायक अश्विन जोशी का शुक्रवार को निधन हो गया। इस बात की पुष्टि उनके करीबी रिश्तेदारों ने की है। वे पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज जारी था। शुक्रवार सुबह अचानक उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। जानकारी के मुताबिक अश्विन जोशी को पिछले कुछ समय से सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। इसके अलावा वे पैरों में बीमारी से जूझ रहे थे। उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी। उनका इलाज भी चल रहा था। शुक्रवार सुबह स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

अश्विन जोशी इंदौर की तीन नंबर विधानसभा सीट से लगातार तीन बार कांग्रेस के विधायक थे। उनकी पहचान कांग्रेस के जमीनी और सक्रिय नेताओं में होती थी। हालांकि करीब दस साल पहले हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें भाजपा नेता उषा ठाकुर से हार का सामना करना पड़ा था। अश्विन जोशी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र राजनीति से की थी।

उन्होंने छात्र संघ चुनाव भी लड़ा था और वहीं से राजनीति में सक्रिय हुए। उनके चाचा महेश जोशी कांग्रेस के वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते थे। अश्विन जोशी को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का करीबी भी माना जाता था।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी को भाजपा विधायक ने दिया 10 करोड़ का मानहानि नोटिस

भोपाल, 8 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी को भाजपा विधायक डॉ। चिंतामणि मालवीय की ओर से 10 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा गया है। यह नोटिस उनके वकील के माध्यम से जारी किया गया है। दरअसल, रीना बौरासी ने हाल ही में आलोट विधायक डॉ। चिंतामणि मालवीय पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने विधायक पर यौन शोषण और अवैध कब्जे जैसे आरोप लगाते हुए सार्वजनिक बयान दिए थे। आरोपों के बाद प्रदेश की राजनीति में मामला चर्चा का विषय बन गया।

विधायक डॉ। चिंतामणि मालवीय ने आरोपों को पूरी तरह निराधार और उनकी छवि खराब करने की कोशिश बताया है। इसी को लेकर उन्होंने कानूनी कार्रवाई करते हुए महिला कांग्रेस अध्यक्ष को 10

करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है। डॉ। मालवीय ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी जानकारी साझा की है। उन्होंने फेसबुक पेज पर नोटिस की कॉपी पोस्ट करते हुए कहा कि उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है और इसका जवाब कानूनी तरीके से दिया जाएगा।

1 साल बाद भी मुरीदके में मातम, हाफिज अंडरग्राउंड ऑपरेशन सिंदूर ने तोड़ी लश्कर-ए-तैयबा की कमर

इस्लामाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद भी लश्कर ए तैयबा मूर्छित अवस्था में है। एक तरफ उसके सरगना हाफिज सईद की कोई खोज-खबर नहीं है। वहीं दूसरी तरफ मुरीदके स्थित उसका मुख्यालय भी पूरी तरह निष्क्रिय है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने मुरीदके स्थित लश्कर के मुख्यालय को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। बीबीसी उर्दू के मुताबिक एक साल बाद भी यहां से मलबा नहीं हटाया गया है। साथ ही परिसर के मस्जिद और मदरसे को फिर से बनाने की कोई कवायद भी शुरू नहीं की गई है। दूसरी तरफ बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के जिस मदरसे को तोड़ा गया था। वो फिर से बनकर तैयार हो गया है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि लश्कर की ऐसी हालात क्यों हो गई है? ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही हाफिज सईद अंडरग्राउंड है। उसके बारे में कोई खोज-खबर नहीं है। यह चर्चा है कि हाफिज पाकिस्तान और अफगानिस्तान बॉर्डर

के पास छिपा है। वहीं हाफिज के बेटे ने कुछ महीने पहले पिता को लेकर बयान दिया था। तल्हा सईद का कहना था कि मेरे पिता पाकिस्तान सेना की निगरानी में हैं और वे पूरी तरह से ठीक हैं। हाफिज का इस दौरान कोई संदेश भी सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं आया है। पहले खुले तौर पर हाफिज रैलियों को संबोधित करता रहा है। पंजाब चुनाव में उसकी पार्टी भी एक्टिव रहती थी। बीबीसी उर्दू ने ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद मुरीदके को लेकर एक रिपोर्ट की है। इसके मुताबिक मुरीदके में जिस जगह पर हमला हुआ था, उसे पूरी तरह सील कर दिया गया है।

चीन की पटाखा फैक्ट्री धमाके से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 37, एक अभी भी लापता

लियुआंग, 8 मई (एजेंसियां)। चीन के प्रांत के लियुआंग शहर में सोमवार दोपहर पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता है। घटनास्थल पर तलाशी और बचाव अभियान लगभग पूरा हो चुका है। यह हादसा हुआशेंग फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरिंग एंड डिस्प्ले कंपनी के प्लांट में हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना में अब तक 37 लोगों की मौत हो चुकी है। 51 लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है, हालांकि उनके वाइटल साइन स्थिर हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय अधिकारियों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सक्रिय कर दिया।

एक टास्क फोर्स गठित की गई और बचाव-राहत कार्यों के लिए 1,500 से अधिक कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया। अब तक घटनास्थल पर तलाशी और बचाव अभियान लगभग पूरा हो चुका है।

'सीजफायर जारी है,

अगर टूटा तो होगा जबरदस्त धमाका', ईरान-अमेरिका तनाव के बीच ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 8 मई (एजेंसियां)। ट्रंप ने कहा कि हाल की झड़पों में अमेरिकी सेना ने तेजी से जवाब दिया और विरोधी ताकतों को बड़ा नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमें उकसाने की कोशिश की, आज उन्होंने हमारे साथ खेला, और हमने उन्हें पूरी तरह जवाब दिया।' उन्होंने इसे हल्के अंदाज में 'छोटी हरकत' बताते हुए कहा कि अमेरिकी सेना ने जवाब में कड़ा प्रहार किया। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ किसी समझौते की संभावना अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'डील हो भी सकती है और नहीं भी, और यह किसी भी दिन हो सकती है।' अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए, जो कथित तौर पर अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हमलों में इस्तेमाल हो रहे थे। सेंटकॉम के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना के 3 युद्धपोत यूएसएस ट्रक्सटन (डीडीजी 103), यूएसएस राफेल पेराल्टा (डीडीजी 115) और यूएसएस मेसन (डीडीजी 87) 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से ओमान की खाड़ी की ओर जा रहे थे, तभी उन पर मिसाइल, ड्रोन और छोटी नावों से हमले किए गए। हालांकि अमेरिका ने कहा कि 'किसी भी अमेरिकी जहाज को नुकसान नहीं हुआ' और सभी हमलों को नाकाम कर दिया गया।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि 3 अमेरिकी युद्धपोत 'सफलतापूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर निकल गए', और हमलों से उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी जवाबी कार्रवाई में ईरानी हमलावरों को 'भारी नुकसान' हुआ और कई छोटी नावों को तबाह कर दिया गया। ट्रंप ने आगे लिखा कि मिसाइलों और ड्रोन को अमेरिकी डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही नष्ट कर दिया, और उन्होंने ईरान को 'असामान्य देश' बताते हुए कहा कि इसका नेतृत्व 'पागल लोग' कर रहे हैं।

जंगली हाथियों की एंट्री से दहशत, आबादी के पास डेरा डाले बैठा हाथियों का जोड़ा

मैहर, 8 मई (एजेंसियां)। जिले के अमरपाटन वन क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से भटककर आए दो जंगली हाथियों का जोड़ा ग्रामीण इलाके तक पहुंच गया। नर और मादा हाथी ग्राम जुड़मनिया के पास एक बगीचे में छिपे हुए मिले हैं। हाथियों की लोकेशन अमरपाटन शहर से महज करीब 3 किलोमीटर दूर होने के चलते पास इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। वन विभाग की टीम पूरी रात रेस्क्यू और निगरानी अभियान में जुटी रही। जानकारी के मुताबिक, बांधवगढ़ क्षेत्र से निकले हाथियों का यह जोड़ा देर शाम मैहर जिले के अमरपाटन वन रेंज के ग्राम जुड़मनिया पहुंच गया। ग्रामीणों ने बगीचे में हाथियों की हलचल देख तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को अलर्ट कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हाथियों का यह जोड़ा नर और मादा है, जो घने बगीचे के बीच छिपा हुआ है। आसपास आबादी होने के कारण वन विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर वापस भेजने की है।

हर महीने 2सेमी धंस रही मेक्सिको सिटी नासा-इसरो के सैटेलाइट से खुलासा

मेक्सिको सिटी, 8 मई (एजेंसियां)। मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी धीरे-धीरे जमीन में धंसती जा रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, शहर के कुछ हिस्से हर महीने 2 सेंटीमीटर तक नीचे जा रहे हैं। अब इस खतरे पर नजर रखने के लिए नासा और भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के जॉइंट सैटेलाइट मिशन निसार का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सैटेलाइट जमीन में होने वाले बहुत छोटे बदलावों को भी पकड़ सकता है। मेक्सिको सिटी के बीच का इलाका इस समस्या की सबसे बड़ी मिसाल बन गया है। यहां का मशहूर कैथेड्रल एक तरफ झुक गया है, जबकि उसके पास मौजूद चर्च दूसरी तरफ झुका हुआ दिखाई देता है।

नेशनल पैलेस की इमारत भी टेढ़ी नजर आती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि शहर पिछले 100 साल से धीरे-धीरे धंस रहा है, लेकिन अब इसकी रफ्तार ज्यादा बढ़ गई है। नासा के मुताबिक, निसार सैटेलाइट ने पाया कि मेक्सिको सिटी के कुछ इलाके हर महीने 2 सेमी से ज्यादा नीचे जा रहे हैं। यह दुनिया में जमीन धंसने की सबसे तेज रफ्तार में से एक मानी जा रही है। शहर का मशहूर एंजेल ऑफ इंडिपेंडेंस स्मारक भी इस समस्या का बड़ा उदाहरण है। यह स्मारक 1910 में बनाया गया था, लेकिन आसपास की जमीन नीचे जाने की वजह से अब तक इसके नीचे 14 नई सीढ़ियां जोड़नी पड़ी हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, मेक्सिको सिटी एक पुरानी झील के ऊपर बसा है। यहां की मिट्टी बहुत नरम और चिकनी है। शहर की करीब आधी पानी की जरूरत भूजल से पूरी होती है। लगातार बड़ी मात्रा में पानी निकालने से जमीन अंदर की तरफ सिकुड़ रही है और शहर धंस रहा है।

नासा के वैज्ञानिक मारिन गोवोरचिन ने बताया कि जितनी तेजी से भूजल निकाला जा रहा है, उतनी तेजी से बारिश का पानी जमीन के अंदर वापस नहीं पहुंच पा रहा। इसी वजह से जमीन लगातार दबती जा रही है। मीन धंसने का असर पूरे शहर पर दिख रहा है। कई सड़कें टूट रही हैं, इमारतें टेढ़ी हो रही हैं और पानी की पाइपलाइन फट रही हैं। इससे शहर का करीब 40% पानी लीकेज में बर्बाद हो जाता है। मेट्रो सिस्टम को भी नुकसान पहुंच रहा है। कम बारिश और बढ़ते जल संकट ने हालात और मुश्किल बना दिए हैं।

कांग्रेस के अंदर कलह

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ खोला मोर्चा

रांची, 8 मई (एजेंसियां)। झारखंड कांग्रेस के अंदर कलह अब खुलकर सामने आने लगा है। मामला अब कार्रवाई तक पहुंचता दिख रहा है। दरअसल, सूबे के वित्त मंत्री सह कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने खुलकर प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी है। यूं कहें तो उन्होंने बगावती सुर अपना लिया है। इसके बाद पार्टी अब उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। पार्टी सूत्रों की मानें तो राधाकृष्ण किशोर को मंत्री पद से हटाने के साथ-साथ उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी तैयारी चल रही है।

बताया जा रहा है कि राधाकृष्ण किशोर ने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इससे पार्टी के अंदर असहज स्थिति बन गई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में राधाकृष्ण किशोर पर कार्रवाई को लेकर लगातार मंथन चल रहा है और कभी भी उनके खिलाफ बड़ा फैसला लिया जा सकता है। वैसे झारखंड कांग्रेस में असंतोष कोई नया मुद्दा नहीं है। लंबे समय से संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते रहे हैं। पार्टी प्रभारी के। राजू को लिखे गए संदेशों में भी नाराजगी साफ झलकती है। राधाकृष्ण किशोर ने आरोप लगाया है कि संगठन के अंदर भेदभाव की स्थिति है।

उन्होंने उदाहरण के तौर पर पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और रामा खलखो का मामला उठाया। मंत्री का कहना है कि योगेंद्र साव को पार्टी से तीन साल के लिए निष्कासित कर दिया गया, वहीं रामा खलखो को सार्वजनिक आलोचना के बावजूद चुनाव समिति में शामिल किया गया। इससे कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी बढ़ गई है। इतना ही नहीं, 81 विधानसभा सीटों के लिए संगठन में बनाई गई जंबो समिति पर भी सवाल खड़ा किया गया है। राधाकृष्ण किशोर का कहना है कि इतनी बड़ी समिति प्रभावी नहीं हो सकती और संगठन को मजबूत करने के लिए ठोस फैसलों की जरूरत है।

इन सब बातों के बीच अब यह साफ हो गया है कि राधाकृष्ण किशोर ने खुलकर प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अब देखना होगा कि प्रदेश नेतृत्व उनके खिलाफ क्या फैसला लेता है और क्या कार्रवाई करता है। फिलहाल पूरे मामले पर सत्तापक्ष के साथ-साथ विपक्ष की भी नजरें टिकी हुई हैं।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत पर डॉनल्ड ट्रंप ने दी बधाई, नाराज संजय राउत बोले- 'डियर प्रेसिडेंट...'

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों में भारतीय जनता पार्टी की बंपर जीत की बधाई केवल देश से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी आ रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बंगाल फतह की शुभकामनाएं दीं, जिसपर अब उद्धव ठाकरे गुट की प्रतिक्रिया आई है। शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने डॉनल्ड ट्रंप के नाम एक सोशल मीडिया पोस्ट किया और उनसे दूरी बनाने का आग्रह किया। एक्स पोस्ट के जरिए संजय राउत ने ट्रंप से कहा है कि यह राज्य स्तर का चुनाव था, राष्ट्र स्तर का नहीं। बंगाल का चुनाव देश का आंतरिक मामला है।

किसी भी बाहरी समर्थन का आना सही नहीं है। संजय राउत ने अंग्रेजी में डॉनल्ड ट्रंप के लिए लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा है। इसमें उद्धव गुट के सांसद ने लिखा, भारत के सांसद के रूप में, मैं पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आपकी बधाई से संबंधित खबरों के जवाब में लिख रहा हूं। ये राज्य स्तरीय चुनाव हैं, भारत के संघीय लोकतंत्र का आंतरिक मामला है। किसी भी बाहरी समर्थन का आना अनुचित लगता है। उन्होंने आगे लिखा, इससे भी जरूरी बात यह है कि चुनाव नतीजों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं।

2 पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा

क्या किया था ऐसा अपराध, जिससे आगबबूला हुए शी जिनपिंग?

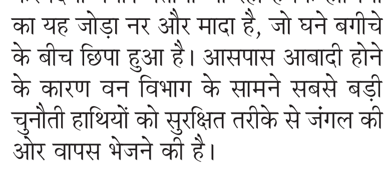

बिजिंग, 8 मई (एजेंसियां)। चीन की एक सैन्य अदालत ने भ्रष्टाचार के एक मामले में 2 पूर्व रक्षा मंत्रियों ली शांगूफ और वेई फेंगहे को मौत की सजा सुनाई है। हालांकि कोर्ट ने 2 साल की मोहलत भी दी है। अगर दो साल तक कोई नया अपराध नहीं किया तो सजा आजीवन कारावास में बदली जा सकती है। न्यूज एजेंसी एपी ने आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के हवाले से बताया कि चीन की अदालत ने वेई फेंगहे को रिश्वत लेने का दोषी पाया और उन्हें 2 साल की मोहलत के साथ मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने ली शांगफू को रिश्वत लेने और देने का दोषी पाया और उन्हें भी यही सजा सुनाई।

चीन में निलंबित मौत की सजा को अक्सर आजीवन कारावास में बदल दिया जाता है। ये फैसले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को पद से हटाने के अभियान में सबसे ताजा मामले हैं। शी ने एक दशक से भी अधिक समय पहले भ्रष्टाचार विरोधी अभियान शुरू किया था और उनका यह अभियान लगातार जारी है, जिसका नतीजा जनवरी में चीन के सर्वोच्च जनरल और सैन्य नेतृत्व को पद से हटाने के रूप में सामने आया। चीन के शक्तिशाली केंद्रीय सैन्य आयोग में जिसमें पहले 11 सदस्य थे, अब शी जिनपिंग के अलावा केवल 1 ही सदस्य बचा है। इस अभियान का लक्ष्य भ्रष्टाचार खत्म करना है। शी जिनपिंग ने भ्रष्टाचार विरोधी उपायों का इस्तेमाल राजनीति से जुड़े तबके के बीच राजनीतिक निष्ठा और कंट्रोल को मजबूत करने के तरीके के रूप में किया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों में से किसी के भी शी जिनपिंग के साथ राजनीतिक मतभेद थे या नहीं।

वेई ने 2018 से 2023 तक रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया। उसके बाद ली ने उनका स्थान लिया, लेकिन कुछ ही महीनों के बाद वे सार्वजनिक रूप से गायब हो गए। उन्हें अक्टूबर 2023 में पद से हटा दिया गया। ली ने अपने करियर का ज्यादातर समय चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की मिसाइल और खरीद शाखाओं में विशेषज्ञ के रूप में बिताया और रूसी सैन्य उपकरण खरीदने के कारण अमेरिका ने उन पर यात्रा और वित्तीय प्रतिबंध लगाए। ली के स्थान पर नियुक्त डोंग जून अभी भी रक्षा मंत्री के पद पर हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें कभी शक्तिशाली रहे केंद्रीय सैन्य आयोग में नियुक्त नहीं किया गया, जो सेना की निगरानी करता है।

हाई सिक्योरिटी जेल में चूक सिस्टम भी हुआ फेल; यहां रक्षक ही पकड़े गए तस्करी करते

बठिंडा, 8 मई (एजेंसियां)। पंजाब की हाई सिक्योरिटी बठिंडा की केंद्रीय जेल में लगातार सामने आ रहे नशा तस्करी के मामलों ने जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल के दिनों में जेल के भीतर से अफीम, हेरोइन, जर्दा और अन्य प्रतिबंधित सामान की बरामदगी ने यह साफ कर दिया है कि जेल के अंदर सक्रिय नेटवर्क अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हो पाया है। ताजा मामले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सिपाही राजिंदर सिंह को तलाशी के दौरान गिरफ्तार किया गया। उसके पास से करीब 23.99 ग्राम अफीम, 158 ग्राम जर्दा और सिरिंज बरामद की गई। शुरुआती जांच में सामने आया कि यह सामान जेल के भीतर बंद कैदियों तक पहुंचाया जाना था। पूछताछ के दौरान आरोपित ने स्वीकार किया कि वह पैसों के लालच में यह काम कर रहा था।

जांच एजेंसियों के अनुसार कुछ ही सप्ताह पहले जेल प्रशासन ने सीनियर कांस्टेबल अंग्रेज सिंह को भी गिरफ्तार किया था। आरोप था कि वह अपनी पगड़ी में 34 ग्राम हेरोइन छिपाकर जेल के भीतर ले जाने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि वह ए- कैटेगरी के गैंगस्टर सागर उर्फ मछली को नशा सप्लाई करता था और एक खेप पहुंचाने के बदले उसे करीब 20 हजार रुपये मिलते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि अंगेज सिंह जिस गैंगस्टर को नशा पहुंचा रहा था।

इजरायल युद्ध नहीं चाहता लेकिन बहुत कुछ ईरान पर निर्भर

पश्चिम एशिया संघर्ष पर क्या बोले महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संघर्ष पर इजरायल का कहना है कि आगे कैसी स्थिति रहती है यह बहुत कुछ ईरान पर निर्भर करता है। भारत में इजरायल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने शुक्रवार कहा कि इजरायल युद्ध नहीं चाहता और न ही अमेरिका युद्ध चाहता है।

इजरायल अपने लोगों और क्षेत्र के लिए सुरक्षा, स्थिरता और शांति चाहता है। लेकिन दुर्भाग्य से, ईरानी शासन पूरे क्षेत्र और मध्य पूर्व में विभिन्न आतंकवादी समूहों का समर्थन करना जारी रखे हुए है। साथ ही खुले तौर पर धमकी देता है और कहता है कि वह इजरायल को समाप्त करना चाहता है।

यानिव रेवाच ने कहा कि भविष्य में क्या होगा मुख्य रूप से ईरान की कार्रवाई पर निर्भर करता है। यदि ईरान आक्रामकता कम करता है और क्षेत्र में आतंकवादी संगठनों, जैसे इराक में शिया मिलिशिया, लेबनान में हिज्बुल्लाह और यमन में हूती का समर्थन करना बंद कर देता है, तो अधिक स्थिरता की संभावना होगी। ईरानी होर्मुज जलडमरूमध्य का उपयोग अमेरिका, इजरायल को ब्लैकमेल करने के लिए कर रहे हैं। दुनिया इसे स्वीकार नहीं कर सकती।

भारत-इजरायल के संबंधों में लगातार मजबूती आई है और दोनों देशों के बीच सहयोग भी काफी लगातार बढ़ रहा है। इजरायल इस रिश्ते को बेहद महत्व देता है। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि यह बेहद खास होता है कि हम खुद को याद दिलाएं कि हमें क्या जोड़ता है। संस्कृति, विरासत वे चीजें हैं जो हमें एक साथ लाती हैं। भारत और इजरायल दोनों ही प्राचीन राष्ट्र और आधुनिक देश हैं। रूवेन अजार ने कहा कि यहूदियों ने हमेशा भारत में सुरक्षित महसूस किया है। इजरायली राजदूत ने कहा कि संगीत के माध्यम से यह सांस्कृतिक बंधन अद्वितीय है, और आज हम इसका जश्न मना रहे हैं।

भारत में यहूदियों ने हमेशा सुरक्षित महसूस किया है और वे आज भी सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि भारत हमेशा से ही एक स्वीकार करने वाला समाज रहा है। हमें यह सौभाग्य प्राप्त है कि हम यहां कई वर्षों से रह रहे यहूदी समुदाय के माध्यम से यह अनुभव पा सके हैं।

उन्होंने कहा कि इजरायल की स्थापना के बाद से हम इस बंधन को बनाए रखने और कई अन्य साझा प्रयासों के माध्यम से इसका जश्न मनाने में सक्षम रहे हैं। हम चुनौतियों से पार पाने के लिए आवश्यक क्षमताओं का निर्माण करने के लिए काम कर रहे हैं, और मुझे विश्वास है कि हम सफल होंगे।

कश्मीर में एडवांस हथियारों वाली 1500 विलेज गार्ड्स की फौज

5 जिलों के ग्रामीण जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे

जम्मू/श्रीनगर, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने गांव स्तर पर सुरक्षा तंत्र काफी मजबूत किया है। पिछले एक साल में पांच जिलों में 1500 से ज्यादा विलेज डिफेंस गार्ड्स (वीडीजी) को ट्रेनिंग दी गई है।

इसमें हथियार चलाना, टैक्टिकल मूवमेंट, सर्विलांस व इमरजेंसी रिस्पॉन्स शामिल है। वहीं, .303 राइफल की जगह एसएलआर, बुलेटप्रूफ जैकेट व वायरलेस कम्युनिकेशन सेट भी दिए जा रहे हैं।

ये ग्रामीण सीमाई इलाकों में जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे हैं। राजौरी के अमित कुमार कहते हैं कि पिछले एक साल में कई बार घुसपैठ की कोशिशें हुईं, पर वीडीजी सदस्यों ने समय रहते सेना और पुलिस को अलर्ट किया। उनके मुताबिक गांव में कोई अजनबी आता है तो लोग तुरंत पहचानकर मूवमेंट की सूचना देते हैं। रात में सुरक्षा बलों के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग भी होती है।

पिछले एक साल में जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं से होने वाली मौतों में लगभग 27.5% की कमी दर्ज की गई है। जहां हमले से पहले वाले साल में कुल 127 मौतें हुई थीं, वहीं पिछले एक साल में यह आंकड़ा घटकर 92 रह गया है। हिंसा का सबसे गहरा असर पर्यटन पर पड़ा है, जिससे पर्यटकों की सालाना संख्या 33 लाख से गिरकर 11.60 लाख रह गई है। पर्यटकों का भरोसा बहाल करने के लिए कई स्तरों पर कोशिशें की जा रही हैं।

एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक सर्च ऑपरेशन में 60% इनपुट ह्यूमन इंटेलिजेंस पर आधारित होते हैं।

बॉर्डर और पहाड़ी गांवों में स्थानीय लोग और वीडीजीज सदस्य सर्विलांस की पहली परत की तरह काम करते हैं। इनकी वजह से कई आतंकी वारदात रोकने में सफलता मिली है।

3 जुलाई से शुरू होने वाले अमरनाथ यात्रा की तैयारियों के बीच चुनाव ड्यूटी के लिए दूसरे राज्यों में गईं सीएपीएफ की 190 कंपनियां जम्मू-कश्मीर लौटने लगी हैं। ये कंपनियां अगले दो हफ्ते में पहुंच जाएंगी। प्रशासन का फोकस टूरिस्ट लोकेशन और हाईवे की सुरक्षा पर है। हर कंपनी में करीब 100 जवान होते हैं।

हाल में किश्तवाड़ के सिंहपोरा में स्थानीय लोगों के इनपुट पर कार्रवाई करते हुए दो आतंकियों को मार गिराया गया। जनवरी में ही कुछ दिन बाद वीडीजी ने एक आतंकी ठिकाना ढूंढ़ने में मदद की। यहां उस्मान के दो और साथी ढेर किए गए। 17 जनवरी, कठुआ का बिलावर इलाका, वीडीजी की मदद से जैश-ए-मोहम्मद का टॉप आतंकी उस्मान मारा गया।

ज्वाइन करने से पहले ही कोरिया कलेक्टर का ट्रांसफर

रायपुर, 8 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से प्रशासनिक सर्जरी की गई है। शुक्रवार को दो आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। 2016 बैच की आईएएस रोक्तिमा यादव को कोरिया जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। हालांकि उनकी नियुक्ति अस्थाई रूप से की गई है। बड़ी बात ये है कि सरकार ने 48 घंटे पहले पुष्पा साहू को कोरिया जिले का कलेक्टर घोषित किया था लेकिन उनकी ज्वाइनिंग से पहले ही उनका ट्रांसफर कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 6 मई को आईएएस अधिकारियों के तबादले की लिस्ट जारी की थी। 6 मई को जारी ट्रांसफर आदेश के अनुसार, 2012 बैच की आईएएस पुष्पा साहू को कोरिया जिले का नया कलेक्टर बनाया गया था, लेकिन जॉइनिंग से पहले ही उनको हटा दिया गया है। अब नए आदेश के अनुसार पुष्पा साहू को फिर से सचिव, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के पद पर पदस्थ किया गया है।

2016 बैच की आईएएस अधिकारी रोक्तिमा यादव को जिला-कोरिया का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वे आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। 6 मई 2026 को जारी आदेश के तहत रोक्तिमा यादव को आयुक्त, उच्च शिक्षा के पद पर पदस्थ किया गया था, जिसमें आंशिक संशोधित करते हुए कलेक्टर जिला कोरिया पदस्थ किया गया है। वहीं, 2019 बैच की आईएएस अधिकारी रीता यादव को आयुक्त, उच्च शिक्षा के पद पर पदस्थ किया गया है। इसके साथ ही उन्हें प्रबंध संचालक, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। उनके पदभार संभालने ही इस पद को वरिष्ठ वेतनमान के संवर्गीय पद के समकक्ष माना जाएगा।

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय

अब तक 3 की मौत, डॉक्टर बोले- यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता

प्राया, 8 मई (एजेंसियां)। अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप एमवी होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल हैं। यह वही शिप है, जिस पर हंतावायरस फैला है। बीबीसी के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं, नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है।

उन्होंने एएफपी से बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है।

डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। ट्रेंड स्टाफ उनकी देखभाल करता है। मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है।

हार्वर्ड के प्रोफेसर एलन ने बताया कि हंतावायरस से संक्रमित लोगों को 40 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रखा गया है, क्योंकि इसका इन्क्यूबेशन पीरियड लंबा होता है। शरीर में वायरस के घुसने से लेकर पहले लक्षण दिखने के बीच के समय को इन्क्यूबेशन पीरियड कहते हैं। डॉक्टर के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं है कि वायरस किसी व्यक्ति के शरीर में कब तक रह सकता है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रेयियस ने कहा कि हंतावायरस का इन्क्यूबेशन पीरियड छह हफ्ते तक हो सकता है। इसलिए आगे भी नए मामले सामने आने की आशंका बनी हुई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हंतावायरस से हुई तीन मौत के मामलों में एंडीज स्ट्रेन का शक है, जो इंसानों के बीच भी फैल सकता है। एंडीज स्ट्रेन मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के अर्जेंटीना और चिली में पाया जाता है।

डब्ल्यूएचओ ने बताया कि एंडीज स्ट्रेन बाकी हंतावायरस से अलग है। यह संक्रमित चूहों या उनके मल-मूत्र से तो फैलता ही है, लेकिन कुछ मामलों में इंसान से इंसान में भी फैल सकता है। हालांकि, यह संक्रमण कोरोना जितना तेजी से नहीं फैलता।

जांच में पता चला है कि पहले दो पीड़ित दंपती जहाज पर चढ़ने से पहले चिली, अर्जेंटीना और उरुग्वे में बर्ड वॉचिंग ट्रिप पर गए थे। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक इन इलाकों में वायरस फैलाने वाले खास किस्म के चूहे पाए जाते हैं। अर्जेंटीना की एजेंसियां अब इस दंपती की यात्रा का पता लगा रही हैं।

7 हफ्ते में कई देशों से गुजरा क्रूज नीदरलैंड के झंडे वाला यह क्रूज शिप 20 मार्च को अर्जेंटीना के उशुआइया से रवाना हुआ था। इसके बाद यह दक्षिणी ध्रुव के आसपास के इलाकों में गया और फिर अटलांटिक पार करते हुए यूरोप की ओर बढ़ रहा था। इसे सबसे आखिर में स्पेन के कैनरी द्वीप तक पहुंचना था, जो अफ्रीका के पास अटलांटिक में स्थित एक प्रमुख पर्यटन क्षेत्र है।

जहाज में कुल 170 यात्री और 71 क्रू सदस्य मौजूद हैं। इनमें एक डॉक्टर भी शामिल है। पहला मृतक 70 साल का एक व्यक्ति था, जिसकी मौत जहाज पर ही हो गई। वह अपनी पत्नी के साथ इस यात्रा पर था। इसके बाद उसका शव दक्षिण अटलांटिक में स्थित सेंट हेलेना में उतारा गया।

इंडोनेशिया का माउंट डुकोनो ज्वालामुखी फटा

2 विदेशी नागरिकों समेत 3 की मौत

नॉर्थ हलमहेरा, 8 मई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के नॉर्थ हलमहेरा इलाके में स्थित माउंट डुकोनो ज्वालामुखी में शुक्रवार सुबह विस्फोट हो गया। हादसे में 2 विदेशी नागरिकों समेत 3 ट्रैकर्स की मौत हो गई। सभी ट्रैकर्स प्रतिबंधित क्षेत्र में मौजूद थे।

पुलिस के मुताबिक ज्वालामुखी फटने के समय कुल 20 ट्रैकर्स पहाड़ पर थे। इनमें 9 सिंगापुर के नागरिक और बाकी इंडोनेशियाई थे। अब तक 15 लोगों को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

विस्फोट के बाद ज्वालामुखी से करीब 10 किलोमीटर ऊंचाई तक राख और धुआं का गुबार उठा। अधिकारियों ने आसपास के इलाकों में राख गिरने की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

इंडोनेशिया की ज्वालामुखी निगरानी एजेंसी ने दिसंबर से ही क्रेटर के 4 किलोमीटर दायरे में जाने पर रोक लगा रखी थी।

मिसाइल भंडार 120 प्रतिशत फुल, ईरानी 1000 फीसदी तैयार

अराघची की अमेरिका को सीधी चुनौती

तेहरान, 8 मई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अपने देश के मिसाइल भंडार खाली हो जाने के दावे को खारिज कर दिया है। अमेरिका की ओर से ईरान के मिसाइल भंडार खत्म होने के दावे के अराघची ने शुक्रवार को झूठ का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सैन्य क्षमता पर अमेरिकी एजेंसी सीआईए की खुफिया जानकारी गलत है। हकीकत यह है कि हमारे मिसाइल भंडार 28 फरवरी से ज्यादा भरे हुए हैं और हम अपने लोगों की रक्षा के लिए 1000 प्रतिशत तक तैयार हैं।

अब्बास अराघची ने अपने बयान में कहा कि जब कोई कूटनीतिक समाधान सामने आता है तो अमेरिका एक लापरवाह सैन्य दुस्साहस का रास्ता चुन लेता है। क्या यह दबाव बनाने की कोई भद्दी चाल है या फिर किसी बिगाड़ लाने वाले तत्व का नतीजा है, जिसने एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फंसा दिया है। वजह चाहे जो भी हो लेकिन नतीजा हमेशा एक ही होता है। ईरानी लोग दबाव के आगे नहीं झुकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका के 'लापरवाह सैन्य दुस्साहस' को चुनने की कड़ी आलोचना की क्योंकि एक कूटनीतिक समाधान फिर से सामने था।

अराघची ने दावा किया कि ईरान की मिसाइल इन्वेंट्री और लॉन्चर क्षमता अब 120 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह अमेरिकी खुफिया समुदाय के अनुमानों से कहीं अधिक है। अमेरिकी मीडिया में सीआईए के हवाले से रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता को बुरी तरह से चोट लगी है। रिपोर्ट कहती है कि ईरान की मिसाइलें जल्दी ही खत्म हो जाएंगी। रिपोर्ट दावा करती है कि मिसाइल दागने के लिए अब ईरान के पास मिसाइल लॉन्चर भी नहीं बचे हैं। इसे ईरान ने इसे पूरी तरह से नकार दिया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका ने जास्क बंदरगाह और होर्मुज जलडमरूमध्य के पास दो ईरानी तेल टैंकरों और इस जलमार्ग के सामने पड़ने वाले कई तटीय इलाकों पर हमला करके संघर्ष-विराम का उल्लंघन किया है। मंत्रालय ने कहा कि ये हमले गुरुवार देर रात और शुक्रवार तड़के हुए।

जिनके बाप-दादा सीएम, उनको उखाड़ फेंका

पाकिस्तानी एक्सपर्ट हुए विजय थलपति के फैन, बताई कहानी

इस्लामाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पाकिस्तानियों का ध्यान खींचा है। पाकिस्तान के जानेमाने पत्रकार रऊफ कलासरा का कहना है कि विजय ने तमिलनाडु के चुनाव में जो किया है, वो बेहद शानदार है। उन्होंने पार्टी बनाने के बाद सिर्फ दो साल में राज्य का चुनाव जीतना आसान काम नहीं है क्योंकि उनके सामने बहुत पुराने राजनेता मैदान में थे। उन्होंने विजय के नाम को अमिताभ बच्चन के फिल्मी नाम विजय से जोड़ा है।

रऊफ ने कहा कि विजय भारत और खासतौर से तमिल सिनेमा के बहुत बड़े नाम हैं। उन्होंने 60 से ज्यादा ब्लॉकबस्टर फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है। वह भारत के सबसे महंगे अभिनेताओं में से हैं और उन्होंने ढेर सारी शोहरत और दौलत कमाई है। इस कामयाबी के बावजूद उन्होंने फैसला किया कि अब फिल्मों से हटकर सियासत शुरू करते हैं।

एक्टर विजय की पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु में 108 सीटें जीती हैं। यह आंकड़ा बहुमत से सिर्फ 10 सीटें कम है। उनको कांग्रेस ने समर्थन दे दिया है और भी कई पार्टियां उनके साथ आ सकती है। ये तय लग रहा है कि वह मेजोरिटी के मार्क तक पहुंच जाएंगे। जो लोगों को अपने साथ जोड़ता है। अब उम्मीद है कि जल्दी ही वह सीएम होंगे। रऊफ ने बताया कि सिर्फ दो साल पहले 2024 में विजय ने एक नई पार्टी बनाई और वहां उन्होंने तमिलनाडु के उन पुराने राजनेताओं को जड़ से उखाड़ फेंका, जिनके पिता और दादा तक मुख्यमंत्री रहे थे। उन्होंने खासतौर से एमके स्टालिन की हार का जिक्र किया, जिनके पिता करुणानिधि तमिलनाडु के बहुत बड़े राजनेता रहे। रऊफ कलासरा ने खासतौर से विजय के नाम का जिक्र करते हुए एक दिलचस्प बात कही।

उन्होंने कहा कि अमिताभ बच्चन का नाम फिल्मों में विजय काफी ज्यादा रहा है। विजय ऐसा नाम है, जो एकदम जुबान पर आता है। विजय बहुत आसान सा नाम है, जो लोगों को अपने साथ जोड़ता है। अब उम्मीद है कि जल्दी ही वह सीएम होंगे।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को जारी किए गए हैं। इस चुनाव में अभिनेता विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कड़गम' (टीवीके) ने 234 में से 108 सीटें जीतकर इतिहास रचा है।

छात्रा से रेप करने-वाले टीचर को 20 साल की जेल

सीकर, 8 मई (एजेंसियां)। सीकर की पॉक्सो कोर्ट 1 ने 17 साल की नाबालिग कोचिंग छात्रा से रेप करने वाले टीचर को 20 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने टीचर पर 60 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा-बच्ची ने अपने बयान के दौरान आरोपी टीचर को सर कहकर संबोधित किया है। पीड़िता आरोपी पर अपना टीचर होने के नाते भरोसा करती है, ऐसे विश्वास को आरोपी ने भंग किया।

भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से भी बड़ा दर्जा दिया गया है, लेकिन आरोपी ने नाबालिग के साथ गलत काम करके गुरु और शिष्य के रिश्ते को कलंकित कर दिया। आरोपी का अपराध कानूनी रूप से तो गंभीर है ही और रिश्तों की गरिमा की दृष्टि से भी गंभीर है।

भारत के खिलाफ जंग में पाकिस्तानी सेना की मदद की थी

चीन ने पहली बार माना सच

बीजिंग, 8 मई (एजेंसियां)। चीन ने इस बात की पुष्टि की है कि पिछले साल भारत के खिलाफ लड़ाई में उसने पाकिस्तान की मदद की थी। इस लड़ाई के एक साल बाद पहली बार चीन ने पाकिस्तान को तकनीकी सहायता की बात स्वीकारी है। भारत और पाकिस्तान के बीच बीते साल 7 से 10 मई तक चार दिन तक भीषण सैन्य संघर्ष देखने को मिला था। भारत ने पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में हमले किए थे। चार दिन की लड़ाई के बाद 10 मई को दोनों पक्ष सीजफायर पर राजी हुए थे।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, गुरुवार को चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने झांग हेंग का इंटरव्यू दिखाया है। झांग ने इंटरव्यू में कहा कि उनके देश ने लड़ाई के दौरान पाकिस्तान को जे-10सीई विमान के लिए तकनीकी सहायता दी थी। झांग एविएशन इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना (एवीआईसी) के चेंगडू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में इंजीनियर हैं। यह संस्थान चीन में लड़ाकू विमानों और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) का डेवलपर है।

पाकिस्तान की वायु सेना चीनी-निर्मित जे-10सीई जेट का बेड़ा संचालित करती है, जिन्हें एवीआईसी की एक सहायक कंपनी ने बनाया है। भारत के साथ संघर्ष के दौरान इसके जेट मैदान थे और पाकिस्तानी एयरफोर्स चीनियों की मदद से भारतीय लड़ाकू विमानों का सामना कर रही थी। पाकिस्तान को चीन से मदद के बारे में कई रिपोर्ट सामने आई हैं लेकिन चीन से पहली बार इस पर आधिकारिक पुष्टि सामने आई है।

झांग ने अपनी बातचीत में कहा कि सहायता अड्डे पर हम अक्सर उड़ान भरते लड़ाकू जेट्स की गड़गड़ाहट और हवाई हमले के सायरन की चीखें सुनते थे। मई के महीने में सुबह देर होते-होते तापमान पहले ही 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच जाता था।

हम कह सकते हैं कि यह लड़ाई (भारत-पाक संघर्ष) हमारे लिए मानसिक और शारीरिक दोनों ही तरह से एक बहुत बड़ी परीक्षा थी।

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री का नेपाल दौरा रद्द

पीएम बालेन शाह ने मिलने से किया इनकार?

काठमांडू, 8 मई (एजेंसियां)। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री का नेपाल दौरा रद्द हो गया है। काठमांडू पोस्ट ने नेपाली विदेश मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से ये जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की काठमांडू की प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी गई है। उन्हें 11 मई को दो दिवसीय यात्रा के लिए काठमांडू पहुंचना था। भारत सरकार ने नेपाल की नई बालेन शाह सरकार के साथ बातचीत करने और उसकी प्राथमिकताओं को समझने के लिए अपने विदेश सचिव विक्रम मिस्री को काठमांडू भेजने का फैसला किया था। इस यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों की भविष्य की दिशा तय होनी की उम्मीद थी लेकिन अब ये दौरा टल गया है।

कई सरकारी अधिकारियों ने अपना नाम न बताने की शर्त काठमांडू पोस्ट को यात्रा रद्द होने के पीछे भारतीय विदेश सचिव की व्यस्तताओं का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय पक्ष ने नेपाल को सूचित किया कि यह यात्रा कम से कम अभी के लिए स्थगित कर दी गई है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत की तरफ से फिलहाल के लिए यात्रा रद्द करने के पीछे कोई सटीक कारण नहीं बताया गया है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले नेपाली विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से काठमांडू पोस्ट ने बताया है कि दौरा रद्द होने के बीच शायद दो वजहें हो सकती हैं। पहला, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का बार बार भारतीय विदेश सचिव से मिलने से इनकार करना और दूसरा लिपुलेख ट्राईजंक्शन (त्रिसंगम) को लेकर नेपाल और भारत के बीच हालिया विवाद। बालेन शाह प्रशासन ने भारत और चीन के उस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई थी जिसके तहत उन्होंने विवादित क्षेत्र से तिब्बत में मानसरोवर के लिए हिंदू श्रद्धालुओं की तीर्थयात्रा फिर से शुरू करने का फैसला लिया था। दरअसल अप्रैल के अंतिम हफ्ते में भारतीय पक्ष ने सूचित किया था कि मॉरीशस में विदेश मंत्री शिशिर खनाल और उनके भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर के बीच बनी सहमति के मुताबिक वे विदेश सचिव विक्रम मिस्री को काठमांडू भेजने का इरादा रखते हैं। भारत ने 11 और 12 मई को प्रस्तावित इस यात्रा के लिए नेपाली पक्ष से पुष्टि मांगी थी। इसके जवाब में नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय ने मिस्री को एक औपचारिक निमंत्रण भेजा था जबकि विदेश मंत्रालय ने उनकी यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी थीं।

बाबा भोलेनाथ की पीठ केदारनाथ में तो सिर कहां

अपने देश में नहीं है महादेव का सिर

उत्तराखंड के बर्फीले पहाड़ों में बसे केदारनाथ धाम में हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में मौजूद शिवलिंग को देखकर अधिकतर लोग यही मानते हैं कि यही महादेव का पूर्ण स्वरूप है। लेकिन सदियों पुरानी मान्यताओं में एक ऐसा रहस्य छिपा है, जो इस पूरी कथा को बिल्कुल अलग दिशा देता है। कहा जाता है कि केदारनाथ में भगवान शिव का सिर्फ बैल रूपी शरीर का पिछला हिस्सा यानी पीठ दिखाई देती है, जबकि उनका वास्तविक सिर नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में प्रकट हुआ था। यही वजह है कि इन दोनों धामों को एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा माना जाता है। पौराणिक कथाओं, लोक आस्था और आध्यात्मिक विश्वासों से जुड़ी यह कहानी आज भी लोगों को रोमांचित करती है। खास बात यह है कि इस रहस्य में सिर्फ धर्म नहीं, बल्कि जीवन, मोक्ष और मानव स्वभाव से जुड़े कई गहरे संकेत भी छिपे हुए हैं।

पांडवों की खोज और शिव का रहस्य

महाभारत युद्ध खत्म होने के बाद पांडव अपने ही रिश्तेदारों की मृत्यु से बेहद दुखी थे। उन्हें लगा कि इस युद्ध का पाप उनके सिर पर है। इसी प्रायश्चित के लिए वे भगवान शिव की खोज में निकल पड़े। लेकिन शिव उनसे मिलने के इच्छुक नहीं थे। कहा जाता है कि उन्होंने खुद को बैल के रूप में छिपा लिया।

भीम ने ऐसे पहचाना बैल रूपी शिव

कथा के अनुसार, जब पांडव हिमालय पहुंचे तो भीम को एक असामान्य बैल दिखाई दिया। उन्हें शक हुआ कि यह कोई साधारण पशु नहीं है। भीम ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन तभी वह बैल धरती में समाने लगा। इसी दौरान उसका शरीर अलग-अलग हिस्सों में विभाजित हो गया।

मान्यता है कि जिस स्थान पर बैल की पीठ प्रकट हुई, वहां आज केदारनाथ मंदिर स्थित है। वहीं शिव का सिर नेपाल के पशुपतिनाथ में प्रकट हुआ। यही कारण है कि दोनों धामों को एक ही दिव्य कथा का हिस्सा माना जाता है।

पशुपतिनाथ का पांचवां मुख क्यों है रहस्य?

नेपाल की राजधानी काठमांडू में स्थित पशुपतिनाथ मंदिर सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक गहरी आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। मंदिर में भगवान शिव के चार मुख स्पष्ट दिखाई देते हैं। ये चारों दिशाओं का प्रतीक माने जाते हैं।

लेकिन सबसे रहस्यमयी बात है उनका पांचवां मुख, जिसे "ईशान मुख" कहा जाता है। मान्यता है कि यह मुख ऊपर आकाश की ओर है और इसे कोई प्रत्यक्ष रूप से नहीं देख सकता। कई साधु-संत इसे ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रतीक मानते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पशुपतिनाथ में पहुंचने के बाद एक अलग तरह की शांति महसूस होती है। यही वजह है कि यहां सिर्फ नेपाल ही नहीं, भारत और दुनिया के कई देशों से लोग आते हैं।

क्या सच में पशुपतिनाथ मोक्ष का द्वार है?

हिंदू मान्यताओं में पशुपतिनाथ को मोक्ष से जोड़कर देखा जाता है। कहा जाता है कि हर इंसान के भीतर एक पशु-प्रवृत्ति होती है क्रोध, लालच, अहंकार और मोह। पशुपतिनाथ के दर्शन इस प्रवृत्ति से मुक्ति का प्रतीक माने जाते हैं।

बागमती नदी से जुड़ी अनोखी मान्यता

मंदिर के पास बहने वाली बागमती नदी को बेहद पवित्र माना जाता है। यहां अंतिम संस्कार से पहले शव को स्नान कराया जाता है। कई श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस नदी का जल आत्मा को शुद्ध करता है और मोक्ष की राह आसान बनाता है। धार्मिक यात्राओं पर जाने वाले कई लोग बताते हैं कि बागमती घाट का वातावरण उन्हें जीवन की सच्चाई का एहसास कराता है। यहां आकर इंसान को अपने अहंकार की क्षणभंगुरता समझ में आती है।

2015 का भूकंप और अडिग खड़ा पशुपतिनाथ

साल 2015 में नेपाल में आया विनाशकारी भूकंप पूरी दुनिया ने देखा। हजारों इमारतें गिर गईं, कई ऐतिहासिक धरोहरें टूट गईं। लेकिन इस तबाही के बीच पशुपतिनाथ मंदिर लगभग सुरक्षित रहा।

यही घटना लोगों की आस्था को और मजबूत करती है। कई श्रद्धालु इसे महादेव की शक्ति से जोड़कर देखते हैं। हालांकि विशेषज्ञ इसे मंदिर की मजबूत प्राचीन वास्तुकला का परिणाम मानते हैं, लेकिन आस्था रखने वालों के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं।

आस्था, रहस्य और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम

केदारनाथ और पशुपतिनाथ की यह कथा सिर्फ धार्मिक कहानी नहीं है। यह इंसान के भीतर छिपे डर, पाप, अहंकार और मुक्ति की खोज को भी दर्शाती है। शायद यही कारण है कि सदियों बाद भी यह रहस्य लोगों को आकर्षित करता है।

नए कपड़े खरीदकर तुरंत न पहनें...

बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार हैं शुभ

सबसे पहला और सबसे जरूरी नियम यह है कि नए कपड़ों को बिना धोए सीधे नहीं पहनना चाहिए। बाजार में मिलने वाले कपड़े बनने, पैकिंग और ट्रांसपोर्ट जैसे कई चरणों से गुजरते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान उनमें धूल, केमिकल या अन्य अशुद्धियां हो सकती हैं इसलिए व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए उन्हें पहनने से पहले एक बार धोना बेहद जरूरी है।

स्वास्थ्य के मामले में

यह सिर्फ एक धार्मिक मान्यता ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बेहद जरूरी है। कई लोग दुकानों में प्रदर्शित कपड़ों को पहनकर देखते हैं। ऐसे में, बिना धुले कपड़े त्वचा पर एलर्जी या संक्रमण का कारण बन सकते हैं, ऐसे में त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए सफाई बेहद जरूरी है।

धार्मिक आधार पर

धार्मिक दृष्टि से नए कपड़े पहनने से पहले भगवान को अर्पित करना परंपरा रही है। यह न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि ऐसा माना जाता है कि इससे कपड़े में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर कपड़े के एक कोने पर हल्दी या चंदन का तिलक लगाते हैं ताकि वह और भी पवित्र हो जाए।

ज्योतिषशास्त्र क्या कहता है?

ज्योतिष शास्त्र में नई शुरुआत के दिन और समय का विशेष महत्व होता है। मान्यता के अनुसार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को नए कपड़े पहनने के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इन दिनों नए कपड़े पहनने से पॉजिटिव रिजल्ट मिलते हैं।

किस दिन न पहनें नए कपड़े?

इसी प्रकार ज्योतिष शास्त्र कहता है कि मंगलवार और शनिवार को नए कपड़े पहनने से बचना चाहिए। ये दिन ग्रहों की स्थिति और प्रभाव के आधार पर निर्धारित होते हैं। मंगल और शनि के प्रभाव वाले इन दिनों के बजाय शुभ दिनों का चुनाव करना समृद्धि का संकेत माना जाता है।

अगर न धो पाएं नए कपड़े

यदि किसी कारण नए कपड़ों को धोना संभव न हो, तो एक सरल उपाय है। उन कपड़ों पर थोड़ा गंगा जल या साफ पानी छिड़कना चाहिए। जल को पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह छोटा सा कार्य कपड़ों में मौजूद किसी भी निगेटिविटी को दूर करने में सहायक होता है। संक्षेप में कहें तो, नए कपड़े पहनना केवल फैशन का मामला नहीं है। यह परंपरा, स्वास्थ्य और मन की शांति का एक सुंदर संगम है। ऐसा माना जाता है कि दैनिक जीवन में ऐसे छोटे-छोटे कदम उठाकर आप न केवल निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं बल्कि पॉजिटिव एनर्जी और आत्मविश्वास भी बढ़ा सकते हैं।

मदर्स डे : जब जिंदगी बिखरी तब मां चट्टान बन गई

सुरेश गांधी

रात जब बहुत गहरी हो जाती है, तब इंसान की सबसे सच्ची आवाज उसके भीतर सुनाई देती है। वह आवाज जो दुनिया नहीं सुन पाती... वह चीख जो होंठों तक नहीं आती... वह दर्द जो आंखों से कम और आत्मा से ज्यादा बहता है। कुछ ऐसी ही खामोश चीखों के साथ पिछले आठ वर्षों से जी रही हैं निधि मिश्रा। बाहर से देखने पर वह एक सामान्य कामकाजी महिला दिखाई देती हैं, ऑफिस जाती हैं, बच्चों की पढ़ाई की चिंता करती हैं, मुस्कुराकर लोगों से मिलती हैं, जिम्मेदारियों को संभालती हैं। लेकिन उनके भीतर एक ऐसा खालीपन है, जो हर दिन उन्हें उस जीवन की याद दिलाता है, जो कभी उनका सबसे खूबसूरत सच था। एक समय था जब उनका संसार बिल्कुल सामान्य था। वर्ष 2002 में शुरू हुआ वैवाहिक जीवन सामान्य खुशियों के साथ आगे बढ़ रहा था। परिवार में हंसी थी, बच्चों की किलकारियां थीं और सपनों से भरा एक संसार था। छोटे-छोटे सपनों से भरा एक परिवार था। जीवन में संघर्ष थे, लेकिन साथ था, भरोसा था और एक दूसरे की मौजूदगी से हर मुश्किल आसान लगती थी।

समय के साथ तीन बच्चों - संस्कृति, सुकृति और संस्कार, ने उस घर को खुशियों से भर दिया। लेकिन जिंदगी हमेशा चेतावनी देकर नहीं बदलती। दिसंबर 2017 में अचानक पता चला कि विनोद मिश्रा को माउथ कैंसर है। यह खबर परिवार के लिए किसी भूकंप से कम नहीं थी। जिस व्यक्ति ने हमेशा परिवार की ढाल बनकर जिंदगी जी, वही अचानक अस्पतालों और दवाइयों के बीच जिंदगी की लड़ाई लड़ने लगा। कानपुर के जेके कैंसर हॉस्पिटल में इलाज शुरू हुआ। उम्मीदें थीं, दुआएं थीं, विश्वास था कि सब ठीक हो जाएगा। लेकिन बीमारी हर उम्मीद से बड़ी साबित हुई। 22 फरवरी 2018 की वह तारीख निधि मिश्रा की जिंदगी में हमेशा के लिए ठहर गई। विनोद मिश्रा दुनिया छोड़ गए। उस पल के बाद सिर्फ एक पति नहीं गया था... एक स्त्री का सहारा चला गया था। तीन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया था। और एक परिवार अचानक अधूरा हो गया था। उस समय बड़ी बेटी संस्कृति मिश्रा स्कूल में थीं, छोटी बेटी सुकृति मिश्रा अभी बचपन और समझदारी के बीच खड़ी थी और सबसे छोटा बेटा संस्कार मिश्रा दुनिया की सच्चाइयों को समझने के लिए बहुत छोटा था। घर में सन्नाटा था। रिश्तेदार थे, लोग थे, सांत्वनाएं थीं... लेकिन जो खालीपन भीतर पैदा हुआ था, उसे कोई भर नहीं सकता था। तीनों बच्चों की आंखों में सिर्फ एक सवाल था, "अब क्या होगा?" और शायद वहीं एक मां का दूसरा जन्म होता है।

निधि मिश्रा कहती हैं कि पति के जाने के बाद कई दिनों तक उन्हें समझ ही नहीं आता था कि अब आगे क्या करना है। हर सुबह एक डर लेकर आती थी, बच्चों का भविष्य, घर का खर्च, जिम्मेदारियां, समाज, अकेलापन... सब कुछ एक साथ सामने खड़ा था। सबसे ज्यादा तकलीफ तब हुई, जब कठिन समय में अपेक्षित पारिवारिक सहयोग भी नहीं मिला। रिश्तों की भीड़ में अक्सर इंसान सबसे ज्यादा अकेला हो जाता है। मानसिक रूप से उनकी मां उनका सहारा बनीं। मां उन्हें टूटने नहीं देती थीं। लेकिन नियति शायद अभी और परीक्षा लेना चाहती थी। 8 अक्टूबर 2022 को उनकी मां का भी कैंसर से निधन हो गया। यह दूसरा ऐसा आघात था, जिसने भीतर की आखिरी मजबूती भी हिला दी। जिस मां के कंधे पर सिर रखकर वह रो लेती थीं, वह सहारा भी चला गया। लेकिन शायद मां की सबसे बड़ी ताकत यही होती है कि वह अपने बच्चों के सामने पूरी तरह टूट नहीं सकती। निधि मिश्रा बताती हैं कि कई रातें ऐसी थीं जब बच्चों की फीस, घर के खर्च और भविष्य की चिंता उन्हें सोने नहीं देती थी। लेकिन हर सुबह बच्चों का चेहरा देखकर वह खुद को फिर से मजबूत कर लेती थीं। भीतर से टूटती रहीं, लेकिन बच्चों के सामने कभी बिखरने नहीं दिया। अपने आंसुओं को बच्चों की कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने तय किया कि चाहे जिंदगी कितनी भी कठिन क्यों न हो जाए, बच्चों के सपने नहीं टूटने देंगी।

काशी ने संभाला, मां ने घर बचा लिया

7 मई 2018 को वह काशी आईं। एक ऐसा शहर, जिसे उन्होंने पहले कभी अपने जीवन का हिस्सा नहीं सोचा था। बनारस उस समय उनके लिए सिर्फ एक शहर था, अनजान गलियों वाला, भीड़भाड़ वाला, मंदिरों की घंटियों और घाटों की आवाजों से भरा हुआ शहर। लेकिन उन्हें क्या पता था कि यही शहर आगे चलकर उनके टूटे हुए जीवन को संभालने वाला है। काशी की सुबहें धीरे-धीरे उनके भीतर उतरने लगीं। घाटों पर बहती गंगा, मंदिरों की आरती, बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद और बनारस की आत्मीयता ने उन्हें भीतर से सहारा देना शुरू किया। उन्होंने नौकरी शुरू की। हिंदुस्तान परिवार ने मुश्किल समय में उनका साथ दिया। उनके पति विनोद मिश्रा गाजीपुर में हिंदुस्तान के ब्यूरो चीफ रहे थे। संस्थान ने निधि को अवसर दिया। यह सिर्फ रोजगार नहीं था, बल्कि जिंदगी को फिर से संभालने का पहला सहारा था। इसके साथ ही उन्होंने स्कूल में पढ़ाना भी शुरू किया। सुबह घर, फिर नौकरी, बच्चों की पढ़ाई, बाजार, फीस, जिम्मेदारियां, रात की चिंता और अगले दिन की तैयारी... जिंदगी एक निरंतर संघर्ष बन चुकी थी। लेकिन इस संघर्ष की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें शोर नहीं था। वह चुपचाप लड़ रही थीं। शायद इसी मौन संघर्ष ने एक दिन शब्दों का रूप लिया। संघर्ष इतना शांत था कि दुनिया को सिर्फ उनकी मुस्कान दिखाई दी, भीतर की थकान नहीं।

मैंने बस जीना सीख लिया है, तुम्हारे बिना।"

कुछ समय पहले उन्होंने अपने मन की पीड़ा को एक कविता में लिखा और फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। कविता की शुरुआत थी, "एक दर्द भरी चीख, सबको सुनाई देती है। लेकिन जो चीख बेआवाज होती है, वही सबसे ज्यादा जला देती है..." यह सिर्फ कविता नहीं थी। यह आठ वर्षों से भीतर दबे दर्द का विस्फोट था। उन्होंने लिखा कि बच्चों के बीच बैठकर जब वह हंसती हैं, तब भी उन्हें लगता है कि उस हंसी की परछाईं में पति की कमी खड़ी है। बच्चों की बातों में वह उनकी आवाज ढूंढती हैं। रात के सन्नाटे में आज भी कई बार ऐसा लगता है कि दरवाजा खुलेगा और वह सामने खड़े होंगे।

25 मई, दोपहर 3 बजकर 44 मिनट सूर्यदेव प्रवेश करेंगे रोहिणी नक्षत्र में

गर्मी का सबसे प्रचंड दौर माने जाने वाला नौतपा 2026 इस बार 25 मई से शुरू होने जा रहा है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, सूर्य देव 25 मई 2026, सोमवार को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। सूर्य के इस गोचर के साथ ही नौतपा की शुरुआत मानी जाएगी। मान्यता है कि इन 9 दिनों में सूर्य की तपिश अपने चरम पर पहुंच जाती है और धरती आग की तरह तपने लगती है। इस बार नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून 2026, मंगलवार तक रहेगा। इसके बाद धीरे-धीरे तापमान में कमी आने लगती है। आइए ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के नजरिये से जानते हैं कि ये समय इतना महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है।

क्या होता है नौतपा?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तभी नौतपा आरंभ होता है। रोहिणी नक्षत्र का स्वामी चंद्रमा है, जिसे शीतलता और सौम्यता का प्रतीक माना जाता है। वहीं सूर्य को अग्नि और तेज का कारक कहा जाता है। ऐसे में जब उग्र स्वभाव वाले सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में आते हैं, तो धरती पर गर्मी का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। नौतपा के शुरुआती 9 दिन सबसे अधिक तपते हैं, इसलिए इन्हें नौतपा कहा जाता है।क्यों खास माना जाता है नौतपा?

नौतपा केवल भीषण गर्मी का समय नहीं है, बल्कि इसे प्रकृति के संतुलन से भी जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि इस दौरान सूर्य की तीव्र किरणें वातावरण और धरती को शुद्ध करती हैं। ग्रामीण परंपराओं में कहा जाता है कि नौतपा की तेज गर्मी से कीटाणु और विषैले तत्व नष्ट होते हैं। खेती-किसानी के लिहाज से भी यह समय महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि अच्छी गर्मी भविष्य में अच्छी बारिश का संकेत देती है।

16 मई को शनि देव खोलेंगे बंद किस्मत के ताले

13 सालों के बाद बन रहा है दुर्लभ महासंयोग!

मई 2026 का यह समय ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास माना जा रहा है। क्योंकि 16 मई, शनिवार को शनि जयंती और शनि अमावस्या का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जो करीब 13 साल बाद देखने को मिल रहा है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ और उपायों का असर सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक होता है।

ज्योतिष शास्त्र में शनि देव को न्याय का देवता और कर्मफल दाता माना जाता है। साल 2026 में शनि देव की कृपा पाने का एक ऐसा अवसर आ रहा है, जिसका इंतजार साधक सालों से करते हैं। 16 मई, 2026 को ज्येष्ठ मास की अमावस्या है, जिसे शनि जयंती के रूप में मनाया जाएगा। इस बार की शनि जयंती इसलिए खास है क्योंकि यह शनिवार के दिन पड़ रही है, जिससे शनिश्चरी अमावस्या का दुर्लभ संयोग बन रहा है। मान्यता है कि शनि देव कर्मों के अनुसार फल देने वाले देवता हैं, इसलिए इन्हें न्यायाधीश भी कहा जाता है। जो व्यक्ति अपने जीवन में अच्छे कर्म करता है, उस पर शनि देव की कृपा बनी रहती है, वहीं बुरे कर्म करने वालों को उनके दंड का सामना करना पड़ता है।

13 साल बाद बना है यह अद्भुत संयोग

पंचांग गणना के अनुसार, शनि जयंती का शनिवार के दिन पड़ना एक बहुत शुभ और दुर्लभ घटना है। ऐसा महासंयोग लगभग 13 साल बाद बन रहा है। ज्योतिषियों का मानना है कि शनिवार, अमावस्या और शनि जयंती का यह त्रिवेणी संगम भक्तों की बंद किस्मत के ताले खोलने की क्षमता रखता है।

क्यों खास है शनैश्चरी अमावस्या?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य पुत्र शनि देव का जन्म ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को हुआ था। जब यह तिथि शनिवार को आती है, तो इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। जिन लोगों की कुंडली में शनि की साढ़ेसाती या ढैया चल रही है, उनके लिए यह दिन कष्टों को कम करने का वरदान साबित हो सकता है। अमावस्या होने के कारण इस दिन पितरों के निमित्त दान-तर्पण करने से पितृ दोष से भी राहत मिलती है।

ऐसे करें शनि देव को प्रसन्न

इस दिन सुबह स्नान के बाद शनि मंदिर जाकर पूजा करना शुभ माना गया है। शनि देव को सरसों का तेल चढ़ाना, काले तिल अर्पित करना और शनि मंत्रों का जाप करना विशेष फलदायी बताया गया है। साथ ही पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाकर परिक्रमा करने से भी शनि कृपा प्राप्त होती है। इस दिन किए गए उपाय शनि के दुष्प्रभावों को कम कर सकते हैं और जीवन में चल रही बाधाओं को दूर करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

दान-पुण्य से मिलेगा कई गुना फल

शनैश्चरी अमावस्या पर दान का विशेष महत्व होता है। काले कपड़े, उड़द की दाल, लोहे की वस्तुएं और सरसों का तेल दान करना शुभ माना गया है। इस खास दिन जरूरतमंदों की मदद करना शनि देव को प्रसन्न करने का सबसे सरल और प्रभावी उपाय माना जाता है।

पद और प्रतिष्ठा के बावजूद नहीं छोड़ी सादगी आचार्य नरेन्द्र देव से सीखें जीवन का मूल्य

शिक्षाविद् व बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य नरेन्द्र देव काशी में रिक्शा पर बैठकर कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्हें उनके एक परिचित मिले। उन्होंने आचार्य को रिक्शा पर जाते देख उन्हें रुकने का संकेत किया। संकेत पाकर उन्होंने रिक्शा रुकवाया। परिचित उनके पास आया और बोला, "कैसे हैं आचार्य जी?" आचार्य जी बोले, "ठीक हूं, आप बताएं।"

इसके बाद परिचित हैरानी से उन्हें देखकर बोला, "आचार्य जी, आप इतने बड़े व्यक्ति होकर भी रिक्शा से क्यों जा रहे हैं?" परिचित की बात पर आचार्य जी बोले, 'अरे भाई, मैं बड़ा आदमी कहां हूं। मैं तो साधारण परिवार का व्यक्ति हूं। अब मैं रिक्शा से नहीं जाऊंगा तो भला और किस साधन से जाऊंगा?

उनकी यह बात सुनकर परिचित बोला, 'आचार्य जी, आप देश के अत्यंत प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के कुलपति हैं। इतने बड़े पद पर होने के कारण आपको कार तो मिली ही होगी। आचार्य बोले, 'कार तो है, लेकिन मैं उसका खर्च वहन नहीं कर सकता।' यह सुनकर परिचित बोले, 'आप यह क्यों कह रहे हैं कि आप कार का खर्च वहन नहीं कर सकते।'

यह सुनकर आचार्य बोले, 'मैं मानता हूं कि मेरे पास कार है, लेकिन पहली बात तो उस कार पर मेरा अधिकार नहीं है, वह सरकारी है और मुझे विश्वविद्यालय के कार्य से आने-जाने के लिए मिली है। आज मैं अपने एक बीमार संबंधी को देखने के लिए अस्पताल जा रहा हूं। यह मेरा निजी कार्य है। ऐसे में मैं अपने निजी कार्य के लिए उस कार का इस्तेमाल कैसे कर सकता हूं।' आचार्य की सादगी देख कर परिचित दंग रह गया।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 9 मई - 2026

सोच का बदलाव चाहिए

बिहार में नई सरकार के गठन और मंत्रिमंडल विस्तार के साथ राज्य की राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। नई शपथों के बीच सबसे अधिक ध्यान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार की सक्रियता पर गया है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि लंबे समय तक सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए रखने वाले निशांत कुमार का सार्वजनिक रूप से सामने आना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि बिहार की राजनीति धीरे-धीरे नए दौर में प्रवेश कर रही है। लेकिन सवाल केवल उत्तराधिकार का नहीं, बल्कि उस दिशा का है, जिसमें बिहार आगे बढ़ना चाहता है। भारतीय राजनीति में परिवारवाद कोई नई बात नहीं है। केंद्र से लेकर राज्यों तक अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जहां सत्ता पीढ़ियों के बीच हस्तांतरित होती रही है। बिहार भी इससे अछूता नहीं रहा। फर्क सिर्फ इतना है कि नीतीश कुमार ने लंबे समय तक अपनी राजनीति को परिवारवाद से अलग रखने की कोशिश की थी। यही कारण है कि अब निशांत कुमार की चर्चा लोगों को अलग ढंग से आकर्षित कर रही है। हालांकि राजनीति में किसी के आने या न आने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह जनता की उम्मीदों पर कितना खरा उतरता है। दरअसल, बिहार की राजनीति आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां जातीय समीकरणों से आगे बढ़कर सुशासन, रोजगार, शिक्षा और निवेश की राजनीति की आवश्यकता है। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद यह बहस भी तेज हुई कि किस जाति और क्षेत्र को कितना प्रतिनिधित्व मिला। यह चर्चा लोकतंत्र का हिस्सा हो सकती है, लेकिन किसी भी सरकार का अंतिम मूल्यांकन उसकी कार्यक्षमता और जनहित के फैसलों से ही होगा। जनता अब केवल सामाजिक संतुलन नहीं, बल्कि विकास का स्पष्ट परिणाम चाहती है। बिहार लंबे समय तक पिछड़ेपन, पलायन और बेरोजगारी की पहचान से जूझता रहा है। नीतीश कुमार के शासनकाल में सड़क, बिजली और कानून व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सुधार जरूर हुए, लेकिन राज्य अभी भी औद्योगिक विकास और बड़े निवेश के मामले में पीछे है। लाखों युवा आज भी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। ऐसे में नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह बिहार को अवसरों वाला राज्य बना सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि आज का मतदाता पहले जैसा नहीं रहा। युवा पीढ़ी जातीय नारों से अधिक रोजगार, शिक्षा और बेहतर जीवन की बात करती है। सोशल मीडिया और डिजिटल युग ने लोगों की अपेक्षाएं बढ़ा दी हैं। अब जनता केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। इसलिए यदि नई राजनीतिक पीढ़ी उभर रही है, तो उसे भी पुराने ढर्रे से बाहर निकलकर नई सोच और नई कार्यशैली अपनानी होगी। बिहार की राजनीति में स्थिरता भी उतनी ही जरूरी है। लगातार बदलते गठबंधन और राजनीतिक समीकरण जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं। राज्य को ऐसी सरकार चाहिए, जो अगले चुनाव की नहीं, बल्कि अगले दशक की सोच रखे। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और कृषि सुधार जैसे मुद्दों पर दीर्घकालिक नीति बनानी होगी। केवल राजनीतिक संतुलन से बिहार का भविष्य नहीं बदलेगा। असल चुनौती यही है कि बिहार अब प्रतीकों और चेहरों की राजनीति से आगे बढ़े। चाहे नई पीढ़ी सत्ता में आए या पुरानी नेतृत्वकारी भूमिका निभाए, अंतिम कसौटी जनता का विश्वास और विकास का परिणाम ही होगा। बिहार के पास प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ ऐसी राजनीति की है जो समाज को बांटने के बजाय आगे बढ़ाने का काम करे। अब समय आ गया है कि बिहार अपनी राजनीतिक ऊर्जा को विकास की ताकत में बदले और देश के अग्रणी राज्यों की कतार में खड़ा होने का सपना सच करे।

बंगाल फिर बारूद पर! शुभेंदु के पीए की हत्या ने खड़े किए बड़े सवाल

सुरेश गांधी

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर खून, हिंसा और सियासी टकराव की आग में झुलसती दिखाई दे रही है। चुनावी नतीजों की धूल अभी पूरी तरह बैठी भी नहीं थी कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी और निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या ने पूरे राज्य को हिला दिया। यह सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति पर बड़ा सवाल है जिसके लिए बंगाल लंबे समय से बदनाम रहा है। सवाल यह है कि क्या बंगाल में लोकतंत्र अब मतपत्र से नहीं बल्कि बंदूक और बम से तय होने लगा है? क्या चुनावी हार और राजनीतिक असुरक्षा ने हिंसा को फिर हवा दे दी है? या फिर इसके पीछे कोई और गहरी साजिश है? घटना ने बंगाल की राजनीति को फिर उसी पुराने मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां राजनीतिक मतभेद अक्सर खून-खराबे में बदल जाते हैं।

बताया जा रहा है कि शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ तंजी देर रात कार से लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार हमलावरों ने उनकी गाड़ी को घेर लिया और बेहद नजदीक से ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। हमला इतना सुनियोजित था कि हमलावर वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हमलावर काफी देर से उनका पीछा कर रहे थे। फर्जी नंबर प्लेट, पेशेवर अंदाज और सीधी फायरिंग यह संकेत दे रही है कि हत्या अचानक नहीं बल्कि पूरी तैयारी के साथ की गई। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि आखिर ऐसा कौन था जो शुभेंदु अधिकारी के सबसे भरोसेमंद सहयोगी को रास्ते से हटाना चाहता था? चंद्रनाथ रथ सिर्फ एक निजी सहायक नहीं थे। वे शुभेंदु अधिकारी के बेहद करीबी रणनीतिक सहयोगी माने जाते थे। पूर्व वायुसेना कर्मी होने के कारण उनमें अनुशासन और सुरक्षा समझ दोनों थी। भाजपा संगठन में उनकी गहरी पकड़ थी और वे कई महत्वपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों का समन्वय संभालते थे। यही वजह है कि भाजपा इस हत्या को साधारण आपराधिक घटना मानने को तैयार नहीं है। पार्टी का कहना है कि यह सीधे-सीधे "राजनीतिक टारगेट किलिंग" है।

घटना के बाद शुभेंदु अधिकारी बेहद आक्रामक दिखाई दिए। उन्होंने साफ कहा कि यह हत्या कई दिनों की रेकी के बाद की गई और इसके पीछे राजनीतिक ताकतों का हाथ है। भाजपा नेताओं ने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल में विपक्ष के लोगों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा का आरोप है कि चुनावी नतीजों के बाद राज्य में फिर "पोस्ट पोल वायलेंस" शुरू हो गया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि बंगाल में राजनीतिक विरोध अब लोकतांत्रिक तरीके से नहीं बल्कि हिंसा के जरिए दबाया जा रहा है। हत्या के कुछ घंटों बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर कथित बमबाजी और हमलों की खबरों ने इन आरोपों को और हवा दे दी। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस ने घटना की निंदा करते हुए खुद को आरोपों से अलग बताया है। टीएमसी नेताओं का कहना है कि भाजपा बिना जांच पूरी हुए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। पार्टी ने यहां तक कहा कि मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है, यदि राज्य की कानून व्यवस्था मजबूत है तो फिर विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले क्यों हो रहे हैं? यही वह प्रश्न है जो ममता सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहा है।

क्या बंगाल में हिंसा राजनीतिक संस्कृति बन चुकी है?

बंगाल में राजनीतिक हिंसा कोई नई बात नहीं है। वामपंथी दौर से लेकर तृणमूल शासन तक, सत्ता परिवर्तन के साथ हिंसा की घटनाएं हमेशा चर्चा में रही हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भी राज्य में व्यापक हिंसा हुई थी। भाजपा ने आरोप लगाया था कि उसके कार्यकर्ताओं की हत्या, घरों में आगजनी और महिलाओं के साथ अत्याचार हुए। मामला अदालत तक पहुंचा और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी गंभीर टिप्पणियां की थीं। अब एक बार फिर वही तस्वीर लौटती दिखाई दे रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल की राजनीति में वैचारिक संघर्ष अब "अस्तित्व की लड़ाई" में बदल गया है। यहां चुनाव सिर्फ सत्ता का संघर्ष नहीं बल्कि राजनीतिक वर्चस्व की जंग बन चुका है।

हार का डर या सत्ता बचाने की बेचैनी?

इस पूरे घटनाक्रम के पीछे सबसे बड़ा राजनीतिक पहलू यही माना जा रहा है कि बंगाल में भाजपा लगातार अपनी जमीन मजबूत कर रही है। शुभेंदु अधिकारी ममता बनर्जी के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरे हैं। नंदीग्राम में ममता को हराने के बाद शुभेंदु सिर्फ विपक्ष के नेता नहीं रहे, बल्कि वे भाजपा के "बंगाल मिशन" का चेहरा बन गए। ऐसे में उनके करीबी सहयोगी की हत्या ने सियासी तापमान और बढ़ा दिया है। भाजपा इसे डर और राजनीतिक असुरक्षा का परिणाम बता रही है। पार्टी का कहना है कि जब लोकतांत्रिक मुकाबले में चुनौती बढ़ती है तो हिंसा का सहारा लिया जाता है। हालांकि टीएमसी इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर रही है। लेकिन क्या कहानी इतनी सीधी है? इस मामले का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि बंगाल में हर बड़ी हिंसक घटना तुरंत राजनीतिक रंग ले लेती है। ऐसे में यह भी संभव है कि हत्या के पीछे कोई आपराधिक या व्यक्तिगत कारण हो, जिसे राजनीतिक रूप दिया जा रहा हो। जांच एजेंसियां फिलहाल हर एंगल से जांच कर रही हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और हमलावरों की गतिविधियों का विश्लेषण कर रही है। अभी तक किसी राजनीतिक संगठन का नाम आधिकारिक रूप से सामने नहीं आया है। यानी फिलहाल आरोप बहुत हैं, लेकिन अंतिम सच अभी जांच के दायरे में है।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट

इस घटना ने एक बार फिर देश के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया हैकृ क्या भारत के कुछ हिस्सों में राजनीति अब लोकतांत्रिक विमर्श से आगे निकलकर हिंसक संघर्ष में बदलती जा रही है? जब राजनीतिक कार्यकर्ता और नेताओं के करीबी लोग खुलेआम मारे जाने लगें, जब चुनाव के बाद भी हिंसा जारी रहे, जब विरोधी विचारधारा दुश्मनी में बदल जाए, तब लोकतंत्र कमजोर होता है। बंगाल की जनता विकास, रोजगार और शांति चाहती है, लेकिन उसे बार-बार राजनीतिक संघर्ष की आग में झोंका जा रहा है।चंद्रनाथ रथ की हत्या का सच चाहे जो हो, लेकिन यह घटना बेहद गंभीर है। यदि यह राजनीतिक हत्या है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। और यदि इसके पीछे कोई साजिश है, तो उसे भी बेनकाब होना चाहिए। राजनीतिक दलों के आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर अब जरूरत निष्पक्ष और तेज जांच की है। क्योंकि लोकतंत्र में विपक्ष दुश्मन नहीं होता, बल्कि सत्ता को संतुलित रखने वाली सबसे बड़ी ताकत होता है।

सम्राट की सरकार में परिवार की अमरबेल

राधा रमण

बिहार में सरकार गठन के 22 वें दिन सम्राट चौधरी सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। इसमें 32 नये सदस्यों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। सात लोग पहली बार मंत्री बने। इनमें दो किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। उन्हें छह माह के भीतर किसी सदन का सदस्य बनना होगा। आमतौर पर चाल, चरित्र और चेहरा की दुहाई देने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई में बनी इस सरकार में सामाजिक और जातीय समीकरणों पर पूरा फोकस किया गया है। साथ ही लालू यादव, सोनिया गांधी, स्व करुणानिधि, स्व मुलायम सिंह यादव, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, दिग्विजय सिंह आदि पर परिवारवाद का आरोप लगाने वाली भाजपा की इस सरकार में राजनीतिक परिवार की अमरबेल पूरी तरह लहलहा रही है। कैसे ? बताते हैं।

बिहार में पहली बार किसी सरकार में तीन-तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को मंत्री बनाया गया है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार तो हैं ही, पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्धम (एमएसएमई) मंत्री जीतनराम मांझी के पुत्र लघु जल संसाधन मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन और पूर्व मुख्यमंत्री स्व डॉ जगन्नाथ मिश्र के पुत्र नगर विकास और आवास तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नीतीश मिश्र शामिल हैं। इनमें से निशांत अभी किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। संभवतः वह अपने पिता नीतीश कुमार द्वारा खाली की गयी विधान परिषद की सीट से सदस्य बन जाएंगे।

अन्य नेता पुत्रों में स्वयं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पूर्व मंत्री शकुनि चौधरी के और उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी पूर्व विधायक स्व जगदीश प्रसाद चौधरी के पुत्र हैं। राज्य के खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री डॉ अशोक चौधरी बिहार कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे पूर्व मंत्री महावीर चौधरी के पुत्र हैं तो राज्य के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश पूर्व केन्द्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा के पुत्र हैं। निशांत के तरह दीपक प्रकाश भी किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। इससे पहले नीतीश कुमार की सरकार में भी वह बिना किसी सदन के सदस्य रहे करीब पांच माह तक मंत्री बने थे। राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि गृहमंत्री अमित शाह उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी का भाजपा में विलय कराना चाहते हैं। वह नहीं चाहते कि कुशवाहा समाज से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा कोई दूसरा नेता उसी समाज का ताकतवर हो। इसी सौदे के तहत दीपक प्रकाश को दोबारा बिना किसी सदन की सदस्यता के मंत्री बनाया गया है। हालांकि उपेन्द्र कुछ और भी मोलभाव करने पर आमादा हैं। देखना दिलचस्प होगा कि दोनों में से कौन बाजी मारता है। इसी तरह राज्य की उद्योग और खेल मंत्री श्रेयसी सिंह पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व दिग्विजय सिंह की पुत्री हैं तो राज्य की पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रमा निषाद पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व कैप्टन जयनारायण निषाद की पतोहू और पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी हैं। राज्य में मिथिलेश तिवारी, इंजीनियर शैलेन्द्र, रामचन्द्र प्रसाद, नंदकिशोर राम को मंत्री बनाकर भाजपा ने अपनी रणनीति साफ़ कर दी है कि पार्टी अब पुराने और जमे- जमाय नेताओं के सहारे नहीं रहना चाहती। लंबी पारी के लिए उसे नये चेहरों को आगे लाना होगा। इन्हें पहली बार मंत्री पद से नवाजा गया है। निशांत और दीपक प्रकाश को मंत्री बनाना भाजपा की सोची-समझी चाल है। श्वेता गुप्ता को जदयू कोटे से पहली बार मंत्री बनाया गया है। वह पहली बार की विधायक भी हैं। पेशे से डॉक्टर हैं और बनिया समुदाय से आती हैं।

जानकार तो यह भी कहते हैं कि निशांत को मंत्री बनाने में भी अमित शाह का ही हाथ रहा है। शाह के कहने पर ही जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह निशांत की चौतरफा घेराबंदी में लगे थे। पहले उप मुख्यमंत्री पद का ऑफर दिया गया था। लेकिन निशांत नहीं माने थे। वह पार्टी संगठन को मजबूत करना चाहते थे। अब बिजेन्द्र यादव के जीवित रहते उनके उप मुख्यमंत्री बनने की संभावना नहीं है। मंत्री बनकर ही रहना होगा, क्योंकि बिजेन्द्र यादव को हटाने पर पार्टी में विद्रोह की आशंका है। दरअसल, नीतीश कुमार को कुर्सी से बेदखल करने के बाद भाजपा की पूरी कोशिश बिहार में एकछत्र राज करने की है। महाराष्ट्र और हरियाणा के उदाहरण से यह समझा जा सकता है। भाजपा ने पहले जिनके बूते पर सरकार बनाई, उन्हें ही समय आने पर बेदखल कर दिया। पार्टियों की बात की जाए तो इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), अकाली दल, बीजू जनता दल (बीजद) की बर्बादी इस बात की तस्दीक करते हैं। अब बिहार में जनता दल यूनाईटेड (जदयू), हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) की बारी है। भाजपा को पता है कि नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत के सहारे जदयू को मजबूत बनाये रखना चाहते हैं। इसीलिए निशांत को सरकार में शामिल कर उनके राजनीतिक मूवमेंट पर विराम लगा दिया गया है। अब वे सरकारी फाइलों में उलझे रहेंगे। जदयू के संगठन पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

ऐसा नहीं है कि राजनीति के माहिर खिलाड़ी नीतीश कुमार भाजपा के इस खेल से अनभिज्ञ हैं। वह सारी बात समझते हैं, लेकिन विवश हैं। कारण, 7 सर्कुलर रोड का बंगला है, जिसे नीतीश ने अपने रहने लायक बनाया है। मुख्यमंत्री आवास छोड़ने के बाद नीतीश उसी बंगले में शिफ्ट हो गए हैं।

वह बंगला राज्य के किसी मंत्री के नाम पर ही आवंटित हो सकता है। राज्य में पूर्व मुख्यमंत्रियों को सरकारी आवास एलाट करने का अब प्रावधान नहीं है। पहले होता था। अब अदालत ने रोक लगा रखी है। ऐसे में नीतीश अपने बेटे को मंत्री बनाकर ही वह बंगला अपने पास रख सकते हैं। बहरहाल, सम्राट सरकार का असली लिस्मस टेस्ट तो राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, कानून व्यवस्था ठीक करने, शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने, चिकित्सा की लचर व्यवस्था को पटरी पर लाने, बाढ़ नियंत्रण का उपाय करने और विकास कार्यों को पटरी पर लाने की है, क्योंकि राज्य का खजाना खाली है और जंगलराज की स्थिति है।

बंगाल में कानून व्यवस्था को अमन के दुश्मनों की चुनौती!

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की अप्रत्याशित अभूतपूर्व जीत के बाद जिस तरह की हिंसा और तोड़फोड़ की वारदातों की झड़ी लगी है बेशक वो टीएमसी के अराजकता भरे डेड़ दशक के खिलाफ लोगों की नाराजगी और टीएमसी कार्यकर्ताओं की सत्ता छिटकने की हताशा की प्रतिक्रिया हो सकता है लेकिन दोनों राजनीतिक दलों को संयम और समझदारी और सदाचार बनाए रखने की जरूरत है। भाजपा को भाजपा बनाए रखने के लिए इस तरह की अराजकता फैलाने से अपने कार्यकर्ताओं को रोकना ही होगा हालांकि यह हिंसा एकतरफा नही है जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए की बीती रात अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या की है वह बताता है कि हिंसा और अराजकता का दौर अभी थमने वाला नहीं है। कानून व्यवस्था की स्थिति को सख्ती से सुधारना होगा चुनाव बाद हिंसा में आधा दर्जन लोगों की जान जा चुकी है।

मौजूदा चुनाव नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था।उधर कोलकाता में राज्य के पुलिस डीजीपी ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद आरही हिंसक वारदातों पर उपद्रवियों को कड़ी चेतावनी जारी की है दो सौ उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि चार लोगों की हिंसा में मौत हो गई है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मंगलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं।भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई। आपको बता दें पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है।अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी।गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या के मामले में एक के बाद एक चौंकाने वाली जानकारियां सामने आ रही हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि घटना रात 10 बजे से 10:15 बजे के बीच हुई। बताया जा रहा है कि हमले के समय गाड़ी की अगली सीट पर चंद्रनाथ रथ और उनका ड्राइवर मौजूद थे।पीछे की सीट पर मिंटू नाम का एक व्यक्ति बैठा था, जिसे चंद्रनाथ रथ का करीबी बताया जा रहा है.सूत्रों के मुताबिक जिस सिल्वर रंग की गाड़ी के जरिए चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया, उस गाड़ी के चेसिस नंबर मिटा दिए गए थे।यानि हमलावरों ने बहुत बारीकी से इस पूरे हत्याकांड की तैयारी की थी।जांच के फोकस में एक सिल्वर रंग की गाड़ी है, जिससे चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया था।

रात तकरीबन 10 बजकर 20 मिनट पर चंद्रनाथ रथ की गाड़ी मेन हाईवे से उनके घर की गली की तरफ मुड़ी और घर से केवल 100 मीटर की दूरी पर इस गाड़ी को हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ की गाड़ी के सामने लगा दिया। इसके बाद बाइक पर सवार एक हमलावर जिसने कैप पहनी हुई थी, उतरता है और ताबड़तोड़ 4 राउंड फायरिंग की। जिसमें से 3 राउंड रथ के सीने में लगा जिससे उनकी मौत हो गई और उनके ड्राइवर की हालत नाजुक है. गौर करने वाली बात है कि चंद्रनाथ रथ वही शख्स हैं, जिन्होंने पिछले दिनों चुनाव के दौरान शुभेंदु अधिकारी का प्रतिनिधित्व करते हुए कई जगह देखे गए थे।जब ममता बनर्जी भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाख़िल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे. चंद्रनाथ रथ (42) बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक थे।चंद्रनाथ, शुभेंदु गृह के जिले पूर्वी मिदनापुर के चांदीपुर के रहने वाले थे। चंद्रनाथ भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी हैं।

उन्होंने साल 2019 में शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक के तौर पर काम शुरू किया था, जब शुभेंदु ममता बनर्जी की सरकार में मंत्री थे। दिलचस्प बात यह है कि बंगाल चुनाव की मतगणना से ठीक तीन दिन पहले 30 अप्रैल को जब ममता बनर्जी शाख़ावत मेमोरियल हाई स्कूल स्थित भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाख़िल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे। शुभेंदु अधिकारी की गैर-मौजूदगी में वे मतगणना केंद्र के बाहर हो रहे विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे, क्योंकि शुभेंदु उस रात पूर्वी मिदनापुर स्थित अपने गृह नगर कांथी के लिए रवाना हो चुके थे.

जैसा कि आप जानते हैं कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका ज़ाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं। राज्य में तोड़फोड़ और हिंसा की कई ख़बरें आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बयान जारी कर आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग अपनी पहचान बदलकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

अखिलेश की भेष बदल कर हिन्दू वोटों की फसल काटने की तिकड़म

अजय कुमार

समाजवादी दल का इतिहास गवाह है कि जब भी चुनावी मौसम करवट लेता है, तब यह दल भी अपना रंग बदलने लगता है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता दल की जीत ने उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नई हलचल पैदा कर दी है। बंगाल के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि हिंदू मतदाता एकजुट होकर मतदान करे तो किसी भी दुर्ग को ढहाया जा सकता है। इस संदेश को समाजवादी दल के मुखिया अखिलेश यादव ने बखूबी पढ़ लिया और देखते ही देखते उनकी सियासत का रंग बदलने लगा। अखिलेश यादव, जो कभी जाति और वर्ग की राजनीति के पुरोधा माने जाते थे, आजकल सामाजिक माध्यमों पर बजरंग बली की तस्वीर के साथ चौपाइयाँ लिख रहे हैं। समाजवादी दल के प्रदेश कार्यालय में बड़े मंगल पर पूजा-अर्चना की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। यह देखकर आम जनता के मन में एक ही सवाल उठता है कि क्या यह सच्ची आस्था है या केवल भेष बदल कर हिन्दू मतों की फसल काटने की तिकड़म?समाजवादी दल की स्थापना से लेकर आज तक उसकी सियासत की बुनावट को देखें तो एक धागा बार-बार नजर आता है जब सत्ता मिली तो एक रंग, और जब विपक्ष में आए तो दूसरा रंग।

मुलायम सिंह यादव ने जब दल की नींव रखी, तब उनका मूल आधार यादव और मुसलमान मतदाताओं का गठबंधन था। इसे सियासी बोलचाल में 'माय' यानी मुसलमान-यादव समीकरण कहा गया। यह समीकरण वर्षों तक उत्तर प्रदेश की सत्ता का केंद्र बिंदु रहा। इस गणित के बल पर समाजवादी दल ने कई बार सरकार बनाई, लेकिन इसके साथ ही दल पर तुष्टीकरण का आरोप भी लगता रहा। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में जब भारतीय जनता दल ने भारी बहुमत से उत्तर प्रदेश की सत्ता हासिल की, तब समाजवादी दल को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा। 'माय' समीकरण पर्याप्त नहीं था, यह स्पष्ट हो गया। तब इस दल ने तुरंत अपनी राह बदली। वर्ष 2022 के चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने एक नया नारा दिया पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक यानी पीडीए। इस नए समीकरण में पिछड़ी जातियों के व्यापक वर्ग को साधने की कोशिश थी। छोटी-छोटी जातियों को मंच देकर, उन्हें टिकट देकर दल ने यह जताने की कोशिश की कि अब वह केवल यादव और मुसलमान का दल नहीं रहा।2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए के नारे ने कुछ असर दिखाया और समाजवादी दल की सीटें बढ़ीं। अखिलेश यादव ने इसे अपनी रणनीति की सफलता बताया। लेकिन जानकारों का मानना है कि यह सफलता भारतीय जनता दल के विरोध में उपजी लहर का परिणाम थी, न कि किसी ठोस सामाजिक बदलाव का। इसके बावजूद समाजवादी दल के नेताओं का आत्मविश्वास आसमान छूने लगा। पीडीए को जादुई मंत्र की तरह प्रचारित किया जाने लगा। अब बंगाल के नतीजों के बाद फिर एक नया मोड़ आया है। हिंदू मतदाताओं को साधने के लिए धार्मिक प्रतीकों का सहारा लिया जा रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। मुलायम सिंह यादव भी समय-समय पर मंदिरों में जाते थे, परशुराम जयंती मनाते थे और ब्राह्मण सम्मेलनों में शरीक होते थे। लेकिन उनकी असली राजनीति का धुरा कभी नहीं बदला। यही परंपरा अखिलेश यादव आगे बढ़ा रहे हैं।

समाजवादी दल के इस दोहरे चेहरे को समझने के लिए उसके शासनकाल को याद करना जरूरी है। जब दल सत्ता में था, तब दंगों की घटनाएँ हुईं। 2013 में मुजफ्फरनगर की पीड़ा आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। उस दौर में पुलिस और प्रशासन पर पक्षपात के आरोप लगे।

कौन होगा हमारा ब्रांड एनीमल ?

डॉ टी महादेव राव

आजकल मुझे अपने आप पर सहसा गर्व होने लगा है कि मेरा मस्तिहष्की कितने धांसू विचारों को जन्मत देता है। मेरे ख्याअल से मुझे किसी बड़े पुरस्का्र से सम्मानित किया जाना चाहिए।

तो मेरे धांसू दिमाग का धाँसू ख्याील सुनिये ! हमारी सरकार चीखती है- वनों की रक्षा करो – लुप्त होती वन संपदा को बचाओ, वनपशुओं की रक्षा करना हमारा परम कर्त्तव्या है आदि। वैसे हमारा राष्ट्री य पशु सिंह या शेर है, जिसकी नस्लक का भारत में अभाव हो रहा है। अवैध रुप से जिस तरह लोगों ने जंगलों की कटाई शुरु कर दी है, शिकार करके ठीक उसी तरह सिंह को दुनियां से खदेड़ रहे हैं। वैसे सिंह जंगल में भी कम हो चले हैं जिस तरह जंगल काटकर गांव-बस्तीत, शहर बसाये जा रहे हैं ठीक उसी तरह पूरे सिंह आकर कुछ उत्तर प्रदेश में, बिहार में और अत्याकधिक मात्रा में पंजाब में बस गये हैं – समझ गये होंगे। हां तो असली मुददे पर लौट आएं। सिंह लुप्त वंशी हो रहे हैं। जब राष्ट्रींय पशु ही नहीं रहेगा तब राष्ट्रद का अस्तिहत्वट बेमानी होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। हम सिहों के वंश को भारत की जनसंख्यात की तरह बढ़ा तो सकते नहीं – तो ऐसा क्यों न करें कि राष्ट्री य पशु से सिंह को उतारकर किसी और पशु को इस पद पद बिठायें। वैसे अपने भारत की जनता कुर्सियों पर शख्सों को बदलना खूब जानती है।

इसे उठाकर उसे बिठाये – यह रवैया स्वकस्य्जान मानसिकता का द्योतक है क्योंपकि परिवर्तन ही जीवन है। परिवर्तन न हुआ तो मानव और पाषाण में अंतर क्याय रह जाएगा? सो परिवर्तन की इस स्वदस्थश प्रक्रिया के फलस्वअरूप हमें चाहिए कि पदस्थस का परिवर्तन किया जाए। वैसे कुर्सी से चिपके लोग अपनी जी तोड़ कोशिश करते हैं कि कुर्सी न छिन जाए----लेकिन जहां अल्पहमत बहुमत का प्रश्ने है तो राष्ट्री य पशु सिंह होगा, क्यों कि उसने प्रभावीशाली बहुमत खो दिया है।

प्रश्नु सहज है कि अब सिंह की कुर्सी पर किसे बिठाया जाये? उत्तर में नगर सिंह-श्वाशन या चलते शब्दोंय में 'कुत्ता' होगा। जी हां--- कुत्ता एक ऐसा पशु है जिसकी नस्लि की समाप्ति? का प्रश्न ही बेमानी है।

दूसरा... कुत्ता हमारी वर्तमान मानसिक प्रवृत्ति का द्योतक – प्रतीक भी है। आप कोई भी हों, जरा सा पुचकारे नहीं कि कितनी खूबसूरती से अपनी टेढ़ी दुम हिलाता हुआ आ पहुंचता है। उसे रंग-भेद जाति भेद से क्या लेना? जिसने पुकारा उसी का हो गया – ठीक हमारे दल बदलू राजनीतिज्ञों की तरह।

वैसे ही जैसे कोई कर्मचारी हो अथवा किसी पार्टी के छुटपुट से लेकर महामहिम सदस्य जो किसी के अधीन हैं – जरा सा डांटा, पैरों पर लेट गया-तो यह उसकी एक ऐसी देन है वर्तमान युग के सामयिक प्रवृत्ति पालते मानव के लिये कि उसे विस्मृहत नहीं किया जा सकता। कुत्ता--- एक ऐसा जानवर है कि जिसे शास्त्रों ने भी नहीं छोड़ा। 'श्वान निद्रा बको ध्यापनं' यानी कुत्ते जैसी नींद होनी चाहिए। जरा खड़का हुआ कि उठकर सचेत हो जाता है – ठीक विपक्षी नेताअें की तरह। कुत्ते को बुद्धि के मामले में उल्लूस कहना ठीक इसलिए होगा क्यों कि बिना सोचे विचारे वह कहीं भी पूछ हिलाते पहुंच जाता है। चाहे कोई रोटी दे या डंडे की मार। शायद इसी मूर्खता के कारण कई मानव कुत्तों की तरह पिटे और लोकप्रियता की नकली छवि पर मर मिटे। कभी-कभी कुत्ता अपनी औकात भूलकर मालिक या मालिक के लड़के पर भौंकता है।

विद्रोह की मुद्रा में निश्चिय ही लड़के से बड़े उम्र कुत्ते को मार पड़ना सहज होगा सबसे ब्ड़ा गुण कुत्ते में यह है कि वह बुरा नहीं मानता। आप गाली दीजिये या पिटाई कर दीजिये, दूसरे ही क्षण सब कुछ धूल की तरह झाड़ते हुए आपके आस-पास लौटेगा इस तरह की बिना रीढ़ की हड्डी वाली प्रवृत्ति युग के मानव में नहीं है? अब साहित्य में ही देखिये – सिंह या शेर को लेकर दो ही मुहावरे प्रचलित हैं शेर के मुंह में हाथ डालना, शेर और बकरी एक घाट पर पानी पीना जिनका वक्रोक्ति के अनुसार विशेष महत्व कहां? जबकि ग्राम्यं सिंह से जुड़ी कहावतों के भंडार से सजे हुए हैं।

टीम इंडिया में बदलाव की तैयारी : कोचिंग स्टाफ में जुड़ सकता है ये जादुई स्पिनर, गौतम गंभीर ने की सिफारिश!

भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। पूर्व भारतीय स्पिनर साईराज बहुतुले को टीम इंडिया का नया स्पिन-बॉलिंग कोच बनाए जाने की चर्चा तेज हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से विशेषज्ञ-गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की सिफारिश की है और इस अहम जिम्मेदारी के लिए बहुतुले का नाम आगे बढ़ाया है।

टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में कौन-कौन?

अगर बीसीसीआई इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है, तो भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ में पहली बार स्पिन गेंदबाजी के लिए अलग विशेषज्ञ कोच की नियुक्ति होगी। मौजूदा समय में टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल, फील्डिंग कोच टी दिलीप और सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे शामिल हैं, लेकिन स्पिन गेंदबाजों के लिए

कोई अलग कोच नहीं है।

गंभीर ने की बहुतुले की सिफारिश!

क्रिकबज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि, गंभीर भारतीय स्पिन विभाग को और मजबूत करना चाहते हैं। पिछले कुछ समय में भारतीय स्पिनर्स का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है, जिसने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। एक दौर में भारतीय स्पिन गेंदबाजी दुनिया की सबसे खतरनाक मानी जाती थी, लेकिन हाल के वर्षों में टीम को घरेलू परिस्थितियों में भी संघर्ष करना पड़ा है।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से हारा भारत

साल 2024 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने भारत को घरेलू टेस्ट सीरीज में हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने भी भारतीय सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर और केशव महाराज ने भारतीय पिचों पर भारतीय स्पिनर्स से ज्यादा प्रभाव छोड़ा। वहीं, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती के फॉर्म पर भी सवाल उठे हैं। इन्हीं कारणों से टीम प्रबंधन अब स्पिन गेंदबाजी विभाग में विशेषज्ञ कोच जोड़ने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। बहुतुले को स्पिन गेंदबाजी कोचिंग का अच्छा अनुभव हासिल है और यही वजह है कि गंभीर ने उनके नाम की सिफारिश की है।

पंजाब किंग्स को मजबूत बना रहे बहुतुले

53 वर्षीय बहुतुले भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मुकाबले खेल चुके हैं। वह पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के साथ भी काम कर चुके हैं, जहां वीवीएस लक्ष्मण प्रमुख की भूमिका में हैं। पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने भी 2023 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उन्हें सपोर्ट स्टाफ में शामिल करने की सिफारिश की थी। फिलहाल बहुतुले आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के साथ जुड़े हुए हैं। टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग उन्हें इस सीजन में अपने साथ लेकर आए थे। हालांकि माना जा रहा है कि भारतीय टीम के साथ जुड़ने के लिए वह पंजाब किंग्स से अलग हो सकते हैं। पंजाब किंग्स भी टीम इंडिया और बीसीसीआई से जुड़े इस मौके में उनके रास्ते में रुकावट नहीं डालेगी।

'भारत के लिए जल्द डेब्यू करेगा पेसर प्रिंस यादव', तूफानी गेंदबाज के फैन हुए अंबाती रायुडू, जमकर की तारीफ

भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के पेसर प्रिंस यादव की जमकर तारीफ की है। उनका मानना है कि यह पेसर टीम इंडिया में जगह बनाने से ज्यादा दूर नहीं है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस ने गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ कहर बरपाते हुए तीन विकेट झटके थे। उनकी शानदार गेंदबाजी के दम पर लखनऊ की टीम इकाना स्टेडियम में आरसीबी को नौ रन से हराने में कामयाब रही थी। प्रिंस ने विराट कोहली को शून्य पर आउट किया था।

'प्रिंस जल्द ही भारत के लिए डेब्यू करेंगे'

रायुडू ने ईएसपीएन क्रिकइनफो से कहा, 'मुझे लगता है कि प्रिंस जल्द ही भारत के लिए डेब्यू करेंगे। उनमें स्पेशल टैलेंट है। जिस तरह का उनका रन अप है, उसे देखकर ही लगता है कि वह मैच में लड़ने आए हैं। वह मुश्किल गेंदें डालते हैं और उनकी ज्यादातर गेंदें स्टंप को हिट करती हैं। यह उनकी खासियत है। कोहली को जिस गेंद पर आउट किया, वह बहुत ही खास गेंद थी। वह विराट कोहली हैं। प्रिंस, जो

कि दिल्ली से आते हैं, दिल्ली से ही खेलते हैं, उन्होंने अपने दिल्ली के टीम मेट को आउट किया।'

'हर प्रारूप में कामयाब होने की क्षमता'

प्रिंस के शुरुआती स्पेल से ही आरसीबी की टीम बैकफुट पर आ गई थी। आरसीबी ने दोनों ओपनर्स के विकेट जल्दी गंवा दिए थे। डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 213 रन चेज करने उतरी टीम 203 रन ही बना सकी। रायुडू ने कहा कि प्रिंस में हर प्रारूप में कामयाब होने की क्षमता है। उनकी फिटनेस शानदार है, लय और कंसिस्टेंसी भी बरकरार है और यही उनकी मजबूती है।

'स्लिप में खड़े होकर गेंदबाजी करते देखना शानदार'

रायुडू ने कहा, 'मुझे लगता है कि स्लिप में खड़े होकर इस गेंदबाज को देखना शानदार रहेगा। सच कह रहा हूं, प्रिंस को गेंदबाजी करते देखना शानदार है। मेरे लिए अद्भुत क्षण होगा अगर मैं उन्हें पहली या दूसरी स्लिप में खड़े होकर गेंदबाजी करता दिखूं। मुझे लगता है कि वह हर प्रारूप के खिलाड़ी हैं। जिस तरह से उन्होंने अब तक इस सीजन में गेंदबाजी की है, वह शानदार है।' रायुडू ने हर स्पेल में दबाव बनाने की क्षमता की भी तारीफ की।

'उनका एक्शन क्लीन है और उनमें कंसिस्टेंसी है'

रायुडू ने कहा, 'चूंकि वह काफी फिट हैं, उनमें आक्रामकता भी दिखती है। उनका एक्शन क्लीन है और उनमें कंसिस्टेंसी है, जो कई गेंदबाजों में नहीं दिखती। कई गेंदबाज ओवर में एक या दो अच्छी गेंदें फेंकते हैं, लेकिन प्रिंस ओवर में चार से पांच शानदार गेंद फेंकते हैं। यह उनकी मजबूती है।' प्रिंस इस सीजन अब तक 10 मैचों में 16 विकेट ले चुके हैं और सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। भुवनेश्वर और अंशुल 17-17 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं।

कुलदीप मैच विनर खिलाड़ी हैं, वह जल्द वापसी करेंगे: डेविड मिलर

दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर ने आलोचनाओं का सामना कर रहे स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव का बचाव किया है। मिलर का कहना है कि कुलदीप एक मैच विनर खिलाड़ी हैं और टीम के लिए उनकी लगातार मौजूदगी बेहद जरूरी है। डेविड मिलर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए कहा कि कुलदीप की क्षमता पर कोई शक नहीं है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं और एक-दो खराब मुकाबलों के आधार पर किसी खिलाड़ी को आंकना सही नहीं है। कुलदीप का फॉर्म इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। बाएं हाथ के स्पिनर ने 10.4 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हैं और वह सिर्फ 7 विकेट ही निकाल सके हैं। 5 मुकाबलों में कुलदीप एक भी विकेट नहीं चटका सके हैं। इसके बावजूद डेविड मिलर ने भरोसा जताया कि कुलदीप जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि कुलदीप हमेशा अच्छी तैयारी करते हैं और हर मैच में अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश करते हैं। मिलर के मुताबिक, ऐसे खिलाड़ी किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते

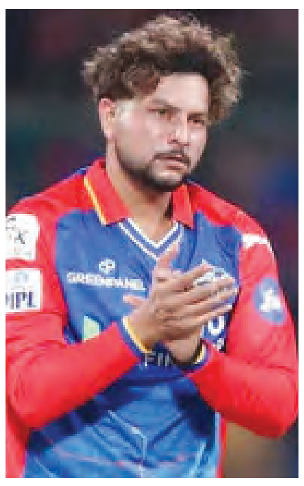

हैं।

मिलर ने यह भी कहा कि वह खुद पहले कुलदीप के खिलाफ खेल चुके हैं और जानते हैं कि उन्हें खेलना कितना मुश्किल होता है। इसलिए वह मानते हैं कि जब ऐसा गेंदबाज फॉर्म में होता है, तो वह किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। उन्होंने टीम के माहौल पर भी बात की और कहा कि हर खिलाड़ी को अच्छे और बुरे दोनों समय को स्वीकार करना चाहिए। किसी भी खिलाड़ी से हर मैच में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद नहीं की जा सकती।

मिलर ने माना कि इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की फील्डिंग उम्मीद से कमजोर रही है और कई आसान मौके टीम ने गंवाए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि टीम इस पर कड़ी मेहनत कर रही है और आगे बेहतर प्रदर्शन करेगी। मिलर ने बताया कि फील्डिंग सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि एटीट्यूड भी है। अगर खिलाड़ी मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ उतरें, तो नतीजे अपने आप बेहतर हो सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अब टीम के सामने बाकी बचे मुकाबले बहुत अहम हैं और उन्हें हर मैच में पूरी तैयारी के साथ उतरना होगा। मिलर ने टी20 क्रिकेट के बदलते अंदाज़ पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज के युवा खिलाड़ी बहुत निडर होकर खेल रहे हैं और तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि हर खिलाड़ी को अपनी ताकत को पहचानकर उसी के हिसाब से खेलना चाहिए।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाकर कूपर कोनोली ने अपने नाम किए ये रिकॉर्ड

आईपीएल 2026 में बुधवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच एक मुकाबला खेला गया। एसआरएच ने 33 रन से मैच जीतकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। कूपर कोनोली का विस्फोटक शतक भी पंजाब किंग्स को हार से और एसआरएच के हाथों अंकतालिका में पहला स्थान गंवाने से नहीं रोक सका। कूपर कोनोली अपनी शतकीय पारी से बेशक पंजाब किंग्स को जीत नहीं दिला सके, लेकिन कई रिकॉर्ड उनके नाम जुड़ गए। कूपर कोनोली आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। बुधवार को हुए मुकाबले में कोनोली ने 22 साल 257 दिन की उम्र में अपना पहला आईपीएल शतक लगाया। 22 साल की उम्र में पंजाब किंग्स के लिए शतक लगाने वाले कोनोली दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। कोनोली से पहले प्रभसिमरन सिंह ऐसा कर चुके हैं।

पंजाब किंग्स के किसी भी बल्लेबाज द्वारा एसआरएच के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड कोनोली के नाम हो गया है। पूर्व में यह रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। गेल ने 2018 में नाबाद 104 रन बनाए थे।

कोनोली ने अपनी पारी में 8 छक्के लगाए। 22 साल की उम्र में पंजाब किंग्स के किसी भी बल्लेबाज द्वारा आईपीएल की किसी एक पारी में सर्वाधिक छक्कों का यह रिकॉर्ड है।

मैच पर गौर करें तो एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 235 रन बनाए थे।

236 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के दोनों ओपनर, प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह, 4 के स्कोर तक पेवेलियन लौट गए। विकेटों के गिरने का सिलसिला लगातार जारी रहा। कूपर कोनोली ने अकेले संघर्ष किया। अगर किसी एक बल्लेबाज ने भी कोनोली का साथ दिया होता, तो मैच पंजाब जीत सकती थी। कोनोली 59 गेंदों पर 8 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 107 रन बनाकर नाबाद रहे।

लोकप्रियता या पैसे की बात नहीं, हर खेल की छोटी-बड़ी सफलता का जश्न मनाया जाना चाहिए : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने उन लोगों को जवाब दिया है जिन्होंने थॉमस कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के लिए सार्वजनिक रूप से स्वागत में कमी पर दिए उनके बयान का गलत मतलब निकाला था। 2022 में चैंपियन रही भारतीय टीम ने 2026 थॉमस कप में कांस्य पदक जीता, लेकिन घर वापसी के बाद इस उपलब्धि का जश्न नहीं मनाया गया। सात्विक ने थॉमस कप में हिस्सा लेने के लिए हॉर्सेंस गई टीम और घर लौटने की दो तस्वीरें शेयर की थीं, साथ में कैप्शन लिखा था, ₹यह कैसे शुरू हुआ, यह कैसे चल रहा है। ऐसा देखा गया कि टीम के लिए कोई बड़ी विदाई या स्वागत नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर उनके इस टिप्पणी को निजी उपलब्धि के लिए माना गया।

इस पर रंकीरेड्डी ने कहा, पिछले कुछ दिनों में हमारे थॉमस कप कांस्य पदक के लिए रिसेप्शन न होने के बारे में मेरे हाल के कमेंट्स पर बहुत ध्यान गया है। हालांकि मैं इतने ज्यादा समर्थन और हिम्मत के लिए शुक्रगुजार हूं। मैं अपना इरादा साफ करना चाहता हूं क्योंकि मैं देख रहा हूं कि बहुत से लोग असली बात से भटक रहे हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे शब्द निजी शोहरत पाने या किसी और की कामयाबी का श्रेय लेने के लिए नहीं था। मैं हर उस एथलीट की बहुत इज्जत

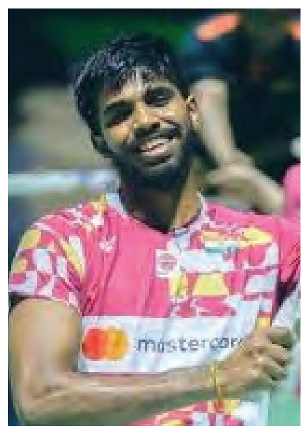

करता हूं जो भारत का नाम रोशन करता है, चाहे वह किसी भी खेल का हो।

रंकीरेड्डी ने लिखा, मेरा संदेश बिल्कुल साधारण था। हमें एक ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जो हर जीत को बढ़ावा दे और उसका जश्न मनाए, चाहे वह बड़ी हो या छोटी, चाहे वह विश्व कप पदक हो या थॉमस कप जैसी वैश्विक चैंपियनशिप में पोडियम पर आना। ऐसे पल वर्षों की कुर्बानी और कड़ी मेहनत के बाद आते हैं। जब ऐसी उपलब्धियों पर चुप्पी न सिर्फ हमारे लिए, बल्कि भारतीय एथलीटों की आने वाली पीढ़ियों के लिए भी निराशाजनक है।

उन्होंने लिखा, हमें पैसा या बड़ी परेड नहीं चाहिए। हम बस यह जानना चाहते हैं कि हमारा देश देख रहा है और हमारी कोशिशों को देखा जा रहा है। आइए, सभी खेलों को एक ही जुनून और एंगल के साथ सपोर्ट करने के लिए एक साथ आएं। अगली बार, यह इस बारे में न हो कि किसने ज्यादा या कम जीता, बल्कि भारत की जर्सी पहनने वाले हर किसी का जश्न मनाया जाए। मेरे साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद। आइए, भारत के लिए खेलते रहें।

इससे पहले, साई की तरफ से आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सात्विक के डबल्स पार्टनर चिराग शेट्टी ने कहा था, ₹मुझे लगता है कि जिस तरह से थॉमस कप में मिली जीत का जश्न मनाया जाना चाहिए था, नहीं मनाया गया। जो असल में बैडमिंटन को फॉलो करते हैं और इसे समझते हैं, उन्हें पता था कि टूर्नामेंट कितना बड़ा था, लेकिन आम जनता को अभी भी नतीजे की अहमियत का पता नहीं था। इससे कभी-कभी मुझे दुख होता है।

धोनी को नहीं आता गुस्सा? अश्विन ने सुनाया मजेदार किस्सा बताया- उनकी किस हरकत से नाराज हुए थे माही

भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शुक्रवार को खुलासा किया कि अपने करियर के शुरुआती दौर में चैलेंजर ट्रॉफी में महेंद्र सिंह धोनी को आउट करने के बाद जरूरत से ज्यादा जश्न मनाने पर यह पूर्व भारतीय कप्तान नाराज हो गया था। जियोस्टार के 'द रविचंद्रन अश्विन एक्सपीरियंस' कार्यक्रम में इस ऑफ स्पिनर ने याद किया कि उन्हें लगा था कि धोनी को आउट करने से उन्हें आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलने का मौका मिल सकता है।

अश्विन ने सुनाई मजेदार कहानी

अश्विन ने कहा, 'सीएसके की टीम में मुथैया मुरलीधरन थे। एक दिग्गज खिलाड़ी जो अपने कोटे के पूरे ओवर कर रहे थे। इसलिए मुझे (सीएसके के लिए खेलने के) मौके नहीं मिल रहे थे। मैं 2008 में नहीं खेला, लेकिन 2009 में मुझे केपटाउन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ सचिन तेंदुलकर के सामने अपना पहला

मैच खेलने का मौका मिला। मुझे 2009 और 2010 में भी ज्यादा मौके नहीं मिले।'

दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले अश्विन ने कहा, 'चैलेंजर ट्रॉफी में मुझे धोनी को गेंदबाजी करने का मौका मिला। धोनी हमारी टीम के खिलाफ खेलते हुए दो बार आउट हुए। एक बार उन्होंने डीप कवर की तरफ शॉट खेला और मैंने डाइव लगाकर कैच लपक लिया। मैंने इतना जश्न मनाया कि वह सच में नाराज हो गए।'

'धोनी से कहा था- CSK में मौका मिल जाए'

उन्होंने कहा, 'धोनी ने मुझसे पूछा- इतना जश्न मनाने की क्या जरूरत है। मैंने कहा- आपका विकेट लेना मेरा सपना था। शायद इससे मुझे सीएसके में खेलने का मौका मिल जाए। और अगले साल मुझे मौका मिल गया।' भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 106 मैच में 537 विकेट लेने वाले अश्विन ने सीएसके के साथ अपने आईपीएल करियर का अंत किया क्योंकि वह वहीं खत्म करना चाहते थे जहां से उन्होंने शुरुआत की थी।

उन्होंने कहा, 'जब मुझे दोबारा सीएसके के लिए खेलने का मौका मिला, तो सबसे पहला विचार यही आया कि मैं उसी टीम के साथ अपने करियर को खत्म करूंगा जिससे मैंने शुरुआत की थी। मैं दो तीन साल और खेलना चाहता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह एक अलग कहानी है इसके बारे में मैं अभी बात नहीं करूंगा।'

'चेपॉक में करियर खत्म करने का था सपना'

अश्विन ने कहा, 'मेरा एक और सपना था कि मैं चेपॉक में अपना करियर खत्म करूं। ऐसा नहीं हुआ। मेरा आखिरी आईपीएल मैच दिल्ली में था। मैंने अपना आखिरी वनडे मैच चेपॉक में ही खेला था। उस मैदान से मेरी कई यादें जुड़ी हैं। वह मेरे दिल के बेहद करीब है।' आईपीएल में उनका आखिरी विकेट युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी का विकेट था। इस स्पिनर ने कहा, 'यह थोड़ा रणनीतिक था।

क्रिकेट बदल गया है। नई पीढ़ी के खिलाड़ी स्पिनरों की गेंदों को उनकी लेंथ से बाहर जाकर खेलते हैं। इसलिए मैंने थोड़ी फुल लेंथ गेंद की थी। मैंने इसी तरह से संजू सैमसन का विकेट भी लिया था।'

'वैभव सूर्यवंशी असाधारण प्रतिभा'

अश्विन ने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी असाधारण प्रतिभा है। जिस तरह से वह छक्के मार रहा था, मैंने उसे गेंद की फ्लाइट से चकमा देने की कोशिश की। वह चकमा खा गया, लेकिन जल्द ही उसने खुद को संभाला और मिड-ऑन की तरफ रिवर्स स्वीप खेला। मैंने बस यही कहा- वाह, यह तो कमाल का खिलाड़ी है। उसके पास कौशल है। मैं उसे लाल गेंद की क्रिकेट में भी आजमाना चाहूंगा।'

49 गेंद, तूफानी शतक और इतिहास, मिचेल मार्श ने इकाना में लूटी महफिल; आरसीबी गेंदबाजों पर जमकर बरसे

सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने गुरुवार को आईपीएल 2026 में ऐसा धमाका किया, जिसने लखनऊ सुपर जाएंट्स के रिकॉर्ड बुक्स में तब्दीली कर दीं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मार्श ने सिर्फ 49 गेंदों में शतक ठोककर लखनऊ के लिए आईपीएल इतिहास का सबसे तेज सैकड़े का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

मार्श ने तोड़ा पंत का रिकॉर्ड

इस दौरान मिचेल मार्श ने कप्तान ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने पिछले सीजन इसी मैदान पर आरसीबी के खिलाफ 54 गेंदों में शतक लगाया था। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 56 गेंदों पर 111 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में चौकों और छक्कों की बारिश देखने को मिली।

आईपीएल में आरसीबी के खिलाफ लखनऊ के शतकवीर

स्कोर	बल्लेबाज	स्थान	साल
118* (61)	ऋषभ पंत	लखनऊ	2025
101* (49)	मिचेल मार्श	लखनऊ	2026

शुरुआत से ही आक्रामक दिखे मार्श

मार्श ने पारी की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। उन्होंने जोश हेजलवुड की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार के खिलाफ कवर के ऊपर से शानदार सिक्स जड़ा। स्पिनर्स के आने के बाद भी मार्श नहीं रुके। उन्होंने क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा पर लगातार बड़े शॉट लगाए।

20 गेंदों में पूरी की फिफ्टी

मार्श ने महज 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज पचासा रहा। इसके बाद उन्होंने रसिख रसाल और हेजलवुड के खिलाफ भी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। बारिश के कारण मैच दो बार रुका, लेकिन मार्श की लय नहीं टूटी। उन्होंने 111 रन की यादगार पारी खेलकर आरसीबी गेंदबाजों की जमकर खबर ली।

आईपीएल में लखनऊ के बल्लेबाजों की सबसे बड़ी पारी

स्कोर	बल्लेबाज	विपक्षी टीम	साल
140*	क्विंटन डिकॉक	केकेआर	2022
124*	मार्कस स्टोइनिस	सीएसके	2024
118*	ऋषभ पंत	आरसीबी	2025
117	मिचेल मार्श	जीटी	2025
111	मिचेल मार्श	आरसीबी	2026
103*	केएल राहुल	एमआई	2022
103*	केएल राहुल	एमआई	2022

आईपीएल में लखनऊ के लिए शतक लगाने वाले बल्लेबाज

शतक	बल्लेबाज
2	केएल राहुल
2	मिचेल मार्श
1	क्विंटन डिकॉक
1	मार्कस स्टोइनिस
1	ऋषभ पंत

नोरा फतेही ने महिला आयोग के सामने मांगी माफी
अनाथ बच्चियों की शिक्षा का उठाया जिम्मा

कन्नड़ फिल्म 'केडी द डेविल' के गाने 'सरके चुनर' में अपनी परफॉर्मेंस को लेकर विवादों में घिरीं अभिनेत्री नोरा फतेही गुरुवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुईं। आयोग के समक्ष अभिनेत्री ने अपनी बात रखते हुए न केवल गलती स्वीकार की बल्कि भविष्य के लिए एक बड़ा फैसला भी लिया। नोरा ने राष्ट्रीय महिला आयोग के बाहर मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना या महिलाओं की छवि को गलत तरीके से पेश करना नहीं था। नोरा ने कहा, मैं अपने किए पर माफी मांगती हूं, मेरा उद्देश्य किसी की भी भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। मैं बस एक ऐसी स्थिति में फंस गई थी, जहां चीजें विवादित हो गईं। एक कलाकार होने के नाते मुझे जिम्मेदार होना चाहिए, इसलिए मैं तहे दिल से माफी मांगती हूं।

उन्होंने महिला आयोग के सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि आयोग ने उनकी बात को बहुत ही दयालुता और संवेदनशीलता के साथ सुना। नोरा ने कहा, ₹हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई है, सारी बातें लिखित में पूरी कर ली है। अब हमने फैसला किया है कि हमें समाज के लिए भी कुछ अच्छा करना चाहिए। इसी सोच के साथ हमने कुछ अनाथ लड़कियों की पढ़ाई का खर्च उठाने का निर्णय लिया है। धन्यवाद।

इससे पहले इसी मामले में संजय दत्त भी 27 अप्रैल को महिला आयोग के सामने पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान संजय दत्त ने भी आयोग से माफी मांगी थी और सामाजिक कल्याण तथा महिला सशक्तीकरण की दिशा में कदम उठाते हुए 50 आदिवासी बच्चियों की पढ़ाई का खर्च उठाने का ऐलान किया था।

बता दें कि फिल्म के गाने 'सरके चुनर' के रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोगों की भारी नाराजगी देखने को मिली थी। कई लोगों ने आरोप लगाया था कि इस तरह के गाने अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं, जबकि कुछ लोगों ने कलाकारों की सामाजिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़े किए थे। बढ़ते विवाद को देखते हुए आयोग ने नोरा फतेही को नोटिस भेजा और व्यक्तिगत रूप से मौजूद होकर सफाई देने के लिए कहा था।

प्रियंका चोपड़ा ने खोए लाखों फॉलोअर्स, एक रात में कैसे गिरी पॉपुलैरिटी; जानिए असल वजह

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम ने हाल ही में कई फेक अकाउंट्स पर शिकंजा कसा है। इस प्रक्रिया में कई फेक अकाउंट और बॉट हटाने की कार्यवाही की गई है। इसके चलते हाल ही में प्रियंका चोपड़ा और काइली जेनर जैसे ग्लोबल स्टार्स के भी फॉलोवर्स कम हो गए। जानें किसे कितना पड़ा फर्क?

प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के कुछ दिनों पहले तक इंस्टाग्राम पर 94.5 मिलियन फॉलोअर्स थे। अब इंस्टाग्राम के फेक अकाउंट्स पर की गई कार्यवाही के बाद बीते दो दिनों में उनके करीब 1.1 मिलियन फॉलोअर्स घट गए।

सबरीना कारपेंटर और काइली जेनर को भी बड़ा झटका

इंस्टाग्राम द्वारा किए गए इस पर्ज के चलते सबरीना कारपेंटर ने और काइली जेनर जैसे बड़े सेलेब्स ने भी कई मिलियन फॉलोअर्स खो दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक सबरीना ने करीबन 429 हजार और काइली को लगभग 14 मिलियन फॉलोअर्स का नुकसान उठाना पड़ा। इसके साथ ही टेलर स्विफ्ट के भी 4 मिलियन फॉलोअर्स कम हुए।

कई एक्ट्रेस के हुए फॉलोवर्स कम

सिर्फ प्रियंका और सबरीना ही नहीं कई स्टार्स के फॉलोवर्स कम हो गए। इस लिस्ट में सेलिना गोमेज, शकीरा, माइली सायरस और लेडी गागा जैसी कई फेमस हस्तियों के नाम शामिल हैं। बताते चलें कि इंस्टाग्राम के ऐसा करने से हर साल कई सेलेब्स के अकाउंट्स के वास्तविकता का भी पता चलता है।

रश्मिका मंदाना से क्यों आकर्षित होती हैं कृति सेनन?
साझा किया 'कॉकटेल 2' में काम करने का अनुभव

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली बार कृति सेनन और रश्मिका मंदाना साथ में नजर आएंगी। अक्सर जब दो ए लिस्ट एक्ट्रेस एक ही फिल्म में आती हैं, तो चर्चाएं बटोरती हैं। अब हाल ही में कृति ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है।

रश्मिका बहुत अच्छी हैं

हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में कृति सेनन ने रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि रश्मिका बहुत ही सच्ची, दयालु, प्यारी और मिलनसार हैं। उनमें जरा भी इनसिक्योरिटी नहीं है। बस अच्छाई ही अच्छाई है और मुझे लगता है कि मैं पॉजिटिव एनर्जी से अट्रैक्ट होती हूं। अगर मुझे किसी की ऊर्जा और पॉजिटिविटी महसूस होती है, तो मैं उसकी ओर आकर्षित हो जाती हूं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया, और वह कमाल की हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं।

यह सीक्वल नहीं है

कृति ने 'कॉकटेल 2' और 2012 में आई 'कॉकटेल' के बीच होने वाली तुलना पर भी बात की। एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि यह 'कॉकटेल' का सीधा सीक्वल नहीं है। यह एक अलग कहानी और किरदारों वाली फ्रेंचाइज फिल्म है। तुलनाओं के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि मुझे यकीन है कि तुलना तो होगी ही, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह कोई सीक्वल नहीं है। यह एक फ्रेंचाइज है। इसलिए यह एक अलग ही माहौल वाली फ्रेंचाइज है और इसके किरदार अलग-अलग हैं।

साल 2012 में आई 'कॉकटेल' में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। 'कॉकटेल' अपने संगीत, किरदारों और आधुनिक रिश्तों के ड्रामे के लिए कई साल से एक कल्ट फिल्म बन गई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी और इसे पसंद किया गया था।

19 जून को रिलीज होगी 'कॉकटेल 2'

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। कई लोगों का मानना है कि फिल्म शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव ट्रायंगल पर आधारित होगी। निर्देशक होमी अदजानिया ने भी इन अफवाहों पर मजाकिया प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म का गाना 'जब तलक' भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

'उतरन' से लोगों के दिल में उतर गई थीं टीना दत्ता

टीना ने बाल कलाकार के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की थी. उन्होंने 1997 में आई बंगाली फिल्म 'माता पिता संतान' में काम किया था. इसके बाद उन्होंने 'चोखेर बाली' और 'परिणीता' में भी किरदार निभाया था. एक्ट्रेस के तौर पर छोटे पर्दे पर उन्होंने बांग्ला टीवी से की. उन्होंने 2007 में टीवी शो 'खेला' किया. इसमें उनके काम को काफी पसंद किया गया. टीना की खूबसूरती और एक्टिंग के कारण उन्हें पहचान मिलने लगी और 2009 में उन्होंने हिंदी टीवी शो 'उतरन' में काम करना शुरू किया. इस शो ने टीना को काफी फेम दिलाई और इसके जरिए वे हर दर्शक के दिल में जगह बनाने में कामयाब हुईं.

2015 तक वे इस शो से जुड़ी रहीं और अपनी प्रतिभा से अलग पहचान बनाई. 2010 में ड्राम सीरीज के लिए उन्हें गिल्ड बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला. टीवी की दुनिया में काम करके टीना ने कई अवॉर्ड अपने नाम किए. इसके बाद वे रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में भी नजर आईं.

टीना बीते दिनों टीना वेब सीरीज 'नक्सलबारी' में राजीव खंडेलवाल के साथ नजर आई थीं. इसके लिए उन्हें ओटीटी डेब्यू अवॉर्ड मिला था.

इन दिनों टीना 'बिग बॉस 16' में नजर आ रही हैं. शो में उनकी सुंबुल के साथ तकरार चर्चा का विषय बनी हुई है.

बहरूपिया बने रणदीप हुड्डा को देख चौंके फैंस
'इंस्पेक्टर अविनाश' के हालिया रिलीज ट्रेलर पर जमकर मिले व्यूज

साल 2023 में रणदीप हुड्डा एक सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में नजर आए थे। इस सीरीज का अगला पार्ट 15 मई से जियो हॉटस्टार के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगा। हालिया रिलीज इसके ट्रेलर में कहानी की झलक मिली। इस बार भी सीरीज में अपराध और राजनीति का जबरदस्त खेल देखने को मिलेगा। इंस्पेक्टर अविनाश अपराधियों को पकड़ने के लिए बहरूपिए के तौर पर इस बार सीरीज में नजर आएगा। इस सीरीज के ट्रेलर और रणदीप हुड्डा के लुक को देखकर फैंस चौंक गए हैं। ट्रेलर को जमकर व्यूज मिल रहे हैं।

दो दिन में ट्रेलर को मिले 56 लाख व्यूज

रणदीप हुड्डा की इस सीरीज के ट्रेलर को रिलीज हुए दो दिन हुए हैं। इंस्टाग्राम पर इस ट्रेलर को 50 लाख व्यूज मिल चुके हैं। इसके अलावा यूट्यूब पर इसे 6 लाख व्यूज मिले हैं। फैंस को इस सीरीज का काफी वक्त से इंतजार था। यह सीरीज लगभग तीन साल बाद वापसी कर रही है।

फैंस ने रणदीप हुड्डा के लुक और अंदाज पर दिए

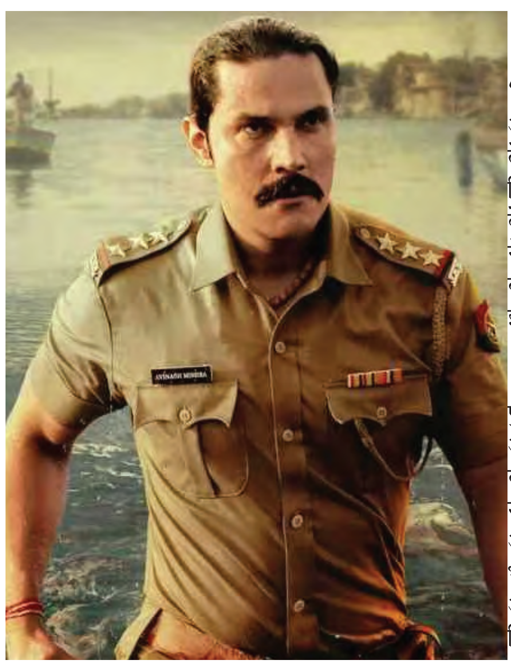

रिएक्शन

फैंस को रणदीप हुड्डा का सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में अंदाज और अभिनय पसंद आया है। कई यूजर्स सीरीज देखने के लिए एक्साइटेड है। एक यूजर ने लिखा, 'तीन साल का इंतजार।' इसी तरह के कई कमेंट्स फैंस ने किए हैं। किसी फैन ने इसे रणदीप हुड्डा की बेस्ट परफॉर्मेंस बताया है। कई फैंस ने सिर्फ हार्ट, फायर इमोजी रणदीप के लिए शेयर किए हैं।

असल कहानी पर आधारित है सीरीज

'इंस्पेक्टर अविनाश' उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा पर आधारित है। राज्य में होने वाले अपराधों से वह और उनकी टीम कैसे निपटे थे, यही सीरीज की भी कहानी है। इस सीरीज में अमित सियाल, अभिमन्यु सिंह, शलीन भनोट और उर्वशी रौतेला जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। यह सभी पहले सीजन का भी हिस्सा था।

मैं हमेशा अपने लिए तैयार होती हूं, किसी को इम्प्रेस करने के लिए नहीं : कृतिका कामरा

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह कलाकारों की पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है। हर इवेंट और फोटोशूट में सितारों का लुक चर्चा का विषय बन जाता है। ऐसे में कई बार यह सवाल भी उठता है कि कलाकार खुद के लिए तैयार होते हैं या फिर पब्लिक इमेज को ध्यान में रखकर। इसी मुद्दे पर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने खुलकर अपनी राय रखी। कृतिका ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने लिए कपड़े पहने हैं और फैशन उनके लिए आत्मविश्वास और खुशी से जुड़ा हुआ है। कृतिका कामरा ने कहा, मुझे बहुत जल्द ही यह समझ आ गई थी कि मुझे सजना-संवरना और फैशन काफी पसंद है। मैं खुद को अच्छा महसूस कराने के लिए तैयार होती हूं। अच्छे कपड़े पहनने और खुद को अच्छे तरीके से प्रेजेंट करने का असर मेरे पूरे दिन पर पड़ता है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है और मैं अपने काम में ज्यादा सकारात्मक महसूस करती हूं।

कृतिका कामरा ने आगे बताया, "मैंने नई दिल्ली के एक डिजाइन स्कूल में फैशन कम्युनिकेशन की पढ़ाई की है। इसी वजह से मैं फैशन की दुनिया को एक अलग नजरिए से देखती हूं। मुझे यह जानने में दिलचस्पी रहती है कि किसी कपड़े को बनाने में कितनी मेहनत लगती है, किसी खास टेक्सटाइल को तैयार करने की प्रक्रिया क्या होती है और डिजाइनिंग के पीछे कितना काम छिपा होता है। जब इंसान किसी चीज की मेहनत को समझता है, तो उसके प्रति सम्मान भी बढ़ जाता है।"

अभिनेत्री ने कहा, "मैं फैशन इंडस्ट्री में चल रहे नए ट्रेंड्स से भी खुद को अपडेट रखती हूं, लेकिन हमेशा से वही पहनती हूं, जिसमें मैं खुद को सहज और आत्मविश्वासी महसूस करती हूं। मैंने कभी किसी को खुश करने या इम्प्रेस करने के लिए कपड़े नहीं पहने। फैशन का असली मतलब वही है, जब इंसान अपने लिए तैयार हो और अपने व्यक्तित्व को खुलकर जी सके।" कृतिका कामरा ने महिलाओं के नजरिए से फैशन को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, "अगर मुझे किसी की तारीफ सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह मेरी महिला दोस्तों या दूसरी महिलाओं की होती है। महिलाएं फैशन को बहुत अलग और बारीकी से देखती हैं। वे छोटे-छोटे डिटेल्स पर ध्यान देती हैं, इसलिए उनकी राय ज्यादा खास लगती है। मुझे महिलाओं से मिलने वाला फीडबैक सबसे ज्यादा पसंद आता है।" उन्होंने कहा, "काम की वजह से मुझे कई बेहतरीन डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स के साथ काम करने का मौका मिलता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इतने प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने का अनुभव मिला। मैं अक्सर डिजाइनर्स और स्टाइलिस्ट्स के काम से प्रेरित होती हूं लेकिन जब मैं अपना लुक तैयार करती हूं, तो उसमें मेरी अपनी पसंद भी शामिल होती है।"

अभिनेत्री ने कहा, "मैं अपनी टीम के साथ मिलकर तय करती हूं कि कौन-सा लुक मुझ पर अच्छा लगेगा और किस तरह मैं खुद को सबसे बेहतर तरीके से पेश कर सकती हूं। मैं फैशन को दिल से एंजॉय करती हूं और शायद यही वजह है कि मेरे फैसले काफी स्वाभाविक होते हैं।"

निया और अंकिता ने बताया कैसे उनकी मां ने संवारा करियर

'मदर्स डे' आने से पहले टेलीविजन इंडस्ट्री की दो मशहूर अभिनेत्रियों, निया शर्मा और अंकिता लोखंडे, ने अपनी माताओं के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। कलर्स टीवी के लोकप्रिय शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' का हिस्सा बनीं इन अभिनेत्रियों ने बताया कि कैसे उनकी माताओं ने उनके करियर और व्यक्तित्व को गढ़ा है। अभिनेत्री निया शर्मा अपने बोल्ड लुक्स और बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। निया ने बताया कि उनका निडर स्वभाव मां की विरासत है। अभिनेत्री कहती हैं, ₹मैंने अपनी मां को जीवन की कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना करते देखा है। उनकी वही हिम्मत आज मेरे आत्मविश्वास की नींव है। निया ने अपनी मां के साथ जुड़ा एक बेहद मजेदार किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि एक ट्रिप के दौरान वे एक 'हॉप-ऑन हॉप-ऑफ' बस में अपनी मां को खो बैठी थीं। निया और उनका परिवार परेशान होकर सबको अलर्ट कर रहा था, लेकिन घंटों बाद उनकी मां बस की छत पर आराम से बैठी शहर के वीडियो बनाती हुई मिलीं। निया कहती हैं, वह अफरा-तफरी को

भी यादगार पल में बदल देती हैं।

दूसरी ओर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने जीवन में 'दो माताओं' के होने को अपनी सबसे बड़ी खुशकिस्मती बताया। अंकिता ने कहा, एक मां ने मुझे जन्म दिया, तो दूसरी मेरी सास ने मुझे अपनी बेटी की तरह अपनाकर एक नया घर और बिना शर्त प्यार दिया।

अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरी दोनों मां मेरे दो स्तंभ हैं। हर दिन, मैं उन दोनों के लिए बहुत ज्यादा शुक्रगुजार महसूस करती हूं। उनकी दुआएं ही मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं और उनकी खुशी ही मेरे लिए मायने रखती है। यह कितना शानदार है कि मुझे अपनी दोनों मां का आशीर्वाद मिला है। 'लाफ्टर शेफ्स' शो मेरे दिल के बहुत करीब है। मेरी ताकत के इन दो स्तंभों को और उन सभी मां को जो अपने बच्चों की परवरिश का शानदार काम कर रही हैं। 'मदर्स डे' की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

राजस्थान 25 दिन रहा मध्यप्रदेश से आया चीता

कूनो से आई टीम ने किया ट्रेंकुलाइज रणथम्भौर से सटे गांवों में थी ज्यादा मूवमेंट

सवाई माधोपुर, 8 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश से राजस्थान में आया एक चीता करीब 25 दिन तक रणथम्भौर टाइगर रिजर्व (सवाईमाधोपुर) में रहा। शुक्रवार को फलोदी रेंज के काला कुआं क्षेत्र में कूनो नेशनल पार्क (मध्यप्रदेश) से आई टीम ने उसे ट्रेंकुलाइज किया। इसके बाद सुबह करीब 9:30 बजे टीम चीते को लेकर मध्यप्रदेश के लिए रवाना हो गई।

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व फर्स्ट के डीएफओ मानस सिंह ने बताया - 14 अप्रैल को पहली बार पालीघाट रेंज के अजीतपुरा गांव में चीता केपी-2 को लोकेट किया गया था। इसके बाद से वह लगातार आसपास के गांवों में घूमता रहा।

चीते ने इस दौरान करीब 175 किलोमीटर का सफर तय किया। पेरीफेरी एरिया (जंगल के आसपास का क्षेत्र) में अजीतपुरा, लहसोड़ा, लक्ष्मीपुरा, भैरूपुरा, जैतपुर, हलौंदा, कुशालीपुरा, जोन नंबर 7, 8 और 9 प्रमुख रूप से शामिल रहे।

इसके अलावा श्याम वाटिका, संग्रामपुरा, नीमली, सीतामाता, कालीभाट, हिंदवाड़, दूमोदा, कैलाशपुरी और मौजीपुरा क्षेत्रों में भी उसका मूवमेंट रिकॉर्ड किया गया। डीएफओ मानस सिंह ने बताया - वन विभाग टीम की विशेष निगरानी में चीते को ट्रेंकुलाइज किया गया।

वेटरनरी डॉक्टर्स ने चीते की स्वास्थ्य जांच की। इसके बाद सुरक्षा इंतजामों के साथ उसे विशेष वाहन से मध्यप्रदेश ले जाया गया। फिलहाल चीते की स्थिति सामान्य है और उस पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

दीवार गिरने से दो की मौत

पलामू, 8 मई (एजेंसियां)। पलामू जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र के पहाड़ गेरुआ गांव में एक पुराने जर्जर मकान की कच्ची दीवार गिरने से मकान मालिक के बेटे और एक मजदूर की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मकान मालिक प्रदीप उर्फ गटीरी बैठा के 20 वर्षीय पुत्र सतीश बैठा और गांव के 60 वर्षीय मजदूर दुखी भुइयां के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, प्रदीप उर्फ गटीरी बैठा के पुराने घर की मरम्मत का काम चल रहा था। तीन-चार मजदूर इस कार्य में लगे थे। बारिश के कारण मिट्टी की दीवार कमजोर हो गई थी। सतीश भी मजदूरों के साथ मरम्मत कार्य में जुटा हुआ था।

दोपहर लगभग एक बजे, काम करते समय मजदूर और मकान मालिक का बेटा दीवार के पास बैठकर पानी पी रहे थे। तभी अचानक दीवार भरभरा कर उन पर गिर गई, जिससे दोनों मलबे के नीचे दब गए। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और परिजनों ने तुरंत मिट्टी का ढेर हटाकर दोनों को बाहर निकाला।

400 स्कूलों में आरटीई से एक भी एडमिशन नहीं

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- क्या गरीब बच्चे पढ़ना नहीं चाहते, एफिडेविट के साथ जवाब मांगा

बिलासपुर, 8 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत पहली कक्षा में एक भी एडमिशन नहीं आने को लेकर हैरानी जताई है। इस मामले में राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि प्रदेश के करीब 400 स्कूलों में एडमिशन के लिए किसी का भी आवेदन नहीं आया है, जिनमें ज्यादातर बड़े स्कूल शामिल हैं।

यह जानकारी सामने आने पर हाईकोर्ट ने हैरानी जताते हुए शासन से पूछा कि क्या गरीब बच्चे बड़े स्कूलों में पढ़ना नहीं चाहते। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि कहीं राज्य सरकार कुछ छिपा तो नहीं रही है। डिवीजन बेंच ने इस मामले में शिक्षा सचिव को 10 जुलाई तक शपथ पत्र के साथ जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, शिक्षा के अधिकार कानून को लेकर हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर गुरुवार (7 मई) को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश शपथ पत्र को देखकर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई।

सरकार ने अपने जवाब में बताया कि राज्य के 387 स्कूलों में एडमिशन के लिए एक भी आवेदन नहीं मिला, जबकि 366 ऐसे स्कूल हैं जहां उपलब्ध सीटों की तुलना में आवेदन काफी कम आए हैं। इनमें प्रदेश के अधिकांश बड़े स्कूल शामिल हैं।

राज्य सरकार का यह जवाब सुनकर हाईकोर्ट ने हैरानी जताई। कोर्ट ने पूछा कि क्या गरीब बच्चे बड़े स्कूलों में पढ़ना ही नहीं चाहते या फिर राज्य सरकार कुछ छिपा रही है। डिवीजन बेंच ने आरटीई के तहत आवंटित सीटों की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही राज्य शासन को शपथ पत्र के जरिए पूरी जानकारी पेश करने को कहा गया है। सरकार को बताना होगा कि किस स्कूल में कितनी सीटें आवंटित की गईं और किन बच्चों का एडमिशन हुआ है।

इस मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने अधिकारियों से पूछा कि प्रवेश प्रक्रिया में लापरवाही क्यों बरती जा रही है। जब नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है, तब गरीब बच्चों का दाखिला आखिर कब होगा।

क्या प्रशासन की लापरवाही से हजारों बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा। बता दें कि आरटीई से जुड़े कई अन्य मामलों की सुनवाई पहले से चल रही है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के शपथ पत्र पर भी नाराजगी जताई, जिसमें बताया गया है कि कई स्कूलों में केवल एक या दो सीटों पर ही एडमिशन की जानकारी दी गई है।

इस पर कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए पूछा कि अगर किसी स्कूल में सिर्फ एक बच्चे का एडमिशन हुआ है, तो क्या वहां कुल चार बच्चे ही पढ़ रहे हैं। जबकि आरटीई के तहत स्कूलों में कुल सीटों के 25 प्रतिशत पर गरीब बच्चों को प्रवेश देना अनिवार्य है।

छत्तीसगढ़ की 35 युवतियां झारखंड में बंधक

कांकेर, 8 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की 35 लड़कियों को झारखंड में बंधक बनाए जाने का मामला सामने आया है। इसमें 15 लड़कियां कांकेर जिले की है। बताया जा रहा है ये सभी नर्सिंग का काम करने गढ़वा गई थीं। वहां पर ट्रेनिंग कर रही थी। लेकिन 1 लड़की ने शिकायत की है कि पैसे नहीं होने पर उसे बंधक बना लिया है।

दुर्गूकोंदल क्षेत्र की रहने वाली एक लड़की ने अपने गांव के एक युवक को मदद का वीडियो बनाकर भेजा है। जिसमें धमतरी जिले के कुरूद की लड़की रोते हुए कहती दिखी कि उसे यहां अच्छा नहीं लग रहा, लेकिन घर जाने के लिए पैसे भी नहीं हैं।

वायरल वीडियो में एक महिला ने कहा कि ये लड़की पैसा नहीं दी है, इसे नहीं जाने देंगे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो कांकेर कलेक्टर ने संज्ञान में लिया और उन्हें वापस लाने की बात कही है।

कांकेर कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर ने बताया कि झारखंड के गढ़वा जिले में कांकेर और अन्य जगह से कुछ लड़कियां नर्सिंग का काम करने गई थीं। वहां पर ट्रेनिंग की सुचना मिली थी। गढ़वा से कल कुछ फोन कॉल मिला जिसमें लड़कियों के बंधक बनाए जाने की शिकायत है। कलेक्टर ने बताया कि कुछ युवतियां बालिग है और वो अपनी इच्छा से काम करने गई है। एक लड़की ने बंधक बनाने की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन गढ़वा जिले के कलेक्टर और एसपी के संपर्क में है। जांच जारी है और सभी लड़कियां कांकेर जिले की नहीं है। जल्द ही मामला क्लीयर हो जाएगा।

मासूम बेटी बोली- ताई ने मां का गला दबाया

पिता बोले- पति के अवैध संबंध थे, पता चलने पर हत्या कर रास्ते से हटाया

झुंझुनूं, 8 मई (एजेंसियां)। चार साल की डरी-सहमी मासूम बहुत कुछ कहना चाहती है, लेकिन बोल नहीं पा रही है।

कई बार पूछने पर कहा- मैं नीचे बैठी थी। अम्मी (मां) को पीटा, दोनों 'बड़ी अम्मी' (ताई) ने अम्मी का गला दबाया था, फोटो भी ली थी।

दरअसल, चूरू के सादुलपुर (राजगढ़) वार्ड नंबर-38 में नाजमीन बानो (26) की 6 मई को संदिग्ध मौत हो गई थी। ससुराल पक्ष के लोग बीमार होने के बाद मौत की बात परिवार को कहते रहे। गले पर निशान मिलने के बाद सुसाइड की बात कही। पीहर पक्ष ने पति के अवैध संबंधों का पता चलने पर हत्या का आरोप लगाया है।

नाजमीन का विवाह 2018 में मोहम्मद हसन के साथ हुआ था। नाजमीन चार बहनों में सबसे छोटी थी और एक छोटा भाई है। पति हसन विदेश में रहकर काम करता था और करीब एक महीने पहले ही घर लौटा था। नाजमीन के एक चार साल की बेटी है।

नाजमीन बानो

पिता मोहम्मद सईद ने बताया - बेटी नाजमीन के पति हसन के अवैध संबंध थे। इसका पता चलने पर करीब 15 दिन पहले पति ने परिवार वालों के साथ मिलकर ससुराल में उसके साथ मारपीट की थी। उसी रात बेटी ने फोन कर कहा था - मुझे यहां नहीं रहना है, घर ले चलो। हालांकि परिवार और आसपास के लोगों के समझाने के बाद वे उसे ससुराल लेने नहीं गए थे।

बीमार होने की सूचना और मौत की जानकारी रास्ते में दी गई

मोहम्मद सईद ने बताया - 7 मई को सुबह करीब 10 बजे ससुराल से फोन आया कि नाजमीन बीमार हो गई है और बेहोश है। जब वे बेटी के ससुराल जा रहे थे, तो रास्ते में दोबारा कॉल कर बताया गया कि नाजमीन की मौत हो गई है।

मोहम्मद सईद के अनुसार ससुराल पक्ष का कहना था कि नाजमीन ने सुबह घर का सारा काम किया था, जिसके बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और मौत हो गई। लेकिन जब परिजनों ने चेहरा ढका हुआ कपड़ा हटाया तो गले पर निशान दिखाई दिए। परिवार का आरोप है कि नाजमीन की 6 मई की रात करीब 2:30 बजे गला घोंटकर हत्या की गई है। साथ ही ससुराल पक्ष द्वारा उसका मोबाइल फोन भी नहीं दिया जा रहा है।

मां सुबिया बानो ने बताया कि सात दिन पहले नाजमीन दवाई लेने के लिए घर आई थी। उस समय बेटी ने कहा था कि "मुझे ऐसे कैसे छोड़ देंगे, मैं ससुराल में ही रहूंगी।" इसके बाद वह वापस ससुराल चली गई थी।

मां ने बताया कि बेटी की मौत की जानकारी फोन पर दी गई थी। घर पहुंचने पर कई बार उन्हें बेटी का चेहरा देखने नहीं दिया गया। तीन बार कोशिश करने के बावजूद उन्हें रोका गया और बाहर कर दिया गया। चौथी बार जब उन्होंने जबरदस्ती चुन्नी हटाई तो नाजमीन के गले पर गहरे निशान दिखाई दिए।

देवेंद्र यादव बोले- जेल जाओगे तो सांसद-विधायक बनोगे

एनएसयूआई ने घेरा सीएम हाउस, कहा- हार के डर से छात्र संघ चुनाव नहीं करा रही सरकार

रायपुर, 8 मई (एजेंसियां)। एनएसयूआई ने छात्र संघ चुनाव की बहाली की मांग को लेकर रायपुर में गुरुवार को सीएम हाउस का घेराव किया। अलग-अलग जिलों से कार्यकर्ता रायपुर पहुंचे थे, महिला थाना चौक के पास बने मंच में सभी इकट्ठे हुए और घेराव के लिए निकले।

आंदोलन को देखते हुए सीएम हाउस के आसपास 4 लेयर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रदर्शनकारी जब बैरिकेडिंग तोड़ आगे बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस बीच झूमाझटकी की स्थिति बनी। आरोप है कि एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने पुलिस वालों पर डंडे फेंके।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एनएसयूआई के छात्र बड़े वोट से चुनाव जीतेंगे, इस डर से सरकार चुनाव नहीं करा रही है। विधायक देवेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि जेल जाओगे तो सांसद-विधायक बनोगे, सरकार से लड़ने के लिए संघर्ष करो। एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा- 2018 में राजस्थान यूनिवर्सिटी का अध्यक्ष बना। उसके बाद राष्ट्रीय महासचिव बना। फिर राजस्थान एनएसयूआई का अध्यक्ष बना और अब राष्ट्रीय अध्यक्ष मुझे बनाया गया। मेरे मां बाप मजदूरी करते हैं। जिनके परिवार के लोग दूर-दूर तक राजनीति में नहीं है, कांग्रेस पार्टी उन्हें भी मौका देती है। राहुल गांधी चाहते हैं आप लोग भी आए और इस सत्ता को चुनौती दें। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने कहा- विनोग जाखड़ जेल गए तो राहुल गांधी ने उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया।

कोडरमा के कारी पहाड़ी में जल संकट

20 साल से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं लोग घर से आधा किलोमीटर दूर मिलता है पानी

कोडरमा, 8 मई (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के मरकच्चो प्रखंड अंतर्गत डगरनवां पंचायत के कारी पहाड़ी और चटनिया दह गांवों में लगभग 100 लोग पिछले 20 वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। इन घने जंगलों के बीच बसे 10 परिवारों को पीने के पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।

ग्रामीण, विशेषकर महिलाएं, हर दिन दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। पानी के लिए, उन्हें घर से करीब आधा किलोमीटर दूर सोती नाला तक चढ़ाई-उतराई वाले रास्तों से गुजरना पड़ता है। वहां पहुंचकर वे पहले गंदे पानी से ही अपने बर्तन साफ करती हैं।

इसके बाद, महिलाएं छोटे गड्ढे (चुआं) खोदकर उसमें जमा हुए पानी को छोटे कटोरे से बड़े बर्तन में डालती हैं। यह पानी काफी गंदा होता है, लेकिन ग्रामीण इसे पीने के लिए, विवश हैं।

गांव की महिला कुफरा मुर्मू ने बताया कि वे 20 साल पहले सिमरकुंडी गांव छोड़कर यहां आकर बसे थे। तब से वे लगातार पानी की समस्या से जूझ रहे हैं और कई बार जिला प्रशासन से इस संबंध में गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला है।

कुफरा मुर्मू के अनुसार, गर्मियों में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाती है। बरसात के दिनों में स्थिति और विकराल हो जाती है, क्योंकि तब चुआं खोदने की जगह भी नहीं बचती। ऐसे में उन्हें नदी के गंदे पानी को छानकर पीना पड़ता है।

इधर गांव की महिला शकुंतला मुर्मू ने बताया कि दूषित पानी पीने से कई बार इस गांव के बच्चे और बड़े लोग बीमार पड़ जाते हैं। इसकी वजह से वे कई प्रकार की बीमारियों से जूझते आ रहे हैं।

घरों में सप्लाई होने वाली पाइप्ड गैस का रेट बढ़ा

कंपनी ने 2 रुपए बढ़ोतरी की, बढ़ी कीमतें आज से होगी लागू

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। जयपुर में घरों पर सप्लाई होने वाली पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आज से महंगी हो गई।

पीएनजी सेवा देने वाली कंपनी टोरेंट गैस लि. ने शुक्रवार से कीमतों में करीब 2 रुपए तक का इजाफा किया है।

जानकारी के मुताबिक अभी तक जयपुर के अलग-अलग एरिया में घरों में सप्लाई होने वाली पीएनजी 49.50 रुपए प्रति स्टेण्डर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) की दर से होती है। जो अब बढ़कर 51.50 रुपए प्रति एससीएम होगी। आपको बता दें कि जयपुर में कालवाड़ रोड, सिरसी रोड, वैशाली नगर, महिन्द्र सेज, मानसरोवर के सेक्टर-8 के करीब 25 हजार से ज्यादा घरों में पीएनजी के कनेक्शन है।

ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद तेल-गैस कंपनियों ने रसोई और नेचुरल गैस की कीमतों में बढ़ोतरी की थी।

पिछले महीने 4 अप्रैल को टोरेंट समेत अन्य कंपनियों ने सीएनजी की दरों में करीब 2.5 रुपए की बढ़ोतरी की थी।

एम्बुलेंस से गांजा तस्करी, 50 लाख का माल जब्त

महासमुंद के रास्ते महाराष्ट्र ले जा रहे थे, आगे चल रही थी पायलेटिंग कार, 5 अरेस्ट

महासमुंद, 8 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में शुक्रवार को पुलिस ने एम्बुलेंस से 77 किलो गांजा जब्त कर 5 इंटर-स्टेट तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने पायलेटिंग कार और 5 मोबाइल भी जब्त किया है। जब्त माल की कुल कीमत 50.45 लाख आंकी गई है।

जानकारी के मुताबिक तस्कर ओडिशा से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र ले जा रहे थे। तस्करी के लिए, महाराष्ट्र पासिंग एंबुलेंस का इस्तेमाल गया था, जिसके आगे कार पायलट वाहन के रूप में चल रही थी। वह भी महाराष्ट्र पासिंग गाड़ी थी।

पकड़े गए सभी तस्कर महाराष्ट्र धाराशिव और सोलापुर के रहने वाले हैं। पुलिस आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर पूछताछ कर रही है, ताकि नेटवर्क से जुड़े लोगों तक पहुंचा जा सके। यह मामला कोमाखाना थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, कोमाखान थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि ओडिशा से महाराष्ट्र की ओर एम्बुलेंस में गांजा ले जाया जा रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने टेमरी जांच नाका पर घेराबंदी की। इस दौरान एम्बुलेंस (MH-13-CU-0707) को रोका गया।

इसके अलावा पुलिस ने पायलटिंग कार (MH-12-NB-5277) को भी रोका। वाहनों की तलाशी और पूछताछ के दौरान एम्बुलेंस से करीब 77 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को मौके से हिरासत में लिया।

जांच में सामने आया कि तस्कर गांजा ओडिशा के बालीगुडा से महाराष्ट्र के सोलापुर ले जा रहे थे। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(B)(II)(C) और 29 के तहत मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया।

आंधी-बारिश में ताजमहल के पत्थर टूटकर गिर रहे

दीवारों में दरारें, रॉयल गेट भी बदहाल, पूर्व इंचार्ज बोले- अब एएसआई ठेकेदारों के भरोसे

आगरा, 8 मई (एजेंसियां)। ताजमहल करीब 373 साल पुराना हो चुका है। दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारतों में शामिल इस स्मारक के रॉयल गेट (शाही दरवाजे) के पत्थर अब दरकने लगे हैं। दरवाजे की दीवारों में कई जगह दरारें आ गई हैं। कुछ पत्थर अपनी जगह से खिसक चुके हैं।

शाही गेट अब आंधी और बारिश भी नहीं झेल पा रहा। पिछले महीने आंधी-बारिश के दौरान दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिर चुके हैं। ये पत्थर मुगलकाल के हैं। इससे पहले भी ताजमहल परिसर के कई हिस्सों में पत्थर और जालियां टूट चुकी हैं। मुख्य मकबरे के पीछे यमुना नदी की तरफ लगी जालीदार रेलिंग भी तेज बारिश और आंधी नहीं झेल पाई। साल 2020 में यह रेलिंग गिर गई थी।

7 अप्रैल 2026: आगरा में तेज आंधी और बारिश हुई। इस दौरान ताजमहल के रॉयल गेट के सफेद और लाल पत्थर निकलकर गिर गए। गनीमत रही कि कोई पर्यटक इसकी चपेट में नहीं आया।

30 अप्रैल 2026: आगरा में हल्की आंधी और बारिश हुई। इसके बावजूद रॉयल गेट के कमजोर हो चुके पत्थर इसे नहीं झेल पाए। सफेद पत्थर के 5 टुकड़े टूटकर नीचे गिर पड़े।

31 मई 2024: ताजमहल के रॉयल गेट का एक पत्थर टूटकर गिर गया था। 20 दिसंबर 2024: ताजमहल के दक्षिणी गेट की दीवार से पत्थर टूटकर गिर गए थे। 29 मई 2020: ताजमहल में संगमरमर और लाल पत्थर की जालियां टूट गई थीं। पश्चिमी गेट की चूल टूटने से गेट टेढ़ा हो गया था। ये घटनाएं सिर्फ उदाहरण भर हैं। ताजमहल के कर्मचारी बताते हैं कि इसके अलावा भी कई बार और पत्थर और जालियां टूटकर गिर चुकी हैं। ताजमहल का रॉयल गेट यानी शाही दरवाजा अब जर्जर हो चुका है। कई जगहों से पत्थर अपनी जगह छोड़ चुके हैं। दीवारों में दरारें दिखाई देने लगी हैं।

पत्थर इतने पुराने हो गए हैं कि वे दीवारों से उखड़कर गिरने लगे हैं। लाल पत्थर से बने रॉयल गेट में नक्काशी के लिए लगाए गए सफेद और काले पत्थर भी निकल रहे हैं। कई जगह पत्थर झड़ने से दीवारों में गैप बन गया है।

रॉयल गेट ताजमहल का मुख्य प्रवेश द्वार है। ताजमहल के पश्चिमी और पूर्वी गेट से प्रवेश करने के बाद पर्यटक फोरकोर्ट में पहुंचते हैं। यहां से इसी शाही दरवाजे के जरिए मुख्य मकबरे तक जाते हैं। पहले दक्षिणी गेट से आने वाले पर्यटक भी इसी दरवाजे के सामने पहुंचते थे। हालांकि, साल 2018 से दक्षिणी गेट बंद है। शाही दरवाजा भी उतना ही पुराना माना जाता है, जितना ताजमहल का मुख्य मकबरा।

गंगा में डूबते 4 भाइयों को गोताखोरों ने बचाया

पिता के अस्थि विसर्जन के लिए दिल्ली से आए थे, सीपीआर देकर बचाई जान

हापुड़, 8 मई (एजेंसियां)। हापुड़ में पिता की अस्थि विसर्जित कर रहे बेटे समेत चार लोग डूबने लगे। युवकों को छटपटाता देख नदी किनारे बैठे नाविकों ने चारों को बाहर निकाला। इतनी देर में ही पिता की अस्थि विसर्जित करने आया बेटा बेहोश हो गया।

पुलिस ने सीपीआर देकर उसे होश में लाया और चारों युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। बाकी के तीन युवक सुरक्षित हैं। सभी युवक दिल्ली के रहने वाले हैं। चारों आपस में चचेरे भाई थे। घटना शुक्रवार दोपहर 12 बजे बृजघाट की है।

अस्थि विसर्जन के दौरान गहरे पानी में गए, दिल्ली के जोहर एन्क्लेव के रहने वाले प्रदीप (30) अपने पिता वर्मा सिंह की अस्थियां विसर्जित करने बृजघाट आए थे। प्रदीप के साथ उसके चाचा का लड़के तनिष्क (18), सुमित (35) और पीयूष (24) भी थे।

करीब 12 बजे चारों ने घाट पर पूजा की। इसके बाद अस्थि विसर्जन के लिए गंगा में उतरे। गंगा में उतरने के बाद अस्थि विसर्जन के स्नान करने लगे। इस दौरान तेज बहाव और गहराई होने की वजह से प्रदीप डूबने लगा। प्रदीप को बचाने की कोशिश में बाकी तीनों भाई भी गहरे पानी में चले गए। तेज बहाव में वो खुद को संभाल नहीं पाए और खुद भी डूबने लगे।

चीख-पुकार सुनकर गोताखोर गंगा में कूदे जब जान पर बन आई तो चारों मदद के लिए चिल्लाने लगे।

चीख-पुकार सुनकर घाट पर मौजूद गोताखोरों ने जब चारों को डूबते हुए देखा तो तुरंत गंगा में छलांग लगा दी। सभी को बारी-बारी से रेस्क्यू कर नाव पर चढ़ाया। इसके बाद उन्हें घाट पर लेकर आए।

सीपीआर देकर प्रदीप की जान बचाई डूबने के दौरान प्रदीप ने ज्यादा पानी पी लिया था, जिसके चलते वह बेहोश हो गया था। गोताखोरों ने प्रदीप के घाट पर मौजूद तख्त पर उल्टा लिटाया और सीपीआर दिया। इसके बाद उसे होश आया। उसे तत्काल सीएचसी गढ़मुक्तेश्वर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया।

कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि सभी लोग अस्थियां विसर्जित करने बृजघाट आए थे। अचानक गहरे पानी में चले गए थे। सभी को सकुशल बचाया गया है। उधर इस घटना के बाद घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने गोताखोरों की सराहना की।

10% टैरिफ पर भी ट्रंप को जोर का झटका, कोर्ट ने कहा- ये गैरकानूनी है

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड को टैरिफ के मामले में एक बार फिर झटका लगा है. अमेरिकी ट्रेड कोर्ट ने ट्रंप की ओर से लगाए गए 10 फीसदी टैरिफ को भी गैरकानूनी बता दिया है. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को असंवैधानिक बताया ही था. हालांकि, कोर्ट ने केवल दो निजी आयातकों और वाशिंगटन राज्य के लिए ही टैरिफ पर रोक लगाई है. एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क में कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के तीन जजों के पैनल ने 2-1 के फैसले में फैसला सुनाया कि छोटे बिजनेस की ओर से लाए गए मुकदमे के बाद 10% टैरिफ गैर-कानूनी थे.

कोर्ट ने कहा कि ट्रंप ने कानून के तहत कांग्रेस की ओर से प्रेसिडेंट को दिए गए अधिकार का उल्लंघन किया है. इसके साथ ही कोर्ट ने टैरिफ को "अमान्य" और "अनऑथराइज्ड" कहा. अभी कोर्ट के फैसले ने सीधे तौर पर वॉशिंगटन राज्य और दो कंपनियों, स्पाइस कंपनी बरलैप और बैरल और खिलौना कंपनी बुनियादी मज़ा से टैरिफ की वसूली रोकने का फैसला सुनाया है. यह विवाद डोनाल्ड ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से फरवरी में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले साल लगभग हर देश पर लगाए गए बड़े डबल-डिजिट टैरिफ को पलटने के बाद लगाए गए टेम्पररी 10% ग्लोबल टैरिफ पर है. फरवरी में लगाए गए नए टैरिफ, 1974 के ट्रेड एक्ट के सेक्शन 122 के तहत लागू किए गए थे और 24 जुलाई को खत्म होने वाले हैं. इसी को लेकर कोर्ट में सुनवाई हुई. हालांकि, कोर्ट ने बाकी 24 इंपोर्टर्स पर टैरिफ न लगाए वाले प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया है. अभी सिर्फ और सिर्फ 3 इंपोर्टर्स को ही इससे छूट मिली है.

अब आगे क्या हो सकता है?

छोटे कारोबारियों की तरफ से केस लड़ने वाले लिबर्टी जस्टिस सेंटर के सीनियर वकील जेफरी श्वाब ने कहा कि आगे की कार्रवाई इस बात पर निर्भर करेगी कि ट्रंप प्रशासन क्या कदम उठाता है और क्या अमेरिकी न्याय विभाग इस फैसले के खिलाफ अपील करता है. वहीं, केस करने वाली कंपनियों में शामिल बेसिक फन इंक. के सीईओ जे फोरमैन ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि छोटे बिज़नेस के लिए इस तरह कानूनी लड़ाई लड़ना बेहद हिम्मत की बात है. फोरमैन के मुताबिक, उनकी कंपनी अब तक विवादित टैरिफ के तहत 1 लाख डॉलर से ज्यादा चुका चुकी है.इससे पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से मनमाने ढंग से लगाई गई टैरिफ दरों को गैरकानूनी बताया था, जिसके बाद ही ट्रंप ने 10 प्रतिशता का टैरिफ प्लान इजाद किया था. सुप्रीम कोर्ट का यह हिस्टोरिक फैसला 6-3 से आया था.

टाटा संस के आईपीओ का करना होगा और इंतजार! ट्रस्ट की मीटिंग हुई पोस्टपोन

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के संभावित आईपीओ को लेकर निवेशकों का इंतजार फिलहाल और लंबा हो सकता है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बीच आज होने वाली अहम बोर्ड बैठक कानूनी और आंतरिक मुद्दों के चलते 16 मई तक टाल दी गई है। इस बैठक में टाटा संस के बोर्ड प्रतिनिधित्व और लिस्टिंग को लेकर ट्रस्टों के रुख पर चर्चा होनी थी। बैठक टलने से आईपीओ को लेकर बाजार में अनिश्चितता और बढ़ गई है। पहले यह बैठक आज यानी 8 मई को प्रस्तावित थी।इससे पहले भी इसकी तारीख में बदलाव किया गया था।

शुरुआत में बैठक 12 मई को तय हुई थी, लेकिन बाद में इसे 8 मई पर शिफ्ट किया गया। लगातार बदलती तारीखों ने टाटा संस की संभावित लिस्टिंग को लेकर चर्चाओं और अटकलों को और तेज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्टों के प्रतिनिधित्व की समीक्षा की जानी थी।साथ ही कुछ नॉमिनी निदेशकों की भूमिका और उनके रुख पर भी चर्चा प्रस्तावित थी। खासतौर पर ट्रस्टों के दो उपाध्यक्ष विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को और संवेदनशील बना दिया है। दोनों नेताओं ने सार्वजनिक रूप से टाटा संस की लिस्टिंग के संभावित फायदों की बात कही थी, जिसे आईपीओ समर्थक रुख माना जा रहा है। हालांकि, टाटा ट्रस्ट्स के भीतर बहुमत अब भी कंपनी को निजी स्वामित्व वाली संस्था बनाए रखने के पक्ष में माना जा रहा है। चेयरमैन नोएल टाटा के नेतृत्व में मौजूदा विचारधारा यह है कि टाटा संस की मौजूदा एकाधिकारवत संरचना को बरकरार रखा जाए।रिपोर्ट के मुताबित, फिलहाल ट्रस्टों के भीतर मतभेद सीमित स्तर पर हैं और आईपीओ को लेकर किसी औपचारिक प्रस्ताव पर विचार नहीं हो रहा है।इसके बावजूद, बैठक का टलना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि टाटा समूह के भीतर लिस्टिंग को लेकर गहन मंथन जारी है। ऐसे में निवेशकों को टाटा संस के आईपीओ के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है।

बैंकिंग शेयरों में बिकवाली से बाजार फिसला

जानिए सेंसेक्स और निफ्टी में कितनी गिरावट

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य तनाव ने वैश्विक स्तर पर निवेशकों की चिंताओं को गहराई से बढ़ा दिया है। इस ताजा तनाव के कारण क्षेत्र में युद्धविराम की उम्मीदें कमजोर हुई हैं, जिसका सीधा असर शुक्रवार को भारतीय इक्विटी बाजार पर देखने को मिला। अनिश्चितता के इस माहौल में निवेशकों द्वारा की गई भारी मुनाफावसूली के चलते घरेलू बाजार दबाव में रहे और दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। प्रमुख शेयर सूचकांक बीएसई (बीएसई) सेंसेक्स 516.33 अंकों (0.66 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 77,328.19 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 150.50 अंक (0.62 प्रतिशत) फिसलकर 24,176.15 के स्तर पर आ गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के हेड ऑफ रिसर्च, विनोद नायर के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ताजा सैन्य कार्रवाई के कारण बाजार में 'रिस्क-ऑफ' (जोखिम से बचने) का माहौल देखा गया है, जिसने मुनाफावसूली को प्रेरित किया। हालांकि, इस दबाव के बीच कुछ सकारात्मक कारक भी हैं। नायर ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर रहने और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के नरम होने से समग्र बाजार भावनाओं और भारतीय रुपये को लगातार समर्थन मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर सतर्कता के माहौल के बीच एशियाई बाजार भी बड़े पैमाने पर गिरावट के साथ बंद हुए। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.35 प्रतिशत गिरकर 62,613 पर, सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स 0.41 प्रतिशत फिसलकर 4,921 पर, हांगकांग का हैंग सेंग 0.92 प्रतिशत टूटकर 26,383 पर और ताइवान का इंडेक्स 0.79 प्रतिशत के नुकसान के साथ 41,603 पर बंद हुआ। प्रमुख एशियाई बाजारों में केवल दक्षिण कोरिया के कोस्पी (केओएसपीआई) इंडेक्स ने सकारात्मक रुख दिखाया, जो 0.11 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 7,498 पर बंद हुआ। विनोद नायर का मानना है कि यद्यपि आगे का रास्ता थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा हो सकता है, लेकिन किसी संभावित कूटनीतिक समाधान को लेकर बाजार में उम्मीदें अभी भी कायम हैं। इस वैश्विक अस्थिरता के बीच भी, निवेशक अनुकूल कॉर्पोरेट आय से उत्पन्न होने वाले अवसरों की तलाश में हैं।

देश में और बढ़ेगी बिजली की मांग

पावर शेयरों में दिख सकता है दम

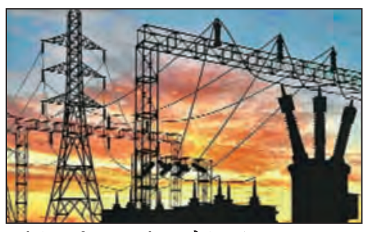

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। अगर आप 2026 में शेयर बाजार की उथल-पुथल से परेशान हैं तो थोड़ा धैर्य रखते हुए बिजली क्षेत्र की ओर नजर डालिए। जहां व्यापक बाजार दबाव में रहा, वहीं पावर शेयरों ने पिछले कुछ हफ्तों में निवेशकों को चौंकाया है। बीएसई पावर इंडेक्स ने पिछले एक महीने में करीब 21 फीसदी की मजबूत रैली दिखाई है। पिछले छह महीने में यह बढ़त करीब 24 फीसदी तक पहुंच गई है। यह तेजी सिर्फ बाजार की चाल नहीं, बल्कि देश की बदलती बिजली जरूरतों और ऊर्जा नीति का संकेत भी है। गर्मी, कम बारिश की आशंका, एसी-कूलिंग की जरूरत, कृषि का भार और औद्योगिक गतिविधियों के कारण बिजली खपत में तेजी बनी रह सकती है। पावर शेयरों की बढ़त के पीछे सबसे बड़ी वजह देश में बिजली की यही खपत है। अप्रैल 2026 में भारत ने 256.1 गीगावॉट की अब तक की सबसे अधिक पावर मांग दर्ज की। इससे पहले मई 2024 में 250 गीगावॉट का रिकॉर्ड बना था। सरकार के मुताबिक, यह मांग बिना किसी कमी के पूरी की गई। बाजार की नजर अब बिजली और न्यूक्लियर वैल्यू चेन वाली कंपनियों पर है। एलएंडटी न्यूक्लियर ईपीसी में अहम भूमिका निभा सकती है। भेल टरबाइन, बॉयलर और महत्वपूर्ण उपकरणों की आपूर्ति से जुड़ी है। एनटीपीसी और एनएचपीसी स्वच्छ ऊर्जा और न्यूक्लियर विस्तार में भूमिका निभा सकती हैं। टाटा पावर, अदाणी एनर्जी, एबीबी इंडिया और सीमेंस जैसी कंपनियां ग्रिड, ऑटोमेशन, ट्रांसमिशन और क्लीन एनर्जी थीम से जुड़ी हैं। बिजली की मांग बढ़ने के पीछे तीन बड़े कारण हैं। पहला, गर्मी और मौसम का असर। तापमान बढ़ने से घरेलू और कृषि क्षेत्र में बिजली खपत तेज होती है। दूसरा भारत में डाटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और विनिर्माण जैसे नए सेक्टर तेजी से मांग को बढ़ा रहे हैं। तीसरा, शहरीकरण और औद्योगिक गतिविधियों में सुधार से बेस डिमांड लगातार ऊपर जा रही है। बाजार विशेषज्ञ वीएलए अंबाला कहती हैं, अगले पांच वर्षों में क्षमता विस्तार, नीतिगत प्रोत्साहन और बिजली की बढ़ती मांग के कारण कच्चा तेल रहित ऊर्जा में मजबूत वृद्धि देखने को मिल सकती है। हालांकि, रिटर्न सभी कंपनियों में समान नहीं रहेगा।

केपीआईटी के को-फाउंडर रवि पंडित का निधन

ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री के आर्किटेक्ट में गिने जाते थे, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन में अहम भूमिका निभाई थी

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। टेक कंपनी केपीआईटी ग्रुप के चेयरमैन और को-फाउंडर रवि पंडित का 72 साल की उम्र में शुक्रवार (8 मई) को निधन हो गया। कंपनी ने एक बयान जारी कर उनके निधन की जानकारी दी।हालांकि मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। रवि पंडित को भारत के ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और मोबिलिटी टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम के शुरुआती आर्किटेक्ट्स में गिना जाता था।रवि पंडित ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक पुणे मुख्यालय वाली कंपनी केपीआईटी का नेतृत्व किया। उनके मार्गदर्शन में केपीआईटी एक घरेलू आईटी सर्विसेज कंपनी से बदलकर ग्लोबल ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और मोबिलिटी इंजीनियरिंग फर्म बनी। आज यह कंपनी अमेरिका, यूरोप और एशिया के वाहन निर्माताओं को अपनी सेवाएं दे रही है।पंडित के नेतृत्व में कंपनी ने सॉफ्टवेयर-डिफाइंड मोबिलिटी, इलेक्ट्रिफिकेशन, ऑटोनॉमस ड्राइविंग और क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी पर फोकस किया। वर्तमान में केपीआईटी का ऑपरेशन दुनिया के 15 देशों में फैला हुआ है।केपीआईटी के अलावा रवि पंडित 'कीर्तने एंड पंडित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स' (केपीसीए) के भी चेयरमैन थे। यह एक प्रोफेशनल सर्विसेज फर्म है, जिसे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने में मदद की। उनके प्रयासों से केपीसीए भारतीय मूल की सबसे बड़ी प्रोफेशनल सर्विसेज फर्मों में से एक बन गई, जिसमें 15 देशों के 1,200 से ज्यादा एक्सपर्ट्स काम करते हैं।

समर वेकेशन पर महंगाई की मार, लेह से लेकर यूरोप तक तेजी से बढ़े हैं फ्लाइट टिकट के दाम

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे यात्रियों को इस बार महंगाई का बड़ा झटका लगा है. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों रूटों पर हवाई किराया 40 से 50 फीसदी तक बढ़ गया है, जिससे विदेश ट्रिप पर जाने वाले लोगों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है. जेट फ्यूल की महंगी कीमतें, एयरस्पेस में रुकावटें और उड़ानों की कम होती क्षमता ने टिकटों को बेहद महंगा बना दिया है. ऐसे में अब लोग यूरोप-अमेरिका की जगह दक्षिण-पूर्व एशिया और घरेलू हिल स्टेशनों का रुख कर रहे हैं. ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली से लेह जाने वाली फ्लाइट का किराया सालाना आधार पर करीब 74 फीसदी बढ़ गया है. वहीं, श्रीनगर और शिमला के टिकट 60 से 68 फीसदी तक महंगे हो चुके हैं. भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच लोग बड़ी संख्या में ठंडी जगहों का रुख कर रहे हैं, जिससे मांग तेजी से बढ़ी है. अंतरराष्ट्रीय रूटों पर भी हालात अलग नहीं हैं. लंदन और पेरिस की उड़ानों का किराया 53 फीसदी तक बढ़ गया है, जबकि सिडनी के लिए टिकट लगभग 38 फीसदी महंगे हो चुके हैं. थाईलैंड और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन भी इस बार यात्रियों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं. इन जगहों के किराए में 40 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है.एयरलाइंस इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इस बढ़ोतरी के पीछे कई बड़े कारण हैं. सबसे अहम वजह जेट फ्यूल की कीमतों में तेज उछाल है. अप्रैल के आखिरी सप्ताह में वैश्विक जेट फ्यूल की कीमत 179 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो फरवरी के मुकाबले करीब 80 फीसदी ज्यादा है. इसके अलावा पश्चिम एशिया में तनाव और एयरस्पेस बंद होने की वजह से कई उड़ानों को लंबे रूट से उड़ान भरनी पड़ रही है, जिससे ईंधन खर्च और ऑपरेशनल लागत दोनों बढ़ गए हैं. उधर, एयरलाइंस की क्षमता में कटौती ने भी किरायों को ऊपर पहुंचा दिया है. वैश्विक एविएशन डेटा कंपनी ओएजी के मुताबिक, इंडिगो ने मई में अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की क्षमता फरवरी के मुकाबले 17 फीसदी घटा दी है. वहीं, एयर इंडिया भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूटों पर रोजाना करीब 100 उड़ानों में कटौती कर सकती है. इसका असर खासतौर पर यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जाने वाले यात्रियों पर पड़ने वाला है.महंगे टिकटों के कारण अब भारतीय यात्रियों का ट्रैवल पैटर्न भी बदलने लगा है. ट्रैवल कंपनियों के मुताबिक, लोग लंबी दूरी की महंगी यात्राओं से बच रहे हैं और अब कम दूरी वाले वीजा-फ्री या बजट फ्रेंडली देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं. थाईलैंड, वियतनाम, श्रीलंका, नेपाल और मलेशिया जैसे देशों की मांग तेजी से बढ़ी है. क्लियरट्रिप के अनुसार, फिलीपींस के लिए बुकिंग तीन गुना तक बढ़ चुकी है.

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक का आया रिजल्ट, 7% लुढ़क गया शेयर

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। देश से सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने आज मार्च तिमाही का रिजल्ट घोषित किया। बैंक का नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकल आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने शुक्रवार को कहा कि फंसे कर्ज में सुधार होने से लाभ में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई।

देश के सबसे बड़े बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 18,643 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक का प्रॉफिट अनुमान से बेहतर रहा लेकिन रिजल्ट आने के बाद बैंक के शेयर 7 फीसदी लुढ़क गए। बैंक के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 17.35 रुपये के लाभांश की घोषणा की है।

बैंक ने कहा कि लाभांश पाने के पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए रिकॉर्ड तिथि 16 मई है, जबकि लाभांश का भुगतान चार जून को किया जाएगा। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 1,40,412 करोड़ रुपये रह गई, जो 2024-25 पहले समान तिमाही में 1,43,876 करोड़ रुपये थी। चौथी तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय बढ़कर 1,23,098 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 1,19,666 करोड़ रुपये थी। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल कर्ज का 1.49 प्रतिशत रह गईं, जो 2024-25 की समान तिमाही के अंत में 1.82 प्रतिशत थीं। इसी तरह, शुद्ध एनपीए घटकर 0.39 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 0.47 प्रतिशत था। चौथी तिमाही में एकीकृत आधार पर एसबीआई का शुद्ध लाभ मामूली बढ़कर 19,643 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 19,600 करोड़ रुपये था। कुल आय बढ़कर 1,81,079 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान अवधि में 1,79,562 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 13 प्रतिशत बढ़कर 80,032 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 70,901 करोड़ रुपये था। बैंक का रिजल्ट अनुमानों से बेहतर रहा। एनालिस्ट्स ने बैंक का प्रॉफिट 18,898 करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया था।

लेकिन बाजार को यह रिजल्ट पसंद नहीं आया। रिजल्ट आने के बाद बैंक का शेयर बीएसई पर 7 फीसदी लुढ़ककर 1,011.30 रुपये पर आ गया। पिछले सत्र में यह 1,091.80 रुपये पर बंद हुआ था। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,234.80 रुपये और न्यूनतम स्तर 755.25 रुपये है।

भारतीय आम का क्रेज; 33प्रतिशत महंगा, फिर भी एडवांस बुकिंग

अल्फांसो, केसर, चौसा और लंगड़ा सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय आमों के प्रति दीवानगी देखी जा रही है। लोग आमों की खेप वाली फ्लाइट्स को ट्रैक कर रहे हैं। अप्रैल में पहली खेप आने से पहले ही सारे प्री-ऑर्डर बिक गए। लोग 10-12 आमों के एक बॉक्स के लिए 5,600 रुपए तक खर्च करने को तैयार हैं। यही बॉक्स पिछले साल करीब 3700- 4200 रु. में मिल जा रहे थे। 33% तक आम महंगे हुए हैं। इसकी बड़ी वजह ईरान युद्ध के बाद तेल के दाम बढ़ना, शिपमेंट महंगा होना है।

एक साल में भारतीय आम के दाम 4,200 से 5,600 रु. प्रति बॉक्स हुए

फ्लाइट्स कम होने से कुछ शिपमेंट लेट या कैंसिल भी हुए, जिससे खर्च और बढ़ा। अमेरिका के ग्रोसरी स्टोर में सालभर मिलने वाले मेक्सिकन आम जहां करीब 945 में मिल जाते हैं, वहीं भारतीय आमों को लोग स्वाद में अलग और ज्यादा मीठा मानते हैं। महाराष्ट्र का अल्फांसो, गुजरात का केसर, उत्तर भारत का चौसा और लंगड़ा, दक्षिण भारत का बंगनपल्ली वहां सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

दशकों तक लगा रहा बैन, 2007 में हटा प्रतिबंध, तब अमेरिका पहुंचा भारतीय स्वाद दुनिया की आधी मैंगो सप्लाई भारत करता है, फिर भी दशकों तक यह अमेरिका में बैन रहा। इसका कारण 'हॉट-वॉटर ट्रीटमेंट' (गर्म पानी से कीड़े मारना) था, जिससे भारतीय आम खराब हो जाते थे। साथ ही दक्षिण अमेरिकी लॉबी का भी दबाव था। बाद में 'गामा रेडिएशन' (किरणों के जरिए कीटाणु मुक्त करना) तकनीक समाधान बनी। साल 2006 में राष्ट्रपति जॉर्ज बुश और पीएम मनमोहन सिंह के बीच समझौते के बाद, 2007 में भारतीय आम आधिकारिक तौर पर अमेरिका पहुंचे।भारतीय आमों के सबसे वफादार ग्राहक अब खुद अमेरिकी नागरिक बन रहे हैं, जबकि भारतीय प्रवासी अक्सर इसकी कीमतों पर नाराजगी जताते हैं। भारी मांग को देखते हुए 'जीजी मैंगो' जैसी कंपनियां 1000 डॉलर (करीब 94 हजार रुपए) में पूरे सीजन का 'मैंगो पास' ऑफर कर रही हैं। अब वॉलमार्ट और कोस्टको जैसे बड़े रिटेलर्स के जरिए भी इसे बेचने की तैयारी है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष	मे	मेष.....	04-27 बजे
चंद्र	मकर	मे	वृष.....	06-12 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन...	08-12 बजे
बुध	मेष	मे	कर्क...	10-25 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह----	12-37 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या---	14-43 बजे
शनि	मीन	मे	तुला----	16-48 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक...	18-59 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु.....	21-13 बजे
			मकर...	23-18 बजे
			कुंभ...	01-08 बजे
			मीन....	02-47 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **05-50**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -35**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष शनिवार **09 May 2026**
तिथि - सप्तमी **14-03** तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - श्रवण **23-24** तक रात्रि उपरान्त धनिष्ठा
योग - शुक्ल **02-35** रात्रि तक उप ब्रह्म
करण - बव **14-03** तक उप बालव

विशेष: श्री विष्णु पुजन विषेश

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 09-00 से 10-36 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05-50 - 07-24	अशुभ	लाभ	18-32 - 20-01	शुभ
शुभ	07-24 - 09-00	शुभ	उत्पात	20-01 - 21-25	अशुभ
रोग।।	09-00 - 10-36	अशुभ	शुभ	21-25 - 22-49	शुभ
उत्पात	10-36 - 12-13	अशुभ	अमृत	22-49_ - 00-13	शुभ
चंचल	12-13 - 13-49	शुभ	चंचल	00-13 - 01-36	शुभ
लाभ	13-49 - 15-25	शुभ	रोग	01-36 - 02-59	अशुभ
अमृत	15-25 - 17-01	शुभ	काल	02-59 - 04-24	अशुभ
काल	17-01 - 18-35	अशुभ	लाभ	04-24 - 05-58	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले,लो, अ,
आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है । इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी ।

वृष — ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें ।

मिथुन — का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है । आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहें हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

मकर — भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आवारा कुत्तों के झुंड ने छीनी मासूम की जिंदगी

> 2 साल की बच्ची को नोंच-नोंचकर मारा

झालावाड़, 8 मई (एजेंसियां)। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। शुक्रवार सुबह बालाजी की छतरी के पास एक दर्दनाक हादसे में दो वर्षीय मासूम बच्ची की आवारा कुत्तों के हमले में मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार मृतक बच्ची की पहचान गौरी के रूप में हुई है।

वह अपने पिता राजूलाल के साथ भाटिया वर्कशॉप के पास लगाए गए अस्थायी टेंट के बाहर सो रही थी। सुबह करीब 6 बजे 7 से 8 आवारा कुत्तों का झुंड वहां पहुंचा और बच्ची को उठाकर करीब 50 मीटर दूर ले गया। पिता ने बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। मृतका के पिता राजूलाल ने बताया कि जैसे ही उन्होंने कुत्तों को बच्ची को उठाकर ले जाते देखा वे तुरंत उनके पीछे दौड़े लेकिन मौके पर पहुंचने तक कुत्ते बच्ची को बुरी तरह घायल कर चुके थे। किसी तरह कुत्तों को भगाकर बच्ची को छुड़ाया और तत्काल एसआरजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

काम की तलाश में आया था परिवार

राजूलाल मूल रूप से बारां जिले के भंवरगढ़ क्षेत्र के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि झालावाड़ उनकी ससुराल है और करीब डेढ़ महीने पहले वे काम की तलाश में यहां आए थे। परिवार भाटिया वर्कशॉप के पास टेंट लगाकर रह रहा था। राजूलाल शादी-विवाह और अन्य आयोजनों में ढोल बजाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

5 दिन पहले ही हुआ है एक बेटी का जन्म

परिजनों के अनुसार गौरी की मां मनीषा ने पांच दिन पहले ही झालावाड़ अस्पताल में एक बेटी को जन्म दिया है। नवजात की हालत गंभीर होने के कारण उसे आईसीयू में रखा गया है, वहीं बड़े ऑपरेशन के चलते मां की तबीयत भी ठीक नहीं बताई जा रही है।

लंबे समय से है आवारा कुत्तों का आतंक

स्थानीय लोगों का कहना है कि पूरे क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक आवारा कुत्ते झुंड बनाकर घूमते रहते हैं। कई बार ये राहगीरों और बच्चों पर हमला करने की कोशिश कर चुके हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद और प्रशासन को कई बार शिकायतें दी गईं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है।

लोगों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों को पकड़ने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। मिली जानकारी के अनुसार बालाजी की छतरी, जवाहर कॉलोनी और आईटीआई रोड क्षेत्र में करीब 10 से 15 परिवार अस्थायी टेंट लगाकर रह रहे हैं। ये परिवार ढोल बजाने और छोटे-मोटे काम करके अपनी आजीविका चलाते हैं। स्थायी मकान नहीं होने के कारण इन्हें सड़क किनारे या खाली जगहों पर टेंट लगाकर रहना पड़ता है।

पुलिस द्वारा आरोपी का सोशल मीडिया ट्रायल असंवैधानिक

हाईकोर्ट ने दिए सख्त निर्देश

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने गिरफ्तार व्यक्तियों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने, सार्वजनिक रूप से बैठाकर उनका सोशल मीडिया ट्रायल करने तथा मीडिया के सामने अपमानजनक ढंग से पेश करने की पुलिस प्रवृत्ति पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि किसी भी आरोपी को अपराधी की तरह प्रस्तुत करना पुलिस के अधिकार क्षेत्र से बाहर है और यह संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। जोधपुर स्थित हाईकोर्ट की एकल पीठ के न्यायाधीश जस्टिस फरजंद अली ने अपने फैसले में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को गरिमा, सम्मान और निजता के साथ जीवन जीने का अधिकार प्राप्त है। गिरफ्तारी के बाद भी किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकार समाप्त नहीं होते और पुलिस को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह आरोपी को सार्वजनिक रूप से अपमानित करे।

डिलीवरी के बाद महिलाओं की किडनी फेल, हालत गंभीर

चारों को डायलिसिस पर लेने की तैयारी, सांस लेने में तकलीफ; जयपुर से पहुंची डॉक्टरों की टीम

कोटा, 8 मई (एजेंसियां)। कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। इनमें से दो की मौत हो गई। बाकी चार को आज डायलिसिस पर लिया जा सकता है।

एक महिला की हालत ज्यादा गंभीर बनी हुई है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ है। बता दें कि महिलाओं की 4 मई को सिजेरियन ऑपरेशन से डिलीवरी हुई थी। इसके बाद सभी की हालत बिगड़ने लगी थी। हॉस्पिटल के एसएसबी ब्लॉक के नेफ्रोलॉजी वार्ड में भर्ती महिलाओं के बेहतर इलाज के लिए जयपुर से चार डॉक्टरों की टीम भी कोटा पहुंच गई हैं। कलेक्टर भी आज सुबह हॉस्पिटल पहुंचे हैं। संभागीय आयुक्त ने हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जांच कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही कारण के बारे में पता लग सकेगा। उसके बाद ही हम जिम्मेदारी तय करेंगे।

चिकित्सा मंत्री हॉस्पिटल का करेंगे निरीक्षण

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर का भी आज कोटा आना प्रस्तावित है। वे हॉस्पिटल का निरीक्षण कर महिलाओं की स्थिति की जानकारी भी लेंगे। वहीं जिला कांग्रेस की तरफ से आज भी हॉस्पिटल का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। सिजेरियन ऑपरेशन से डिलीवरी के बाद चंद्रकला नाम की महिला का भी बीपी लो और यूरिन बंद हो गया था। हालांकि अब महिला की हालत स्थिर है। महिला ने बताया कि ऑपरेशन के समय कुछ नहीं लगा। ऑपरेशन के कुछ देर बाद तेज दर्द और घबराहट होने लगी थी। उसके बाद क्या हुआ कुछ पता नहीं है। यूरिन नहीं आ रहा था। इसके अलावा कुछ पता नहीं कि मेरे साथ क्या हुआ। मुझे होश नहीं था, अभी पेट में दर्द है लेकिन यूरिन आऊटपुट शुरू हो गया है।

धन्नी की हालत गंभीर, ब्लिडिंग हुई थी ज्यादा

आईसीयू में भर्ती धन्नी बाई की हालत अभी भी गंभीर ही बनी हुई है। वह ऑक्सीजन सपोर्ट पर ही है। ऑपरेशन थियेटर से निकलने के बाद वार्ड में लाए जाने पर उनका काफी ब्लड बह गया था लेकिन किसी ने कोई ध्यान ही नहीं दिया। परिजनों ने विरोध के बाद उसे ऑपरेशन थियेटर में लिया गया और फिर से टांके लगाए गए थे। उनकी भी किडनी फेल हो चुकी है। यूरिन में भी परेशानी है। सुशीला और रागिनी के अभी भी यूरिन में परेशानी है। लंबे समय तक यूरिन नहीं निकलने से शरीर में दूसरे संक्रमण का खतरा पैदा कर देता है।

शादी के स्टेज पर लगी आग

वरमाला के वक्त दूल्हा-दुल्हन ने भागकर बचाई जान, कोल्ड फायर बनी काल

जोधपुर, 8 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर में एक शादी समारोह के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वरमाला के ठीक समय स्टेज धू-धू कर जल उठा। पाल रोड स्थित 'एंपायर ग्रीन' (एम्पायर रिसॉर्ट) में हुई इस घटना का एक दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। गनीमत यह रही कि दूल्हा-दुल्हन और वहां मौजूद लोगों ने समय रहते सूझबूझ दिखाई, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना 6 मई की शाम की है। स्टेज पर दूल्हा और दुल्हन वरमाला की रस्म के लिए खड़े थे। इस खूबसूरत पल को और शानदार बनाने के लिए स्टेज के चारों तरफ कोल्ड फायर (क्रैकर) चलाए गए और भारी आतिशबाजी की गई। तभी कोल्ड फायर से निकली चिंगारी स्टेज पर सजावट के लिए लगाए गए आर्टिफिशियल (प्लास्टिक) फूलों और कपड़ों पर जा गिरी। प्लास्टिक के फूलों ने तुरंत आग पकड़ ली और देखते ही देखते चंद सेकंड में पूरा स्टेज आग की लपटों से घिर गया।

जैसे ही स्टेज पर आग भड़की, वहां मौजूद मेहमानों और रिश्तेदारों में चीख-पुकार मच गई। आग की लपटों को अपने करीब आता देख दूल्हा और दुल्हन ने तुरंत स्टेज से नीचे की तरफ भागकर अपनी जान बचाई। अचानक लगी इस आग से मैरिज गार्डन में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, वहां मौजूद लोगों ने तुरंत सूझबूझ दिखाई और अग्निशमन उपकरणों व पानी की मदद से आग पर काबू पाया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक छोटी सी लापरवाही ने शादी की खुशियों को पल भर में खौफ में बदल दिया।

एआई का खतरनाक खेल : बीजेपी लेटरहेड पर बना दिया 30 करोड़ का फर्जी टेंडर, नौकरी पाने के लिए बना जालसाज

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। जयपुर में एआई तकनीक और सोशल मीडिया के दुरुपयोग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस थाना अशोकनगर ने भाजपा पदाधिकारियों के नाम और लेटरहेड का इस्तेमाल कर 30 करोड़ रुपये का फर्जी टेंडर तैयार कर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी को महज 12 घंटे में गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने किसी आर्थिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि एक बड़ी सोशल मीडिया और प्रचार कंपनी में नौकरी पाने के उद्देश्य से यह पूरा फर्जीवाड़ा किया था। आरोपी ने एआई टूल्स, लैपटॉप और इंटरनेट की मदद से भाजपा आईटी सेल और संगठन से जुड़े फर्जी दस्तावेज तैयार किए और उन्हें असली दिखाने की कोशिश की।

डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि भाजपा नेता अजय कुमार विजयवर्गीय की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत में कहा गया था कि भाजपा पदाधिकारियों के नाम, लेटरहेड और संगठनात्मक पहचान का गलत इस्तेमाल कर फर्जी दस्तावेज सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे हैं। एक अन्य फर्जी पत्र में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नाम और पार्टी लेटरहेड का इस्तेमाल किया गया। दस्तावेजों में एसबीआई बैंक खाते की जानकारी भी दी गई थी, जिसे भाजपा का अधिकृत खाता बताया गया, जबकि जांच में यह दावा फर्जी निकला। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत विशेष टीम गठित की। तकनीकी जांच और सोशल मीडिया ट्रैकिंग के जरिए पुलिस आरोपी पुलकित गुप्ता निवासी महेशनगर, जयपुर तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह सोशल मीडिया कैंपेनिंग और डिजिटल प्रमोशन से जुड़ी कंपनी में नौकरी चाहता था। इसी वजह से उसने अपनी "क्रिएटिव क्षमता" दिखाने के लिए एआई की मदद से फर्जी टेंडर डॉक्यूमेंट तैयार कर वायरल किए। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन और लैपटॉप जब्त कर लिए हैं। मामले में यह भी जांच की जा रही है कि क्या आरोपी ने पहले भी इसी तरह के फर्जी डिजिटल दस्तावेज तैयार किए थे या नहीं।

आरोपी कांग्रेस के नाम पर भी कर चुका है फर्जी टेंडर तैयार। जानकारी के अनुसार यह आरोपी इससे पहले इसी तरह की ठगी का वारदात कांग्रेस के नाम पर टेंडर बनाकर भी कर चुका है। एसबीआई बैंक के जिस जिस खाते का इस व्यक्ति ने हवाला दिया था वह इसकी मां के नाम पर था। एक चौंकाने वाली जानकारी यह भी सामने आई है कि यह आरोपी इस सरकार में हुए राइजिंग राजस्थान इंवेंट में भी सरकार के सोशल मीडिया कैंपेन में काम कर चुका है।

जयपुर में चिकित्सा हड़ताल का मिला-जुला असर

बड़े अस्पतालों में बंदी का दावा, लेकिन कई जगह सामान्य रहा कामकाज

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के निजी चिकित्सा जगत में गुरुवार रात से घोषित 'अनिश्चितकालीन हड़ताल' का असर शुक्रवार को मिला-जुला देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर कुछ चिकित्सा संगठनों ने इमरजेंसी तक बंद रखने का कड़ा रुख अपनाया है, वहीं धरातल पर कई अस्पतालों में मरीजों को राहत मिलती दिखी। अपडेट यह है कि शहर के कई निजी अस्पतालों में हड़ताल का व्यापक असर नहीं दिखाई दिया। वहां मरीज आते रहे और डॉक्टरों ने भी सहजता से उनका इलाज जारी रखा।

आक्रोश और 'टोटल शटडाउन' का आह्वान

आरजीएचएस योजना को लेकर चल रहे पुराने विवाद के बीच डॉ. सोनदेव बंसल के परिजनों के साथ हाईकोर्ट परिसर में हुई कथित बदसलूकी ने चिकित्सा समुदाय को आक्रोशित कर दिया। इसके विरोध में 'प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन' ने गुरुवार रात 8 बजे से ओपीडी, आईपीडी और यहां तक कि इमरजेंसी सेवाएं भी ठप करने का ऐलान किया था। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. विजय कपूर का कहना है कि डॉक्टरों के परिवारों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा।

हड़ताल के आह्वान के बावजूद, शुक्रवार सुबह जयपुर के कई इलाकों से ऐसी खबरें आईं कि छोटे और मध्यम श्रेणी के नर्सिंग होम्स में कामकाज सामान्य रहा। कई निजी अस्पतालों के द्वार खुले मिले और वहां नियमित रूप से ओपीडी संचालित होती दिखी। मरीजों का कहना है कि उन्हें इलाज मिलने में विशेष परेशानी नहीं हुई। डॉक्टरों का एक वर्ग ऐसा भी है जो मानता है कि विरोध के बीच मरीजों की सेवा सर्वोपरि है, इसलिए उन्होंने अस्पताल बंद नहीं किए।

दिल दहलाने वाली घटना : दौसा में पानी पीने उठे 14 साल के बच्चे की हार्ट अटैक से मौत

दोपहर में जाना था शादी के बाद पहली बार बहन को लेने

दौसा/महवा, 8 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले के महवा उपखंड से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां के ग्राम समलेटी में शुक्रवार सुबह महज 14 साल के एक बच्चे की अचानक हार्ट अटैक (सडन कार्डियक डेथ) से मौत हो गई। इस घटना ने पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है, क्योंकि दोपहर बाद जिस लाडले को अपनी नवविवाहित बड़ी बहन को पहली बार उसके ससुराल से लेने जाना था, सुबह 11 बजे उसी की अर्थी उठानी पड़ी।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, समलेटी निवासी अशोक बैरवा का 14 वर्षीय पुत्र कार्तिक बैरवा शुक्रवार सुबह करीब 8.30 बजे अपने बिस्तर से पानी पीने के लिए उठा था। पानी पीते ही वह अचानक अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। बदहवास परिजन उसे तुरंत महवा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की डॉक्टर माधुरी शर्मा ने बताया कि प्राथमिक तौर पर बच्चे की मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। चिकित्सा विज्ञान में इसे सडन कार्डियक डेथ कहा जाता है, जिसमें मरीज को संभलने का मौका भी नहीं मिलता और मौके पर ही मौत हो जाती है। डॉक्टर ने बताया कि मौत के सटीक कारणों का पता पोस्टमॉर्टम से ही चल सकता था, लेकिन परिजन बिना पोस्टमॉर्टम करवाए ही बच्चे का शव अपने साथ घर ले गए। कार्तिक गांव के ही सरकारी स्कूल में कक्षा 8वीं का छात्र था। अभी कुछ दिन पहले ही उसके घर में शहनाइयां गूंजी थीं।

करोड़ों का आईपीएल-क्रिकेट सट्टा पकड़ा

कपड़ा फैक्ट्री की तीसरी मंजिल बना रखा था अड्डा, दबिश देकर 6 सटोरियों को किया गिरफ्तार

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर गुरुवार रात करोड़ों रुपए का सट्टा पकड़ा है। मालपुरा गेट इलाके में स्थित एक कपड़ा फैक्ट्री में बुकी ने क्रिकेट सट्टे का अवैध कारोबार डाल रखा था। पुलिस टीम ने दबिश देकर फैक्ट्री ऑनर सहित 6 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में सट्टा डिवाइस, गाड़ी व करोड़ों रुपए के हिसाब के रजिस्टर जब्त किए हैं। स्पेशल कमिश्नर ओमप्रकाश की ओर आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टे के अवैध कारोबार को लेकर कार्रवाई की गई।

जाजोद गांव में ग्रामीणों के बीच पहुंचे सीएम

> गांवों से पलायन रोकना सरकार का लक्ष्य

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीकर जिले के जाजोद गांव में रात्रि चौपाल के बाद शुक्रवार सुबह गांव की गलियों में घूमकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। सुबह-सुबह मुख्यमंत्री को अपने बीच देखकर ग्रामीण उत्साहित नजर आए। उन्होंने बुजुर्गों, महिलाओं, किसानों, पशुपालकों, युवाओं और फल-सब्जी विक्रेताओं से बातचीत कर राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लिया तथा उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री ने गांव स्थित श्री गोपीनाथजी मंदिर और शिव मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भ्रमण के दौरान उन्होंने बच्चों से पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर डिजिटल ट्रांजेक्शन को भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि गांव का जीवन प्रकृति, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक है। अब समय आ गया है कि शहरों की ओर पलायन की परंपरा बदले और गांव आत्मनिर्भर विकास के मजबूत केंद्र बनें।

मुख्यमंत्री ने किसानों से स्थानीय फसलों और पारंपरिक खेती पद्धतियों की जानकारी ली तथा उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक खेती और नवाचारों से किसान अधिक उत्पादन और बेहतर आय प्राप्त कर सकते हैं। राज्य सरकार किसानों और ग्रामीणों की अपेक्षाओं को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ पूरा करने के लिए कार्य कर रही है। ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण पर विशेष जोर दिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई मांगों पर मौके पर ही निर्णय लिए। एक वीरांगना की भावनात्मक अपील पर उनके पुत्र को भीलवाड़ा से सीकर-झुंझुनू दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ, पलसाना में निरीक्षक पद पर प्रतिनियुक्ति देने के आदेश जारी किए गए। मुख्यमंत्री ने यमुना जल समझौते को किसानों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे भविष्य में जल संकट के समाधान और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार को मजबूती मिलेगी।

20 वर्षीय युवक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता, परिजनों को सता रही अनहोनी की आशंका

ओसियां/जोधपुर, 8 मई (एजेंसियां)। जोधपुर जिले के ओसियां थाना क्षेत्र से एक 20 वर्षीय युवक के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। युवक पिछले कई दिनों से घर नहीं लौटा है, जिससे परिवार में चिंता और अनहोनी का माहौल बना हुआ है। परिजनों ने ओसियां पुलिस थाने में युवक की गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार, चेराई स्थित मीनो की ढाणी निवासी सुरताराम मेघवाल ने बताया कि उनका 20 वर्षीय पुत्र नेनाराम मेघवाल गत 2 मई 2026 की सुबह करीब 11 बजे घर से निकला था। उसने परिजनों को बताया था कि वह किसी काम से जोधपुर जा रहा है, लेकिन शाम ढलने के बाद भी वह वापस नहीं लौटा।

परिजनों ने बताया कि नेनाराम के लापता होने के बाद से ही उसके मोबाइल नंबरों पर लगातार संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। मामले में अजीब मोड़ तब आया जब परिजनों ने देखा कि सामान्य कॉल न लगने के बावजूद, युवक के वाट्सऐप पर मैसेज भेजने पर डबल टिक आ रहे हैं। फोन स्विच ऑफ होने और वाट्सऐप एक्टिव होने की इस पहेली ने परिजनों की चिंता को और अधिक बढ़ा दिया है। उन्होंने अपने स्तर पर सभी रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन नेनाराम का कहीं कोई सुराग नहीं लग पाया। सुरताराम मेघवाल ने पुलिस को स्पष्ट किया कि घर से निकलते समय नेनाराम बिल्कुल सामान्य था और परिवार में किसी तरह का कोई विवाद या परेशानी नहीं थी। वह बिना किसी तनाव के जोधपुर जाने की बात कहकर घर से निकला था। युवक के रहस्यमय तरीके से गायब होने के बाद से पूरा परिवार गहरे सदमे और चिंता में है। परिजनों ने ओसियां पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए युवक की जल्द से जल्द तलाश की जाए और उसे सुरक्षित बरामद किया जाए।

लखपति दीदी' के लिए लोन की सीमा बढ़ी

महिलाओं के लिए सरस डेयरी वाला जानें क्या है प्लान

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की महिलाओं के लिए खुशियों वाली खबर आई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने 'लखपति दीदी' योजना को नया विस्तार देते हुए न केवल आर्थिक मदद का दायरा बढ़ाया है, बल्कि महिलाओं को सीधे बाजार से जोड़ने के लिए सरस डेयरी के साथ एक क्रांतिकारी साझेदारी भी की है। अब गांव की महिलाएं सिर्फ दूध का उत्पादन ही नहीं करेंगी, बल्कि कलेक्ट्रेट से लेकर कैंटीन तक बिजनेस संभालती नजर आएंगी।

लोन की सीमा बढ़ी, ब्याज का बोझ घटा

मुख्यमंत्री ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सबसे बड़ी बाधा यानी 'पूंजी' की समस्या को खत्म कर दिया है। सरकार ने लखपति दीदी योजना के तहत मिलने वाली ऋण की सीमा को बढ़ाकर अब 1.5 लाख रुपये कर दिया है। राहत की बात केवल इतनी नहीं है, इस कर्ज पर लगने वाले ब्याज को भी घटाकर मात्र 1.5 प्रतिशत कर दिया गया है। यह कदम उन महिलाओं के लिए संजीवनी साबित होगा जो अपना छोटा उद्योग, सिलाई यूनिट या डेयरी आधारित काम शुरू करना चाहती हैं।

आईपीएस अधिकारी की पत्नी की हत्या से मची सनसनी

डीजीपी सीवी आनंद ने घटनास्थल का जायजा लिया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रशासन नगर स्थित अपने आवास पर सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी विनय रंजन राय की पत्नी सुनंदा राय की निर्मम हत्या ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद घटनास्थल पर पहुंचे और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जांच की समीक्षा की। खैराबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने भी मृतक के आवास का दौरा किया। इतिहास में, गोरखाओं ने घरेलू नौकरों, सुरक्षा गार्डों और चौकीदारों के रूप में अत्यंत भरोसेमंद व्यक्तियों के रूप में ख्याति अर्जित की है। परिणामस्वरूप, उनमें से बड़ी संख्या में लोगों को दक्षिणी राज्यों, विशेष रूप से हैदराबाद में रोजगार मिला है। हालांकि, पिछले पांच-छह वर्षों में उनके व्यवहार में एक चिंताजनक बदलाव देखा गया है। अब वे घरेलू नौकरों के वेश में घरों में घुसपैठ कर रहे हैं और फिर उन्हीं घरों को लूट रहे हैं जहां उन्हें काम दिया गया है। मौका मिलते ही लूटपाट करना और अपने रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति की हत्या करना एक आम बात हो गई है। पुलिस ने हत्या की गहन जांच शुरू कर दी है और घरेलू कामगारों और घर से जुड़े सुरक्षा कर्मचारियों की भूमिका सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। इस घटना ने निजी घरों में काम करने वाली घरेलू सहायिकाओं के सत्यापन को लेकर निवासियों के बीच चिंता पैदा कर दी है। अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरे शहर में घरेलू कामगारों के लिए पृष्ठभूमि सत्यापन तंत्र और निगरानी प्रणालियों को मजबूत करें। हैदराबाद में नेपाली समुदाय के सदस्यों ने चिंता व्यक्त की कि छिटपुट आपराधिक घटनाओं के कारण पूरे समुदाय को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए या उन्हें कलंकित नहीं किया जाना चाहिए, जिनमें से कई लोग दशकों से शहर में रहते और काम करते आ रहे हैं और उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहें न फैलाएं और राष्ट्रीयता के आधार पर कोई धारणा न बनाएं। पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और सबूतों के आधार पर ही कार्रवाई की जाएगी।

विधायक शिविर कार्यालय पर हमले के विरोध में बीआरएस का प्रदर्शन

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर विधायक के शिविर कार्यालय पर कथित हमले के विरोध में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को पूर्व करीमनगर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन और रास्ता रोको आंदोलन किया। वेमुलावाड़ा, मेडिपल्ली, गंगाधरा सहित कई स्थानों पर धरना-प्रदर्शन आयोजित किए गए। प्रदर्शन के दौरान बीआरएस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार तथा मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को विधायक शिविर कार्यालय और हुज़ूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी पर हमला करने के लिए उकसाया। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है और कांग्रेस तथा भाजपा मिलकर बीआरएस नेताओं को निशाना बना रही हैं।

मानवता की सेवा करना ही जीवन का परम उद्देश्य होना चाहिए : शुक्ल

विश्व रेड क्रॉस दिवस और विश्व थैलेसीमिया दिवस मना

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि मानवता की सेवा को जीवन का परम उद्देश्य माना जाना चाहिए और "दूसरों की सेवा करने से ही मानव जीवन को सच्चा अर्थ मिलता है।" भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, तेलंगाना शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को लोक भवन स्थित संस्कृति सामुदायिक हॉल में विश्व रेड क्रॉस दिवस और विश्व थैलेसीमिया दिवस मनाया गया। राज्यपाल ने रेड क्रॉस आंदोलन के संस्थापक हेनरी डुनेंट के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया और रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को पोषण किट भी वितरित किए और उनके हालचाल पूछे। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष का विषय, "मानवता में एकता," समाज को उन लोगों के साथ एकजुटता दिखाने की जिम्मेदारी की याद दिलाता है जो पीड़ित हैं और जरूरतमंद हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी 1920 से समर्पित मानवीय सेवा प्रदान कर रही है और तेलंगाना के सभी 33 जिलों में हजारों सदस्य रक्तदान अभियान, स्वास्थ्य शिविर, आपदा राहत और जनसेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। राज्यपाल ने थैलेसीमिया से जूझ रहे बच्चों के साहस और दृढ़ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि नियमित रक्त आधान की आवश्यकता होने के बावजूद, उनका आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने ऐसे बच्चों के माता-पिता और परिवार के सदस्यों की भी प्रशंसा करते हुए उन्हें इस संघर्ष में गुमनाम नायक बताया।

उन्होंने कहा कि सीएसआर साझेदारों द्वारा दिए गए सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत हुई है, रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ी है और मानवीय राहत कार्यों को बल मिला है। राज्यपाल ने गांवों से शहरों तक सेवा भावना फैलाने में रेड क्रॉस स्वयंसेवकों और जिला अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए राज्यपाल ने लोगों से सेवा को केवल एक कर्तव्य नहीं बल्कि जीवन के सर्वोच्च मूल्यों में से एक मानने का आह्वान किया। उन्होंने राज्य भर के नागरिकों से रक्तदान और स्वैच्छिक सेवा गतिविधियों में भाग लेने की अपील की। उन्होंने सभी से एकता, दया और सेवा के माध्यम से अधिक दयालु और मजबूत समाज के निर्माण की दिशा में काम करने का आग्रह किया। देश में टीबी के मामलों की उच्च दर का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "टीबी मुक्त भारत" का आह्वान किया था।

साइबराबाद पुलिस और बैंकरों ने साइबर अपराध पर लगाम कसने के लिए हाथ मिलाया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबरबाद पुलिस ने साइबर अपराध के मामलों में प्रतिक्रिया तंत्र को बेहतर बनाने के लिए कमिश्नरेट के सभी बैंकों के साथ एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की, जिसमें म्यूली खातों, फ्रीज-डीफ्रीज प्रक्रियाओं, रिफंड और डिजिटल धोखाधड़ी की जांच पर ध्यान केंद्रित किया गया। साइबरबाद सीपी कार्यालय सभागार में बैठक को संबोधित करते हुए, पुलिस आयुक्त एम. रमेश ने साइबर अपराध को सबसे गंभीर उभरते खतरों में से एक बताया और खुलासा किया कि साइबरबाद में साइबर धोखाधड़ी से होने वाला नुकसान 2025 में 438 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि 2026 में अब तक 104 करोड़ की रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है। आयुक्त ने कहा कि लोग फर्जी निवेश योजनाओं, ऑनलाइन घोटालों, क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी, प्री-लॉन्च ऑफर और कॉल सेंटर घोटालों का शिकार हो रहे हैं और अक्सर अपनी जीवन भर की बचत खो रहे हैं। उन्होंने मजबूत निवारक प्रणालियों, बैंकिंग डेटा की बेहतर सुरक्षा और बैंकों तथा पुलिस एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. रमेश ने बैंकों से आग्रह किया कि वे धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित संचार और शीघ्र कार्रवाई के लिए समर्पित साइबर प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ स्थापित करें। उन्होंने नागरिकों से निवेश प्रस्तावों की सावधानीपूर्वक जांच करने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने की भी अपील की। साइबर अपराध विभाग के डीसीपी टी. साई मनोहर ने जांच के दौरान आने वाली परिचालन संबंधी चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिनमें बैंकों से खाता विवरण, केवाईसी दस्तावेज और खाता फ्रीज की पुष्टि प्राप्त करने में देरी शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साइबर अपराध नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए अवैध खातों पर नियंत्रण अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने बताया कि एक बार खाता फ्रीज हो जाने के बाद, किसी भी प्रकार का डेबिट लेनदेन अनुमत नहीं होना चाहिए और लेनदेन के किसी भी प्रयास की सूचना तुरंत जांचकर्ताओं को दी जानी चाहिए। फ्रीज और डीफ्रीज प्रक्रियाओं को लागू करने में होने वाली देरी पर भी चर्चा की गई। साई श्री ने एनसीआरबी के साइबर अपराध के रुझानों के बारे में विस्तार से बताया और संदिग्ध लेन-देन की पहचान करने और एकाधिक रोक आदेशों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए बेहतर समन्वय का आह्वान किया। बैंकों को अद्यतन नोडल अधिकारी विवरण और प्रशिक्षित सहायक कर्मचारियों के साथ समर्पित साइबर अपराध प्रतिक्रिया डेस्क बनाने की सलाह दी गई। कुतबुल्लापुर के डीसीपी कोटि रेड्डी, क्राइम डीसीपी ए. मुथ्यम रेड्डी, साइबर क्राइम डीसीपी टी. साई मनोहर और सीएसबी एसपी साई श्री ने एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और कोटक महिंद्रा बैंक सहित प्रमुख बैंकों के अधिकारियों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

सीएम का सभी संयुक्त जिलों में अल्पसंख्यक डिग्री कॉलेजों की स्थापना का निर्देश

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने संयुक्त जिलों के मुख्य क्षेत्रों में अल्पसंख्यक छात्रों के लिए विशेष डिग्री कॉलेजों की स्थापना का निर्देश दिया है, और इन संस्थानों में कौशल विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रशिक्षण को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षण में पारंपरिक अकादमिक पाठ्यक्रमों के बजाय व्यावहारिक कौशल पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जो छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाते हैं।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार शाम को सचिवालय में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक की। उन्होंने अल्पसंख्यक छात्रों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने की सिफारिश की, जो वर्तमान में बीसी, एससी और एसटी श्रेणियों के उच्च उपलब्धि वाले छात्रों के लिए उपलब्ध हैं, और इस पहल के लिए एक समर्पित कार्यक्रम बनाने का आह्वान किया। इसके अलावा, उन्होंने ग्रुप-1, ग्रुप-2 और ग्रुप-3 सेवाओं के लिए चयनित लोगों में से इच्छुक उम्मीदवारों की पहचान करने का आदेश दिया और निर्देश दिया कि उन्हें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के भीतर भूमिकाएं दी जाएं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे इससे जुड़े सभी कार्यक्रमों को अच्छी तरह से समझ सकें। रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि समूह सेवाओं के लिए चयनित व्यक्तियों और एथलीटों को छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए, ताकि उन्हें शिक्षा और खेल के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इमामों और मौज़मों को देय मानदेय नियमित रूप से जारी किया जाए। उन्होंने अल्पसंख्यक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को शामिल करने को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया और उल्लेख किया कि जहां भी भूमि उपलब्ध होगी, उसे कब्रिस्तान के लिए आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा, रेवंत रेड्डी ने ऑटो-रिक्शा चालकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की योजना की घोषणा की, जिसके तहत उनके डीजल और पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित किया जाएगा, जिससे उनके ईंधन खर्च में प्रभावी रूप से कमी आएगी।

मूसी जीर्णोद्धार परियोजना के अंतर्गत, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एक मस्जिद, एक गिरजाघर, एक गुरुद्वारा और एक मंदिर के निर्माण का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि इन इमारतों को इस प्रकार डिजाइन किया जाना चाहिए कि वे संबंधित धर्मों से जुड़ी विभिन्न संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करें, साथ ही भारत की विविधता और तेलंगाना की "गंगा-जमुना तहज़ीब" (मिश्रित संस्कृति) को भी प्रतिबिंबित करें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये स्थान हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानने के महत्वपूर्ण केंद्र बनेंगे।

बाइक और बैलगाड़ी की टक्कर में दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के वीनावंका मंडल में गुरुवार रात हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, जम्मीकुंटा निवासी मैसा सुरेंद्र, मरापल्ली देवेंद्र और मैसा श्रीवास्तव एक रिश्तेदार के समारोह में शामिल होने के लिए चल्लर गांव गए थे। समारोह से लौटते समय उनकी बाइक विपरीत दिशा से आ रही एक बैलगाड़ी से टकरा गई। हादसे में सुरेंद्र (48) की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि देवेंद्र (50) ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बताया गया है कि सुरेंद्र गोदावरीखानी टीजीएसआरटीसी डिपो में परिचालक के पद पर कार्यरत थे। घटना में घायल बैलगाड़ी मालिक श्रीनिवास रेड्डी और श्रीवास्तव का जम्मीकुंटा के एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएमसी प्रमुख ने नगर नियोजन कार्यों की समीक्षा की

पारदर्शिता और समय पर क्रियान्वयन की मांग की

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद नगर निगम (सीएमसी) की आयुक्त जी. श्रीजना ने शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय में नगर नियोजन संबंधी पहलों की व्यापक समीक्षा की। समीक्षा का मुख्य उद्देश्य समयसीमा को कम करना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और सभी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में सुधार करना था। बैठक में मुख्य नगर योजनाकार (सीसीपी), तीनों क्षेत्रों के नगर योजनाकार (सीपी) और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने आवेदनों की स्थिति, प्रवर्तन गतिविधियों और अनसुलझे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। आयुक्त ने निर्देश दिया कि आवेदनों पर शीघ्रता से कार्रवाई की जाए, जिसमें भवन निर्माण की अनुमतियां, अधिभोग प्रमाण पत्र, हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) और लेआउट नियमितीकरण योजना (एलआरएस) के मामले शामिल हैं। उन्होंने लंबित अदालती मामलों, जैसे रिट याचिकाओं (डब्ल्यूपी) और अवमानना मामलों (सीसी) के निपटारे की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही समय पर जवाब दाखिल करने और अतिक्रमण हटाने के लिए सक्रिय उपायों पर भी बल दिया, विशेष रूप से सड़क के किनारों और सार्वजनिक भूमि से। इसके अतिरिक्त, आयुक्त ने शिकायत निवारण, भूमि अधिग्रहण और सड़क चौड़ीकरण के प्रयासों में प्रगति का आग्रह किया, और बाधाओं को दूर करने और प्राथमिकता वाली परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को जर्जर और असुरक्षित इमारतों की बारीकी से निगरानी करने का निर्देश दिया, यह सुनिश्चित करते हुए कि जमीनी निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाइयों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाए। अधिकारियों को सभी लंबित आवेदनों और मामलों के निपटान में तेजी लाने, निर्धारित समयसीमा और सेवा मानकों का पालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे त्वरित निर्णय लेने और अदालती मामलों के समय पर निपटान को सुनिश्चित करने के लिए नगर नियोजन, इंजीनियरिंग और कानूनी विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करें। आयुक्त ने शहरी अवसंरचना और सेवा वितरण में सुधार के लिए समय पर अनुमोदन, प्रभावी प्रवर्तन और सक्रिय निगरानी को आवश्यक बताया और अधिकारियों को जमीनी स्तर पर मापने योग्य परिणाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

धान और मक्का की खरीद के संकट पर विशेष बैठक बुलाने का आग्रह

सीपीआई ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से की मांग

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई विधायक कुनामनेनी सांबासिवा राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से तेलंगाना भर में धान और मक्का की खरीद से संबंधित बढ़ती समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनाज खरीद में तेजी लाने और तकनीकी कारणों या गुणवत्ता मानकों के बहाने किसी भी प्रकार की देरी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष समीक्षा बैठक बुलाने का भी अनुरोध किया। सीपीआई के राज्य सचिव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को लिखे एक खुले पत्र में आरोप लगाया कि चावल मिलों में अनाज से लदे ट्रकों को उतारने में देरी, परिवहन वाहनों और बोरियों की कमी और गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण उपज की अस्वीकृति ने बाजार यार्डों और खरीद केंद्रों पर खरीद कार्यों को बुरी तरह से धीमा कर दिया है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी फसल के साथ कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि बेमौसम बारिश ने कई स्थानों पर अनाज के भंडार को नुकसान पहुंचाया है। कुछ क्षेत्रों में बाढ़ के कारण धान के ढेर बह गए, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। कुनामनेनी ने मक्का खरीद संकट की गंभीर स्थिति पर भी प्रकाश डाला और कहा कि कई मंडी यार्डों में खरीद कार्य लगभग ठप्प हो गया है। उन्होंने राज्य सरकार से एक विशेष समीक्षा बैठक बुलाने और किसानों की परेशानी को और बढ़ने से रोकने के लिए युद्धस्तर पर खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया।

बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से फसलों को भारी नुकसान

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। कई खरीद केंद्रों पर रखा धान बारिश के पानी में भीग गया, जबकि तेज हवाओं के कारण आम के बागों को भी क्षति पहुंची है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चावल मिलों में भेजने के लिए तैयार रखा गया धान तथा गंगाधरा, रामादुगु और अन्य मंडलों में तौल के लिए रखी गई फसल बारिश के कारण भीग गई।

इससे किसानों को आर्थिक नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। वहीं हाल के दिनों में हुई बेमौसम बारिश से पेद्दापल्ली और जगतियाल जिलों में आम की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ों से कच्चे आम गिर गए, जिससे बागान मालिकों की चिंता बढ़ गई है। किसानों ने सरकार से फसल नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

तेलंगाना में बारिश से गर्मी से राहत, 10 मई से फिर लौट सकती है लू

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछले 24 घंटों के दौरान गरज के साथ हुई वर्षा के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली है। हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अनुमान जताया है कि 10 मई, रविवार से राज्य में पुनः शुष्क लू की स्थिति लौट सकती है।

आईएमडी हैदराबाद के अनुसार, गुरुवार सुबह 8:30 बजे से शुक्रवार सुबह 8:30 बजे के बीच हैदराबाद का अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री कम रहा। वहीं, शहर में औसत आर्द्रता 47 से 50 प्रतिशत के बीच रहने से उमस बढ़ी और लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

राजधानी हैदराबाद में तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जबकि तेलंगाना के उत्तरी एवं पूर्वी जिलों में गर्मी का प्रभाव बना रहा। आईएमडी के अनुसार, भद्राचलम में राज्य का सर्वाधिक तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खम्मम में भी तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस रहा। उत्तरी तेलंगाना में आदिलाबाद का तापमान 39.8 डिग्री तथा निजामाबाद का तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, गरज के साथ हुई वर्षा के कारण वायुमंडल में नमी का स्तर काफी बढ़ गया है। हैदराबाद में सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 66 प्रतिशत तक पहुंच गई, जिससे तापमान कम होने के बावजूद उमस बनी रही। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार से अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है। रविवार, 10 मई तक राज्य के कई जिलों में शुष्क लू की स्थिति पुनः बनने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करने पर भी विचार कर रहा है। पूर्वानुमान के अनुसार आदिलाबाद, निर्मल और निजामाबाद में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। जगतियाल, कामारेड्डी और मेदक में भी तापमान में वृद्धि दर्ज की जा सकती है। संगारेड्डी, करीमनगर और सिद्दिपेट में शुष्क मौसम के साथ गर्मी बढ़ने के संकेत हैं। वहीं नागरकर्नूल और वानापर्थी में भी रविवार तक तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि हैदराबाद, संगारेड्डी, विकाराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरि जिलों में रविवार तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने की संभावना व्यक्त की गई है।

मानव तस्करी के मामलों का खुलासा करने में तेलंगाना आगे, दोषसिद्धि दर बेहद कम

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, मानव तस्करी के मामलों का भंडाफोड़ करने में तेलंगाना देश में शीर्ष स्थान पर है। हालांकि, इन मामलों में दोषसिद्धि की दर अत्यंत कम होने से चिंता बढ़ गई है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में तेलंगाना पुलिस ने मानव तस्करी के 423 मामले दर्ज किए। इसके बाद महाराष्ट्र में 337 तथा आंध्र प्रदेश में 159 मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, तेलंगाना पुलिस ने वर्ष 2024 में मानव तस्करी विरोधी अभियानों के दौरान 812 लोगों को बचाया। यह संख्या देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में सर्वाधिक रही।

बचाई गई महिलाओं में भारत के विभिन्न राज्यों की 756 महिलाएं, छह बांग्लादेशी महिलाएं, एक नेपाली महिला तथा दक्षिण अफ्रीका सहित अन्य देशों की 27 महिलाएं शामिल थीं। आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 770 महिलाओं को जबरन देह व्यापार के लिए तस्करी कर लाया गया था। प्रत्येक बचाव अभियान के बाद स्थानीय पुलिस थानों में मामले दर्ज किए गए तथा आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

पुलिस ने 423 मामलों में गिरफ्तार किए गए 1,010 आरोपितों के विरुद्ध आरोपपत्र भी दाखिल किए हैं। हालांकि अदालतों में पहुंचे मामलों में केवल दो आरोपितों को दोषी ठहराया गया, जबकि 108 आरोपित बरी हो गए। एनसीआरबी के अनुसार, मानव तस्करी के मामलों में दोषसिद्धि दर मात्र 1.9 प्रतिशत रही। विशेषज्ञों का मानना है कि दोषसिद्धि की कम दर संगठित मानव तस्करी गिरोहों को अपनी गतिविधियां जारी रखने का अवसर दे रही है। साथ ही, अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम तथा बाल अपहरण के मामलों में गिरफ्तार गिरोह संचालकों के विरुद्ध नियमित निगरानी के लिए 'रॉडी शीट' खोलने की मांग भी उठ रही है।

गजनीपुरा स्थित श्रीराम गौशाला मे नवयुवक मंडल के तत्वावधान में आयोजित एक शाम गौमाता के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए डॉ.ओम मुंडेल। अवसर पर गौसेवार्थ दान-दाताओं सम्मानित अतिथियों का सम्मानकर भजनों व प्रसादी का लाभ लेते हुए अध्यक्ष ताराराम (मोहन) चौधरी, सचिव अशोक नायक, कोषाध्यक्ष ढलाराम चौधरी, सलाहकार सोहनलाल देवड़ा, सहसचिव घीसाराम चौधरी, पदाधिकारी, सदस्यगण व 36 कोम समाज बन्धु।

एसीबी के छापे से मिरयालागुडा नगर पालिका में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने नालगोंडा जिले के मिरयालगुडा नगरपालिका के नगर आयुक्त के कार्यालय में अचानक छापेमारी की और बड़े पैमाने पर अनियमितताओं, खराब रिकॉर्ड रखरखाव, राजस्व रिसाव और प्रक्रियात्मक खामियों का पर्दाफाश किया। भ्रष्टाचार संबंधी गतिविधियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, एसीबी नालगोंडा रेंज के डीएसपी ने अपनी टीम के साथ 7 मई को निरीक्षण किया और रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन, लंबित आवेदनों और नगर निकाय के कामकाज की गहन जांच की। एसीबी ने पाया कि 2025-26 के दौरान 24.86 करोड़ रुपये के कर निर्धारण के मुकाबले नगरपालिका ने केवल 9.17 करोड़ रुपये ही वसूल किए, जिससे 15.68 करोड़ रुपये का बकाया रह गया। अधिकारियों ने इस कम वसूली को सरकारी राजस्व के लिए एक बड़ा नुकसान बताया। वाणिज्यिक कर संग्रह में अधिकारियों को गंभीर कमियां मिलीं। 2025-26 में 1,756 दुकानों में से 14.95 लाख रुपये का बकाया अदा नहीं किया गया, जबकि 2026-27 में 1,783 दुकानों से बकाया बढ़कर 21.17 लाख रुपये हो गया। ब्यूरो ने सार्वजनिक सेवाओं में बड़े पैमाने पर लंबित मामलों का भी पता लगाया। लगभग 116 जन्म आवेदन और एक मृत्यु आवेदन निर्धारित सात-दिवसीय प्रसंस्करण अवधि से अधिक समय तक लंबित रहे, जबकि 1,820 चेयुता पेंशन आवेदन लंबित रहे। नगर नियोजन अनुभाग में, नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अनधिकृत निर्माणों से संबंधित 54 शिकायतें बिना किसी कार्रवाई के लंबित थीं। भवन निर्माण अनुमति से प्राप्त राजस्व भी 2024-25 में 3.29 करोड़ रुपये से घटकर 2025-26 में 3.05 करोड़ रुपये हो गया।

पूर्व तट रेलवे

(1) नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-PnU-00062
लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-CHE-Toi-79-26-2 (Pay and Use - Toilets)
कार्य का नाम : श्रीकाकुलम रोड रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज़ शौचालयों का संचालन और रखरखाव।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 16.05.2026 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 16.05.2026 को 1130 बजे।

(2) नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-PnU-00063
लॉट नं./वर्ग: PnU-WAT-CPP-Toi-81-26-1 (Pay and Use - Toilets)
कार्य का नाम : चिपुरुपल्लि रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज़ शौचालयों का संचालन और रखरखाव।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 22.05.2026 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 22.05.2026 को 1130 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-134/R/26-27

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई भारतीय टी-20 और वनडे टीम के लिए चाहता है एक कप्तान?

शुभमन नहीं, श्रेयस अय्यर है पहली पसंद

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। भारतीय टीम में आईपीएल 2026 के बाद बड़े बदलाव के आसार हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की नजर टी20 लीग के बाद भारतीय टी20 और वनडे टीम के लिए एक ही कप्तान नियुक्त करने पर है।

फिलहाल भारतीय टेस्ट और वनडे टीम की कमान शुभमन गिल संभाल रहे हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव टी20 कप्तान हैं। हालांकि, बोर्ड चाहता है कि व्हाइट बॉल फॉर्मेट में भारत का एक कप्तान हो और रेड बॉल का अलग। ऐसा भी हो सकता है कि शुभमन गिल को तीनों प्रारूप की कप्तानी सौंपी जाए। हालांकि, कप्तानी के लिए बीसीसीआई की पहली पसंद कोई और है।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन का इनाम!

दरअसल, बीसीसीआई के सूत्रों ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा है कि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति आईपीएल में लगातार शानदार प्रदर्शन के इनाम के तौर पर श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में वापसी कराने की तैयारी में है। सूर्यकुमार यादव के खराब फॉर्म से जूझने के बीच अय्यर को टीम की कप्तानी सौंपी जा सकती है। इसके अलावा, बोर्ड की इच्छा है कि वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में एक ही कप्तान हो, ऐसे में अय्यर को ही दोनों फॉर्मेट की कप्तानी की जिम्मेदारी भी दी जा सकती है।

भारतीय टी20 टीम में होंगे बदलाव

सूत्र ने बताया कि अगले सीजन की तैयारी के लिए भारत की टी20 टीम में बदलाव देखने को मिलेंगे। बोर्ड श्रेयस अय्यर के हालिया व्हाइट-बॉल प्रदर्शन से प्रभावित है और उन्हें नेतृत्व की भूमिका के लिए सबसे ऊपर रखा गया है। सूत्र ने कहा, 'जब नई टी20 टीम घोषित होगी तो कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। हम ऐसे खिलाड़ी पर विचार कर रहे हैं जो टी20 और वनडे दोनों टीमों की कप्तानी संभाले। फिलहाल हमारा फोकस दोनों प्रारूपों पर है। बीसीसीआई युवा प्रतिभाओं को मौका देना चाहता है, साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों को भी अवसर देना चाहता है। श्रेयस ने पिछले कुछ वर्षों में बेहद शानदार प्रदर्शन किया है, उनकी चोटें दुर्भाग्यपूर्ण रही हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'इस साल उन्होंने अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी की काफी साहस और समर्पण के साथ कप्तानी की है। हां, वह व्हाइट-बॉल कप्तानी के सबसे बड़े दावेदार हैं। सूर्यकुमार यादव हमारे वर्ल्ड कप विजेता कप्तान रहे हैं और उनके योगदान का सम्मान भी किया जाएगा।' वहीं, बीसीसीआई सूर्यकुमार की फॉर्म में वापसी नहीं हो पा रही है और बीसीसीआई इससे परेशान भी है। हालांकि, यह ध्यान रखने वाली बात है कि रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भारत की कप्तानी संभालने के बाद से सूर्यकुमार यादव अब तक एक भी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज नहीं हारे हैं। दूसरी ओर, श्रेयस अय्यर ने दो साल से ज्यादा समय से कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनका पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला दिसंबर 2023 में था।

क्या बीसीसीआई सूर्यकुमार और गिल से आगे बढ़ रहा है?

भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 जिताने के बाद सूर्यकुमार यादव ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में टीम की कप्तानी करने का लक्ष्य रखा था। वहीं, शुभमन गिल को पिछले साल रोहित शर्मा की जगह भारत की वनडे टीम का कप्तान बनाया गया था। अगले साल होने वाले 50 ओवर विश्व कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम का फोकस वनडे क्रिकेट पर शिफ्ट हो चुका है। ऐसे में शुरुआत में गिल को लंबे समय के लिए कप्तानी का समाधान माना जा रहा था। हालांकि अब ऐसा लगता है कि शीर्ष अधिकारी नेतृत्व की भूमिका में श्रेयस अय्यर को परखना चाहते हैं।

आईपीएल 2026 ने बदली टी20 की परिभाषा

अब 200+ का लक्ष्य भी सुरक्षित नहीं! स्कोर बोर्ड पर महज सजावट बन रहे हैं रन!

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का सीजन बल्लेबाजों के नाम रहा है। इस बार 200+ स्कोर बनाना आम बात हो गई है, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने बड़े लक्ष्य भी अब सुरक्षित नहीं रहे। पहले जहां 200 रन बनते ही टीम आधी जीत मान लेती थी, वहीं अब विरोधी टीम उसे आसानी से हासिल कर रही है। पावरप्ले की आक्रामक बल्लेबाजी, गहराई तक फैली बैटिंग लाइनअप और निडर सोच ने आईपीएल 2026 को रिकॉर्डतोड़ बना दिया है।

48 मैचों में 39 बार बने 200+ स्कोर

आईपीएल 2026 के शुरुआती 48 मुकाबलों में टीमों ने 39 बार 200 या उससे ज्यादा स्कोर बनाया है। यह पिछले सीजन के इसी चरण से 12 ज्यादा है। आईपीेल 2025 भी हाई-स्कोरिंग सीजन माना गया था, लेकिन 2026 ने उसे भी पीछे छोड़ दिया। इससे साफ है कि अब बल्लेबाज शुरुआत से ही हमला कर रहे हैं और गेंदबाजों के पास वापसी का मौका कम मिल रहा है। हम आपको जो आंकड़े ग्राफिक्स में बता रहे हैं, वो इस सीजन के 48वें मैच (दिल्ली vs चेन्नई मैच) तक के ही हैं।

200+ लक्ष्य अब आसानी से हो रहे चेज

सबसे बड़ा बदलाव रन चेज में दिखा है। इस सीजन 200 या उससे ज्यादा लक्ष्य का पीछा करते हुए टीमों ने 23 मैच खेले, जिसमें 12 बार जीत मिली और 11 बार हार। यानी 200+ स्कोर अब जीत की गारंटी नहीं रहा। पिछले सीजन यही रिकॉर्ड चार जीत और 13 हार का था। पूरे आईपीएल 2025 में भी सिर्फ नौ बार 200+ लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज हुए थे।

220+ स्कोर भी नहीं बचा पा रहे टीमों को

पहले 220 रन बनाना लगभग मैच खत्म करने जैसा माना जाता था, लेकिन आईपीएल 2026 में यह आंकड़ा भी सुरक्षित नहीं है। इस सीजन 220+ स्कोर वाले 13 मुकाबलों में दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम आठ बार जीत चुकी है। तुलना करें तो आईपीएल 2025 में 220+ लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों का रिकॉर्ड सिर्फ दो जीत और 13 हार था।

पावरप्ले ने बदल दिया पूरा खेल

बड़े रन चेज की सबसे बड़ी वजह पावरप्ले में विस्फोटक बल्लेबाजी रही है। ईएसपीएन क्रिकइनफो के आंकड़ों के मुताबिक, 200+ लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों का इस सीजन पहले छह ओवर में रनरेट 11.78 रहा है। जो 12 सफल रन चेज हुए, उनमें पावरप्ले रनरेट 13.81 तक पहुंच गया। यानी शुरुआत में ही मैच का दबाव खत्म कर दिया गया। औसतन टीमें सिर्फ छह ओवर में लक्ष्य का 37 प्रतिशत से ज्यादा रन बना रही हैं।

हार्दिक की मुंबई इंडियंस में वापसी

आरसीबी मैच से पहले रायपुर पहुंचे कप्तान पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेले थे

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या चोट के बाद रायपुर पहुंच गए हैं। वे रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अहम मुकाबले के लिए टीम से जुड़ गए हैं।

हार्दिक सोमवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में नहीं खेले थे। उनकी गैरमौजूदगी में सूर्य कुमार ने टीम की कप्तानी संभाली थी। सूर्या भी बच्चे के जन्म की वजह से मुंबई में हैं और रायपुर नहीं पहुंचे हैं।

मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर हार्दिक की फोटो शेयर कर उनके रायपुर पहुंचने की जानकारी दी। हार्दिक पंड्या को पिछले हफ्ते अचानक पीठ में खिंचाव की समस्या हुई थी। इसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें आराम की सलाह दी थी। हालांकि, चोट गंभीर नहीं थी। एहतियात के तौर पर उन्हें लखनऊ के खिलाफ मैच से बाहर रखा गया था, ताकि वे बाकी मैचों के लिए फिट रह सकें। अब वे पूरी तरह रिकवर हो चुके हैं। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस का ट्रेनिंग सेशन होगा। उम्मीद है कि हार्दिक इसमें शामिल होकर नेट्स पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास करेंगे। रविवार के मैच से पहले उनकी फिटनेस परखने के लिए यह सेशन अहम माना जा रहा है।

पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर मुंबई

इस सीजन में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 में से केवल 3 मैच जीते हैं, जबकि 7 में हार मिली है। मुंबई फिलहाल पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर है। प्लेऑफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए टीम को बाकी सभी मैच जीतने होंगे। मुंबई इंडियंस के लिए अब स्थिति 'करो या मरो' की हो गई है। टीम एक भी मैच हारती है, तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। ऐसे में हार्दिक पंड्या की वापसी जरूरी है, क्योंकि वे गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में अहम योगदान देते हैं।

इटैलियन ओपन : लियोलिया को शिकस्त देकर पाओलिनी ने बनाई तीसरे राउंड में जगह

रोम, 8 मई (एजेंसियां)। मौजूदा चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी ने इटैलियन ओपन के अपने पहले मुकाबले में कड़ी चुनौती का सामना करते हुए क्वालीफायर लियोलिया जीनजीन को 6-7(4), 6-2, 6-4 से मात देकर तीसरे दौर में जगह बना ली है। यह रोमांचक मुकाबला 2 घंटे 55 मिनट तक चला। 9वीं वरीयता प्राप्त इटली की स्टार खिलाड़ी ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने निराशाजनक प्रदर्शन किया।

उन्होंने मैच के दौरान 54 विनर्स लगाए, लेकिन साथ ही 57 अनफोर्स्ड एरर्स भी किए। पूरे मुकाबले में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिससे दर्शक कभी उनके खेल से उत्साहित नजर आए तो कभी निराश, क्योंकि वे अपनी शीर्ष रैंकिंग वाली घरेलू खिलाड़ी को तीसरे दौर में पहुंचते देखने की उम्मीद लगाए बैठे थे।

पाओलिनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं थोड़ी घबराई हुई थी। बहुत सारे उतार-चढ़ाव आए। उन्होंने बहुत बढ़िया मैच खेला। यह एक कठिन मुकाबला था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं डटी रही और पहले कठिन सेट के बाद वापसी करने में सफल रही। पाओलिनी ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बनाने की कई बार कोशिश करते हुए पहले सेट में जीनजीन की सर्विस तीन बार तोड़ी और 5-3 के स्कोर पर सेट जीतने के लिए खुद भी सर्विस की। हालांकि, फ्रांसीसी क्वालीफायर ने हर बार तुरंत पलटवार किया और मौजूदा चैंपियन को अपनी लय बनाने का कोई मौका नहीं दिया।

पाओलिनी ने अपने तीखे बैकहैंड विनर्स और नेट पर बेहतरीन टच का इस्तेमाल किया, लेकिन साथ ही कुछ गलतियां भी कीं। टाईब्रेक में अपनी लय बरकरार न रख पाना उनके लिए भारी पड़ा, जब जीनजीन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए वह सेट अपने नाम कर लिया। उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन के बावजूद, पाओलिनी का जुझारूपन अंततः निर्णायक साबित हुआ। मैच में कई लंबे और 'मल्टी-ड्यूस' मुकाबले देखने को मिले, जिनमें इटैलियन खिलाड़ी ने सभी अहम मौकों पर बाजी मारी।

दूसरे सेट में बढ़त बनाने के बाद, उन्होंने निर्णायक सेट में 4-3 के स्कोर पर एक अहम सफलता हासिल की। यह सफलता जीनजीन की सर्विस पर खेले गए एक थका देने वाले 'सेवन-ड्यूस' गेम के बाद मिली। तीसरे राउंड में पाओलिनी का मुकाबला 21वीं सीड वाली एलीज मर्टेंस से होगा।

प्रिंस ने कोहली को जीरो पर बोल्ड किया

स्पोर्ट्स डेस्क, 8 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में खेले गए मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 9 रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में मिचेल मार्श ने लखनऊ के लिए सबसे तेज शतक जड़ा। वहीं, युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने विराट कोहली को शून्य पर बोल्ड कर झटका दिया।

रोनाल्डो का सऊदी प्रो लीग में 'शतक'

1000 गोल से बस 29 गोल दूर है यह पुर्तगाली फुटबॉलर

रियाद, 8 मई (एजेंसियां)। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया, जिससे अल-नस्र ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले सादियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नासर की तरफ से तीन गोल किए।

इस जीत से अल-नस्र के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नस्र से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नस्र से जुड़े थे, लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है।

क्रिकेटर्स से मिल रहे संदिग्ध लोग? नियमों को लेकर बीसीसीआई सख्त

आईपीएल फ्रेंचाइजियों को हनीट्रैप को लेकर किया आगाह

पुरानी तस्वीर (सांकेतिक)

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। आईपीएल की भ्रष्टाचार रोधी और सुरक्षा इकाई (एसीएसयू) ने मौजूदा सत्र के दौरान टीम डगआउट, बसों, होटलों और खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के क्षेत्र में में बिना इजाजत लोगों की मौजूदगी पर चिंता जताई है जिसके बाद बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी के लिए अपने मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) को और सख्त कर दिया है। अनजान लोगों के प्रतिबंधित स्थानों पर मौजूद रहने की वजह से स्पॉट फिक्सिंग का खतरा भी बढ़ गया है।

एसीएसयू ने बीसीसीआई को एक रिपोर्ट सौंपी

आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने इस बात की पुष्टि की कि एसीएसयू ने इस मामले पर बीसीसीआई को एक रिपोर्ट सौंपी है। भ्रष्टाचार रोधी इकाई द्वारा बताई गई कमियों पर रोशनी डालते हुए धूमल ने कहा कि बोर्ड इस मामले को गंभीरता से ले रहा है। धूमल ने बताया, 'एसीएसयू ने कुछ कमियों की ओर इशारा किया है और एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें बताया गया है कि आईपीएल मैचों के दौरान डगआउट, टीम बस और टीम होटल में बिना इजाजत लोग देखे गए हैं।' यह संकेत देते हुए कि जल्द ही और भी सख्त नियम लागू किए जाएंगे, धूमल ने कहा कि फ्रेंचाइजियों को पहले से तय नियमों का पालन करने की याद दिलाई जाएगी।

धूमल ने फ्रेंचाइजियों को याद दिलाए नियम

धूमल ने आगे कहा, 'खिलाड़ियों और अधिकारियों के क्षेत्र के तहत कुछ नियम हैं जिनका पालन करना जरूरी है और बीसीसीआई फ्रेंचाइज़ियों से कहेगा कि वे मानक प्रक्रिया का ध्यान रखें, ताकि टूर्नामेंट की गरिमा बनी रहे।' कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजियों के सीईओ की बैठक भी बुलाई गई है।

2013 में स्पॉट फिक्सिंग के चपेट में आया था आईपीएल

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने भी कहा, 'टीम बस में अनधिकृत लोग यात्रा कर रहे हैं। टीम होटलों में अनधिकृत लोग मौजूद हैं और डगआउट क्षेत्र में भी कुछ अनधिकृत लोग देखे गए हैं।

कुछ लोग ऐसी जगहों पर नजर आए हैं, जहां उन्हें नहीं होना चाहिए था।' आईपीएल 2013 में स्पॉट फिक्सिंग घोटाले की चपेट में आ गया था, जिसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स को लीग से दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। बोर्ड उम्मीद कर रहा है कि निकट भविष्य में ऐसी किसी भी तरह की विवादित स्थिति से बचा जा सके। बोर्ड सचिव ने गुरुवार शाम फ्रेंचाइजियों को सात पन्नों की गाइडलाइन भी जारी की। इसमें हनी ट्रैप जैसी गतिविधियां का भी खतरा जताया है। बीसीसीआई ने कहा कि अनजान लोगों के टीम होटल और डगआउट में मौजूद होने से ऐसी घटनाओं की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजी प्रबंधन को हर समय सतर्क और सक्रिय रहने के लिए कहा है, ताकि ऐसे जोखिमों को रोका जा सके।

वाग्स नियमों की खामियों का फायदा उठा रहे खिलाड़ी?

समझा जाता है कि एसीएसयू अधिकारियों ने ने बीसीसीआई को सौंपी अपनी रिपोर्ट में खास तौर पर कुछ युवा खिलाड़ियों पर ध्यान दिया है, जो कथित तौर पर वाग्स (पत्नी और गर्लफ्रेंड) श्रेणी के तहत नियमों की खामियों का फायदा उठा रहे हैं। एक फ्रेंचाइजी सूत्र ने आरोप लगाया कि कई बार अज्ञात महिलाओं को प्रतिबंधित टीम क्षेत्रों और यात्रा व्यवस्थाओं तक पहुंच दी गई। सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा, 'पत्नी समस्या नहीं हैं, लेकिन कुछ अमीर युवा आईपीएल खिलाड़ी अपने कमरों में अज्ञात महिलाओं को बुला रहे हैं और यह बात एसीएसयू अधिकारियों की नजर से नहीं बची है।'

यूरोपा लीग : एस्टन विला ने फाइनल में बनाई जगह

बर्मिंघम, 8 मई (एजेंसियां)। जॉन मैकगिन और एमिलियानो बुएंडिया के शानदार प्रदर्शन की बदौलत एस्टन विला ने यूईएफए यूरोपा लीग 2026 के फाइनल में जगह बना ली। सेमीफाइनल के दूसरे लेग में विला ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 4-0 से हराया और 4-1 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई।

एस्टन विला का सामना 20 मई को इस्तांबुल के बेसिकटास पार्क में फ्रीबर्ग से होगा। विला पार्क में खेले गए मुकाबले में मैच की शुरुआत में नॉटिंघम फॉरेस्ट ने ओमारी हचिंसन के जरिए दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एस्टन विला ने खेल पर नियंत्रण कर लिया। पॉ टोरेस का प्रयास गोलकीपर स्टीफन ऑर्टेगा ने शानदार तरीके से बार के ऊपर भेजा, जबकि यूरी टिलेमान्स और ओली वॉटकिंस भी शुरुआती मौकों को गोल में नहीं बदल सके। पहला गोल आखिरकार वॉटकिंस ने किया। एमिलियानो बुएंडिया ने शानदार ड्रिब्लिंग करते हुए डिफेंस को छकाया और गेंद वॉटकिंस तक पहुंचाई, जिन्होंने आसान फिनिश के साथ टीम को बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद विला का आत्मविश्वास और बढ़ गया। दूसरे हाफ में मेजबान टीम ने और तेजी दिखाई। पॉ टोरेस की शर्ट खींचने पर विला को पेनल्टी मिली, जिसे बुएंडिया ने शानदार तरीके से गोल में बदल दिया। इसके बाद कप्तान जॉन मैकगिन ने तीन मिनट के भीतर दो बेहतरीन गोल दागकर मैच पूरी तरह खत्म कर दिया। दोनों मौकों पर उन्होंने सटीक बाएं पैर के शॉट लगाए और स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। एस्टन विला के कोच उनाई एमरी ने जीत के बाद टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "मुझे गर्व है कि हमने यह मैच जिस तरह खेला। इस्तांबुल में फाइनल खेलना बेहद खास होगा। अब हमें इस पल का आनंद लेना चाहिए, लेकिन साथ ही फाइनल और प्रतिद्वंद्वी फ्रीबर्ग का पूरा सम्मान भी करना होगा।" इस जीत के साथ एस्टन विला अब अपनी तीसरी यूरोपीय ट्रॉफी जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है। 1982 में यूरोपियन कप जीतने वाली विला टीम 44 साल बाद किसी बड़े यूईएफए फाइनल में पहुंची है।

राज्य के विकास के लिए प्रतिदिन 18 घंटे काम कर रहा हूं : रेवंत रेड्डी

अब कोडंगल को देश के लिए आदर्श क्षेत्र बनाया जाएगा : सीएम

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर तथा विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास

हैदराबाद/कोडंगल, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य के विकास के लिए वह प्रतिदिन 18 घंटे काम कर रहे हैं और जनता के सहयोग से तेलंगाना को देश में अग्रणी राज्य बनाया जा रहा है। शुक्रवार को कोडंगल में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर तथा विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि कोडंगल विधानसभा क्षेत्र में मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज, एटीसी सेंटर, नर्सिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक तथा सैनिक स्कूल जैसे शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं और अगले डेढ़ वर्ष में कोडंगल को एक बड़े शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यभर के विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए कोडंगल आएं, इसके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला है और अब कोडंगल को देश के लिए आदर्श क्षेत्र बनाया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने बताया कि लागचेर्ला में 2,300 एकड़ में औद्योगिक पार्क स्थापित किया जा रहा है तथा हवाई अड्डे से कोडंगल तक सीधी सड़क का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकाराबाद रेलवे लाइन का 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और अगले छह महीनों में सीमेंट उद्योग की स्थापना शुरू होगी, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दिसंबर 2027 तक कोडंगल के सभी विकास कार्य पूरे किए जाएं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से राजनीतिक मतभेद भुलाकर गांवों के विकास के लिए कार्य करने की अपील की। सिंचाई परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई योजना को डेढ़ वर्ष में पूरा किया जाएगा, ताकि कृष्णा नदी का पानी क्षेत्र तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि कोडंगल की भूमि कृष्णा जल से सिंचित होनी चाहिए और भूमि अधिग्रहण की जिम्मेदारी मंत्री वी. श्रीहरि को सौंपी गई है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पहले कोडंगल के लोगों को शिक्षा के लिए विकाराबाद और परगी जाना पड़ता था, लेकिन अब गरीबों को शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोडंगल राज्य के सबसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थित है, जहां जल संसाधनों की भारी कमी है और खेती के लिए भी कठिन परिस्थितियां हैं। इसके बावजूद सरकार ने हर तांडा और ग्राम पंचायत को सड़कों से जोड़ने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कोडंगल की जनता द्वारा दिए गए समर्थन को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 में लगाया गया पौधा अब विशाल वृक्ष बन चुका है और उसे सुरक्षित रखना जनता की जिम्मेदारी है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही किसान ऋण माफी, रैतु भरोसा, इंदिरम्मा आवास, राशन कार्ड, फीस प्रतिपूर्ति और गुणवत्तापूर्ण चावल वितरण जैसी कल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कोडंगल का श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर गरीबों का तिरुपति के रूप में प्रसिद्ध है, जहां तेलंगाना के अलावा कर्नाटक और महाराष्ट्र से भी श्रद्धालु आते हैं।

उन्होंने कहा कि कोडंगल में एक ओर मंदिर है और दूसरी ओर सत्ता का केंद्र, और दोनों मिलकर क्षेत्र को समृद्धि की ओर ले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्व विधायक नंदराम सूर्यनारायण ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम से निधियां लाकर मंदिर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि मंदिर में पूजा-पद्धति तिरुपति की परंपराओं के अनुरूप ही संचालित की जाएगी।

मूसी परियोजना से विस्थापितों को कानूनसम्मत सहायता मिलेगी : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना के तहत विस्थापित होने वाले लोगों को सरकार की ओर से पूरा सहयोग दिया जाएगा और सहायता कानूनसम्मत तथा निष्पक्ष तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी। उप-मुख्यमंत्री मूसी पुनर्जीवन कैबिनेट उपसमिति के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने मंत्री दुद्धिल्ला श्रीधर बाबू के साथ शुक्रवार को प्रजा भवन में मधुपार्क रिज (बी-ब्लॉक) रेजिडेंशियल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बैठक के दौरान एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मंत्रियों के समक्ष अपनी मांगें और चिंताएं रखीं। इस अवसर पर मंत्रियों ने निवासियों द्वारा व्यक्त की गई शंकाओं और आशंकाओं का समाधान किया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार मधुपार्क रिज बी-ब्लॉक के निवासियों के प्रति बेहद सकारात्मक दृष्टिकोण अपना रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य सभी नागरिकों के कल्याण और बेहतर जीवन गुणवत्ता को सुनिश्चित करना है। उपमुख्यमंत्री ने निवासियों से अपील की कि वे इस प्रतिष्ठित परियोजना में सहयोग करें और भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य शहरवासियों को स्वच्छ हवा, स्वच्छ पानी और हरित वातावरण उपलब्ध कराना है। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सरकार के आश्वासनों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मूसी पुनर्जीवन अभियान को समर्थन देने की इच्छा जताई। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष दोड्डा श्रीनिवास रेड्डी, सचिव जी.वी. शेखर तथा सदस्य सत्यनारायण, गौतम रॉय, रेनुधल, नबी साहेब और साहिल खान मौजूद थे। सरकार की ओर से मूसी परियोजना के प्रबंध निदेशक ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी, संयुक्त प्रबंध निदेशक गौतमी, अतिरिक्त कलेक्टर चंद्रा रेड्डी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

टीजी-20 लीग से उभरते खिलाड़ियों को मिलेगा मंच : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव एम. जीवन रेड्डी ने शुक्रवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की। इस दौरान एचसीए सचिव ने राज्य में क्रिकेट के विकास और प्रोत्साहन के लिए एसोसिएशन द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की जानकारी राज्यपाल को दी।

उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मजबूत करने, खेल अवसंरचना के विस्तार, ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवा क्रिकेटरों के लिए कोचिंग कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। जीवन रेड्डी ने राज्यपाल को प्रस्तावित टीजी-20 लीग पहल के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य तेलंगाना के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करना है। उन्होंने राज्यपाल को 22 मई को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाले आगामी इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

इससे पहले चारमीनार सर्किल की मुख्य वन संरक्षक एवं तेलंगाना आईएफएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की सचिव प्रियंका वर्गीज तथा क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी जे. स्नेहजा ने भी लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की। अभय फाउंडेशन के संस्थापक स्वामी बालचंद्र ने भी राज्यपाल से भेंट की।

रेडी मिक्स कंक्रीट आपूर्तिकर्ताओं से धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोथुर पुलिस ने तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों में संपत्ति मालिक बनकर रेडी मिक्स कंक्रीट आपूर्तिकर्ताओं से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान के. रमेश उर्फ विशाल तथा वी. प्रेम कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी निर्माणाधीन भवनों को निशाना बनाते थे। वे पहले थोड़ी अग्रिम राशि देकर कंक्रीट की आपूर्ति का ऑर्डर देते और बाद में बकाया भुगतान किए बिना फरार हो जाते थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 23 लाख रुपये नकद, एक कार तथा चार स्मार्टफोन बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोनों आरोपितों को 8 मई को इनमुल्नारवा गांव में एक अन्य धोखाधड़ी की योजना बनाते समय गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

प्राचीन शिव मंदिर ध्वस्तीकरण पर केटी रामाराव ने जताया कड़ा विरोध

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने वारंगल जिले के खानपुर मंडल के अशोकनगर के समीप स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर को ध्वस्त किए जाने की कड़ी निंदा की है। बताया जा रहा है कि यह मंदिर लगभग 800 वर्ष प्राचीन था तथा इसका निर्माण काकतीय शासनकाल में हुआ था। केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार विकास के नाम पर तेलंगाना की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहरों को नष्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को तेलंगाना के इतिहास, संस्कृति और पहचान की पर्याप्त समझ नहीं है।

उन्होंने सदियों पुराने शिव मंदिर को ध्वस्त किए जाने की घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय बताया तथा इस प्रकार की कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की।

केटी रामाराव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार ने पिछले कुछ महीनों में हजारों मकानों को ध्वस्त कराया है तथा बड़ी संख्या में वृक्षों की कटाई कराई है। अब ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत स्थलों को भी निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि ध्वस्त किए गए प्राचीन शिव मंदिर का शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाए तथा राज्य की अन्य ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रभावी कदम उठाए जाएं।

कमीशन कमाने के लिए बनाया गया कलेश्वरम प्रोजेक्ट : विवेक वेंकटस्वामी

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने आरोप लगाया कि पूर्व बीआरएस सरकार ने जानबूझकर प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना को कमजोर किया और केवल कमीशन कमाने के उद्देश्य से कलेश्वरम परियोजना का निर्माण कराया। मंत्री ने शुक्रवार को मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव के साथ तुम्मिडीहट्टी परियोजना क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्राणहिता नदी में जल आरती कार्यक्रम में भाग लिया। बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना पर पहले ही लगभग 1,100 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके थे और परियोजना का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका था। उन्होंने कहा कि यदि अतिरिक्त 25 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए जाते तो परियोजना पूरी हो जाती। मंत्री ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री काका वेंकटस्वामी का मानना था कि उत्तर तेलंगाना की पेयजल और सिंचाई समस्याओं के समाधान के लिए यह परियोजना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ने इस आवश्यकता को समझते हुए प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना का शिलान्यास किया था। उन्होंने बताया कि किरण कुमार रेड्डी सरकार के दौरान परियोजना की ऊंचाई 152 मीटर निर्धारित करने पर समझौता हुआ था। इससे महाराष्ट्र में केवल लगभग 5 हजार एकड़ भूमि ही डूब क्षेत्र में आती और इसके लिए करीब 5 हजार करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में पर्याप्त होते। विवेक वेंकटस्वामी ने आरोप लगाया कि तेलंगाना राज्य गठन के बाद केसीआर सरकार ने परियोजना की ऊंचाई घटाकर 148 मीटर कर दी, जिससे प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना कमजोर पड़ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कलेश्वरम परियोजना केवल कमीशन कमाने के लिए बनाई गई और इससे कुछ ठेकेदारों को भारी लाभ पहुंचा। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी अब उत्तर तेलंगाना के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए तुम्मिडीहट्टी परियोजना को पुनर्जीवित करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। इससे दो लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जल्द ही तुम्मिडीहट्टी का दौरा करेंगे और संबंधित कार्यों की शुरूआत करेंगे। विवेक वेंकटस्वामी ने तेलंगाना के सभी जनप्रतिनिधियों, विशेषकर भाजपा नेताओं से अपील की कि वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलकर परियोजना की ऊंचाई 150 मीटर करने की अनुमति दिलाने के लिए प्रयास करें। कार्यक्रम में एमएलसी डांडे विट्ठल, विधायक गड्डम विनोद, पालवै हरीश बाबू, जिला कलेक्टर के. हरिता, एसपी नितिका पंत सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जलभराव की समस्या का एमएलए व अधिकारियों ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 8 मई (एनएसएस)। जुबली हिल्स विधायक नवीन यादव ने शुक्रवार को जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन तथा हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ के साथ कृष्णानगर, यूसुफगुड़ा सर्किल का दौरा कर मानसून के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सड़कों तथा स्टॉर्म वाटर ड्रेनों का जायजा लिया, जहां भारी मात्रा में जमी गाद के कारण बारिश के समय पानी की निकासी बाधित हो रही है और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

स्थानीय निवासियों ने हर वर्ष जलमग्न सड़कों, यातायात बाधा और स्वच्छता संबंधी समस्याओं से होने वाली परेशानियों से अधिकारियों को अवगत कराया। इस पर अधिकारियों ने संबंधित इंजीनियरिंग और स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को तत्काल डी-सिल्टिंग कार्य शुरू करने, जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी समाधान तैयार करने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान चल रहे नागरिक कार्यों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को प्री-मानसून तैयारियों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के दौरे का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि समय पर हस्तक्षेप से बारिश के मौसम में होने वाली समस्याओं से स्थायी राहत मिलेगी।

दक्षिण भारत में क्षेत्रीय दलों को लेकर भाजपा की रणनीति पर बढ़ी चर्चा

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी की रणनीति को लेकर नई बहस तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने के लिए दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर काम कर रही है, भले ही इसके कारण उसे तत्काल चुनावी लाभ का त्याग करना पड़े। तमिलनाडु में अन्नामलाई और तेलंगाना में बंडी संजय कुमार से जुड़े हालिया घटनाक्रमों के बाद इस विषय पर चर्चा और तेज हो गई है। दोनों नेता प्रभावशाली पिछड़ा वर्ग समुदायों से आते हैं और उन्होंने अपने-अपने राज्यों में भाजपा की उपस्थिति मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद, महत्वपूर्ण राजनीतिक समय पर केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उन्हें पीछे किए जाने को लेकर कई तरह के राजनीतिक विश्लेषण सामने आ रहे हैं।

तेलंगाना में बंडी संजय कुमार भाजपा के प्रमुख नेताओं में उभरकर सामने आए थे। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर भी व्यापक जनसमर्थन हासिल किया और तत्कालीन सत्तारूढ़ बीआरएस के खिलाफ आक्रामक राजनीतिक माहौल तैयार किया। कई विश्लेषकों का मानना था कि उस समय उनका जनाधार तत्कालीन टीपीसीसी अध्यक्ष और वर्तमान मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से भी अधिक दिखाई दे रहा था। हालांकि, वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले भाजपा नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस फैसले से भाजपा की स्वतंत्र राजनीतिक लहर कमजोर हुई और सत्ता विरोधी मतों का विभाजन कम हो गया, जिससे कांग्रेस को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिला। उल्लेखनीय है कि बीआरएस को बहुत कम मत प्रतिशत के अंतर से सत्ता गंवानी पड़ी थी। इसी प्रकार तमिलनाडु में अन्नामलाई ने आक्रामक प्रचार अभियान, युवाओं तक पहुंच और शहरी क्षेत्रों में सक्रियता के माध्यम से भाजपा की पहचान मजबूत की थी। हालांकि, बाद में पार्टी नेतृत्व ने व्यापक राजनीतिक समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए अलग रणनीति अपनाई। विश्लेषकों का कहना है कि इस दौरान अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम ने सत्ता विरोधी माहौल का लाभ उठाकर युवाओं का समर्थन अपने पक्ष में आकर्षित किया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा कुछ राज्यों में तत्काल चुनावी सफलता के बजाय चरणबद्ध राजनीतिक पुनर्गठन की नीति पर काम कर रही है।

रेनिगुंटा-अगरतला के बीच पार्सल कार्गो एक्सप्रेस शुरू

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के गुंतकल मंडल ने माल परिवहन और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेनिगुंटा और निश्चिंतपुर (अगरतला) के बीच पार्सल कार्गो एक्सप्रेस सेवा शुरू की है। इस सेवा की पहली ट्रेन 7 मई 2026 को रेणिगुंटा रेलवे स्टेशन से रवाना हुई। हाल के वर्षों में रायलसीमा क्षेत्र, विशेषकर रेनिगुंटा और आसपास के इलाकों में कृषि उत्पादों की खेती बड़े पैमाने पर हो रही है। किसानों और व्यापारियों को बेहतर बाजार तथा उचित मूल्य उपलब्ध कराने के लिए कृषि उत्पादों को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना आवश्यक हो गया है। सड़क मार्ग से परिवहन समय लेने वाला और महंगा साबित हो रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे के गुंतकल मंडल ने छह वर्ष के अनुबंध के आधार पर पार्सल कार्गो एक्सप्रेस सेवा शुरू करने की पहल की। पहली सेवा में सुपारी उत्पाद, ऑल आउट लिक्विड रिफिल, अगरबत्तियां, चॉकलेट तथा अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं का परिवहन किया गया।

यह ट्रेन मुख्य रूप से फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) और कृषि उत्पादों को एक कुशल रेल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के माध्यम से दूरस्थ बाजारों तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। भविष्य में इस सेवा के जरिए मिर्च, एमआरएफ टायर, आईटीसी उत्पाद, कैडबरी उत्पाद, किम्बर्ली क्लार्क उत्पाद, एनरलाइफ तथा परफेट्टी उपभोक्ता वस्तुओं सहित कई प्रमुख औद्योगिक उत्पादों का परिवहन किए जाने की संभावना है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस कॉरिडोर में माल परिवहन की बड़ी संभावनाएं हैं और अनुबंध अवधि के दौरान मंडल को लगभग 54 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है। इससे मंडल की माल परिवहन आय क्षमता और मजबूत होगी।

यह विशेष कार्गो ट्रेन दक्षिण भारत को कोलकाता, सिलचर, गुवाहाटी और अगरतला जैसे प्रमुख व्यापारिक केंद्रों से जोड़ेगी तथा देशभर में पार्सल और कार्गो परिवहन के लिए तेज और किफायती सुविधा उपलब्ध कराएगी।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने पार्सल कार्गो एक्सप्रेस सेवा के सफल शुभारंभ पर गुंतकल मंडल की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सेवा माल परिवहन कारोबार को बढ़ावा देने और लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन व्यापारियों और उद्योगों को विश्वसनीय तथा कम लागत वाली परिवहन सुविधा उपलब्ध कराएगी और दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र में रेल माल परिवहन की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दोपहिया और लॉरी की टक्कर में तीन युवक घायल

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के लोनावल्ली गांव में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में तीन युवक घायल हो गए। यह हादसा दोपहिया वाहन और सामने से आ रही लॉरी की टक्कर के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार, घायलों की पहचान आंध्र प्रदेश के कोंडापल्ली गांव निवासी अथराम धर्मैया, कंडी लिंगैया तथा एलुरु निवासी दुंद्रा हरीश के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से घायलों को करीमनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार, लिंगैया की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि तीनों युवक एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे, तभी रास्ते में यह दुर्घटना हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना की अंतिम तिथि 10 मई

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जनगणना संचालन निदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी (सीयूआरई) क्षेत्र के निवासियों को जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना की प्रक्रिया 10 मई की मध्यरात्रि तक पूरी करनी होगी। अधिकारियों ने कहा कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने में अब केवल दो दिन शेष हैं, इसलिए पात्र नागरिक समय रहते अपने विवरण अवश्य जमा कर दें।

अधिकारियों के अनुसार, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, साइबराबाद नगर निगम तथा मलकाजगिरि नगर निगम के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में स्व-गणना की प्रक्रिया 26 अप्रैल से प्रारंभ हुई थी। स्व-गणना पोर्टल पर प्रतिदिन सुबह 6 बजे से नागरिक 33 प्रश्नों के माध्यम से अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

जनगणना प्रक्रिया का दूसरा चरण क्षेत्र सत्यापन होगा, जो 11 मई से शुरू होकर 9 जून तक चलेगा। इस दौरान जनगणना अधिकारी घर-घर जाकर नागरिकों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी का सत्यापन करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन के समय जनगणनाकर्मी परिवार से स्व-गणना पहचान संख्या मांगेगा, जो 'एच' अक्षर से शुरू होने वाली 11 अंकों की संख्या होगी।

यह पहचान संख्या परिवार को पोर्टल पर मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी तथा अन्य विवरण जमा करने के बाद प्राप्त होती है। जनगणनाकर्मी परिवार द्वारा भरी गई 33 बिंदुओं की जानकारी का मिलान करेगा। यदि सभी विवरण सही पाए जाते हैं तो आंकड़ों की पुष्टि कर दी जाएगी, जबकि किसी प्रकार की त्रुटि होने पर जानकारी पुनः एकत्र की जाएगी। पूरी प्रक्रिया में लगभग 15 से 20 मिनट का समय लग सकता है। तेलंगाना की जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी ने कहा कि नागरिकों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी तथा इसका उपयोग केवल जनगणना और राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के लिए किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 11 मई से घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने वाले जनगणनाकर्मी नीले रंग के वस्त्रों में होंगे तथा उनके पास सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र रहेगा। ये कर्मचारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे के बीच घरों का दौरा करेंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.